नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 17

सोमवार, 08 से 14 जून 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

तुगलकाबाद अग्निकांड में नया खुलासा 03

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए 08

स्कॉटलैंड ने पहली टी-20 विश्व कप जीत दर्ज की 10

इन गर्मियों में आम को मत भूल जाईए! 11

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका 12

इस्माईल खान

एक नजर

भारत की चिंताओं के प्रति अमेरिका असंवेदनशील : मनीष तिवारी

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो और भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच हुई बातचीत पर प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, अगर आप अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई बातचीत का विवरण देखें, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह भारत की चिंताओं के प्रति गहरी असंवेदनशीलता को दशार्ता है। इसमें कोई पछतावा नहीं है, कोई अफसोस नहीं है, कोई सहानुभूति नहीं है, कोई हमदर्दी नहीं है, बल्कि एक साफ संदेश दिया गया है कि जो कोई भी होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। असल में इसका मतलब यह है कि जिस टैंकर पर अमेरिका ने हमला किया, वह कथित तौर पर उस प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहा था। मनीष तिवारी ने एक्स पर लिखा, कोई पछतावा नहीं, कोई अफसोस नहीं, कोई हमदर्दी नहीं, कोई सहानुभूति नहीं। बातचीत का अंदाज अचानक, रूखा और टकराव वाला था। मार्को रुबियो इससे ज्यादा आक्रामक नहीं हो सकते थे। बातों के बीच छिपा संदेश यह है कि भारतीय नाविकों के साथ जो हुआ, उसके लिए वे खुद ज़िम्मेदार थे। जिस देश को आप दोस्त कहते हैं, उसके साथ बातचीत में ऐसी भाषा का इस्तेमाल शायद ही किया जाता है। कमजोर या अस्पष्ट रवैया अपनाने के बजाय, जयशंकर को इस बातचीत का अपना ब्यौरा जरूर सामने रखना चाहिए। यह जानना दिलचस्प होगा कि क्या जयशंकर इस रूखेपन के सामने डटे रहे।

विश्व मंच पर मजबूत हुई भारत की सांस्कृतिक पहचान : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और सभ्यतागत मूल्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में पिछले वर्षों में हुए प्रयासों को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि भारत न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है, बल्कि अपनी समृद्ध ज्ञान-परंपरा को भी दुनिया के साथ साझा कर रहा है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा एक संदेश में उन्होंने बताया कि भारत की कई सांस्कृतिक परंपराओं को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान मिला है, जिससे भारतीय सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के कई नए स्थलों को विश्व धरोहर का दर्जा मिला है, जबकि विदेशों में पहुंच चुकी बहुमूल्य और प्राचीन भारतीय कलाकृतियों की स्वदेश वापसी भी सुनिश्चित की गई है। यह प्रयास देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। रणधीर जायसवाल ने यह भी उल्लेख किया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना भारत में की गई है। इससे भारतीय चिकित्सा ज्ञान और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। योग के वैश्विक प्रसार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज एक वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। वर्तमान में 175 देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के माध्यम से योग और भारतीय जीवन-दर्शन का संदेश दुनिया भर में पहुंच रहा है।

देश पर महंगाई का मंडरा रहा खतरा

जून-अगस्त के दौरान अल नीनो होने की संभावना 80 प्रतिशत : रिपोर्ट

- वित्त वर्ष 2027 में सीपीआई महंगाई दर 5.2 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है : दिपान्विता मजूमदार

नई दिल्ली, एजेंसी। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, जून-अगस्त के दौरान अल नीनो की घटना होने की संभावना 80 प्रतिशत है और इसके कम से कम नवंबर तक इसके बने रहने की संभावना 90 प्रतिशत या उससे अधिक है। हालांकि, देश में जलाशयों का जलस्तर सामान्य भंडारण से अधिक है (11 जून तक) और सब्जियों की आवक के आंकड़े भी संतोषजनक हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है, आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि क्या सप्लाई की स्थिति ऐसी है जो खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में अचानक होने वाले बदलावों से महंगाई पर पड़ने वाले असर को संभाल पाएगी या नहीं।

अर्थशास्त्री दिपान्विता मजूमदार के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में सीपीआई महंगाई दर 5.2 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। यह अनुमान अल नीनो के कुछ असर और कच्चे तेल की औसत कीमत 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना पर आधारित है।

मई 2026 में हेडलाइन सीपीआई महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रही, जो बीओबी रिसर्च के 4.1 प्रतिशत के अनुमान से कम थी, लेकिन अप्रैल के 3.5 प्रतिशत से ज्यादा थी।

इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में तेजी थी; खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई।

हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई दर बढ़ी, जबकि रेस्टोरेंट और रहने-ठहरने की सेवाओं की महंगाई दर में भी बढ़ोतरी हुई।

कोर महंगाई दर (खाने-पीने की चीजों और ईंधन को छोड़कर) बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई, जो कीमतों में अंदरूनी दबाव के संकेत हैं। बीओबी रिसर्च को ईंधन की ज्यादा कीमतों और मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं, खासकर अल नीनो की वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना से महंगाई का जोखिम दिख रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, खाने-पीने की चीजों की महंगाई के मामले में, ईंधन की ज्यादा कीमतों का असर और माल ढुलाई (फ्रेट) की लागत में संभावित बढ़ोतरी से निकट भविष्य में महंगाई और बढ़ सकती है। इसलिए, सेकंड-राउंड पास-थ्रू (यानी लागत बढ़ने का कीमतों पर बाद में पड़ने वाला असर) पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है, खासकर तब जब इस साल मौसम से जुड़े जोखिम ज्यादा हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, हमारा मानना है कि कोर महंगाई दर में बढ़ोतरी का जोखिम और बढ़ेगा क्योंकि मांग स्थिर रहने के बीच कंपनियां इनपुट लागत में हुई बढ़ोतरी का कुछ बोझ ग्राहकों पर डाल सकती हैं। आने वाले दिनों में खाने-पीने की चीजों की महंगाई से जुड़े जोखिम भी बढ़ने की संभावना है।

भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिका से माफी की मांग करे केंद्र सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के तट के निकट हुई घटना में भारतीय नाविकों की मौत को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए अमेरिका से माफी और जवाबदेही तय करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि भारतीय नागरिकों की जान जाने जैसे गंभीर मामले में सरकार को अधिक दृढ़ और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए था।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई बातचीत के बाद सार्वजनिक किए गए आधिकारिक संदेशों से यह प्रतीत होता है कि भारत की ओर से अपेक्षित कठोरता नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि जिनकी कार्रवाई के कारण भारतीय नागरिकों की जान गई हो, उनके प्रति नरम भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं माना जा सकता।

खेड़ा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार किसी भी सशस्त्र संघर्ष के दौरान किसी तीसरे देश के वाणिज्यिक जहाज को निशाना नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने समुद्र में सशस्त्र संघर्षों पर लागू अंतरराष्ट्रीय कानूनों से संबंधित सैन रेमो मैनुअल (समुद्र में सशस्त्र संघर्षों पर लागू अंतर्राष्ट्रीय कानून) तथा 1949 के जिनेवा कन्वेंशन का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में जवाबदेही तय होना आवश्यक है और जिम्मेदार पक्षों को अपने कृत्यों के लिए उत्तरदाई ठहराया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत ने इस घटना में अपने नागरिकों को खोया है, इसलिए केंद्र सरकार को अमेरिका से औपचारिक माफी मांगने के साथ-साथ पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करनी चाहिए। उनके अनुसार इस मुद्दे पर भारत सरकार का रवैया अपेक्षाकृत नरम दिखाई दिया है, जबकि राष्ट्रीय हितों और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

पवन खेड़ा ने कहा कि विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने आग्रह किया कि भारत सरकार इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाए और यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

कांग्रेस ने इस मामले में पारदर्शिता और स्पष्ट कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय नागरिकों की जान से जुड़े मामलों में सरकार को अधिक सक्रिय और प्रभावी कूटनीतिक पहल करनी चाहिए।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ थल सेनाध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्तमान में थल सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। वर्तमान थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में आरमर्ड कॉर्प्स में कमीशन हुए थे। लगभग चार दशकों के सैन्य करियर के दौरान उनके पास परिचालन, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों का व्यापक अनुभव रहा है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्ध प्रभावशीलता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने विभिन्न परिचालन परिवेशों में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनके कमान दायित्वों में रेगिस्तानी क्षेत्र में एक आर्मर्ड रेजिमेंट, पश्चिमी थियेटर में एक आर्मर्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवाद-रोधी बल शामिल हैं।

एक लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने भारतीय सेना की प्रमुख स्ट्राइक संरचनाओं में से एक सुदर्शन चक्र कॉर्प्स

की कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य व्यस्तताओं और औपचारिक जिम्मेदारियों की देखरेख की। श्री सेठ को परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक मिल चुका है। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने पर लेफ्टिनेंट जनरल ने दक्षिण पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया, जिससे उन्हें दो परिचालन सेना कमानों का नेतृत्व करने और ढाई वर्ष से अधिक की अवधि तक महत्वपूर्ण थियेटरों में रणनीतिक देखरेख प्रदान करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त हुआ।

सेना में जवान 12 सेंमी से ज्यादा लंबी मूंछ नहीं रख पाएंगे

महिला सैनिक नहीं लगा पाएंगी लिपिस्टिक, नियमों में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने औपनिवेशिक काल और गुलामी के दौर की पुरानी परंपराओं को पीछे छोड़ते हुए अपनी यूनिफॉर्म और ग्रूमिंग (रहन-सहन) नियमों में बड़े ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। नए नियमों के तहत अब सैनिकों की मूंछों का आकार 12 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। वर्दी में रहते हुए डियोड्रेंट या परफ्यूम लगाने पर पाबंदी होगी, हालांकि आफ्टर-शेव लोशन का उपयोग किया जा सकता है। महिला सैन्य अधिकारियों के लिए लिपस्टिक, रंगीन नेल पॉलिश, बिंदी और नोज पिन पहनने पर सख्त रोक लगाई गई है। महिला कर्मी सिंदूर लगा सकती हैं, बशर्ते वह बेरेट या पीक कैप पहनने के बाद बाहर से दिखाई न दे।

नए मैनुअल में सैनिकों के रहन-सहन और ग्रूमिंग के मानकों को भी कड़ाई से परिभाषित किया गया है। शरीर पर टैटू बनवाने,

बॉडी पियर्सिंग और वर्दी में किसी भी प्रकार का ब्रेसलेट पहनने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। केवल पूजा के दिन कलाई पर कलावा बांधने की छूट होगी। सिख सैनिकों को छोड़कर किसी भी अन्य सैनिक को धार्मिक चिह्न प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं है। चमकीली पाउच बेल्ट को मेस ड्रेस नंबर 5 और 6 से हटा दिया गया है। ये ड्रेस राष्ट्रपति भवन, राजभवन के राजकीय कार्यक्रमों या प्रधानमंत्री और सेना कमांडरों के आवासों पर आयोजित होने वाले औपचारिक भोज के दौरान पहनी जाती हैं। हालांकि, बख्तरबंद कोर, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, आर्टिलरी रेजिमेंट, राइफल रेजिमेंट और सिग्नल्स कोर के कर्नल रैंक तक के अधिकारी अभी भी रेजिमेंटल कार्यक्रमों में इसे पहन सकेंगे।

फॉर्मल कार्यक्रमों में बंद गले की बंडी जैकेट पहनने की मंजूरी दे दी गई है, जबकि लंबे समय से चली आ रही पारंपरिक पाउच बेल्ट को पूरी तरह से हटा दिया गया है। इसके अलावा, परेड के दौरान समीक्षा अधिकारियों के लिए तलवार ले जाने की अनिवार्यता को भी अब पूरी तरह वैकल्पिक बना दिया गया है। ये सभी महत्वपूर्ण बदलाव सेना द्वारा जारी आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026 नाम के एक नए 174 पन्नों के मैनुअल में विस्तृत रूप से दिए गए हैं। इससे पहले सेना ने करीब आठ साल पहले अपनी वर्दी को लेकर ऐसा कोई व्यापक और बड़ा मैनुअल जारी किया था।

वर्दी में किए गए मुख्य बदलावों की बात करें तो अधिकारियों को पहली बार औपचारिक आयोजनों में बंद गले की बंडी जैकेट पहनने की अनुमति दी गई है, जिसे पूरी आस्तीन की शर्ट के ऊपर पहना जा सकता है। यह जैकेट ठोस और सौम्य रंग की

दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में भीषण आग, 3 लोगों की दर्दनाक मौत, 5 अस्पताल में भर्ती

नमिता चौहान

दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके में 11 जून की देर रात लगभग 2 बजे एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह आग इलेक्ट्रिक बाइक्स के चार्जिंग के दौरान अचानक लगी और देखते ही देखते तेजी से फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग पहले एक इमारत के निचले हिस्से में लगी और फिर धुएं के साथ धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ते हुए लगभग पांचवीं मंजिल तक फैल गई। आग के कारण इमारत में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग अंदर फंस गए।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू किया और अपनी जान की परवाह किए बिना फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने में मदद की। इस दौरान करीब 35 लोगों को

सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

हालांकि इस दर्दनाक घटना में 3 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 2 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। इसके अलावा 5 लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां और पुलिस टीम कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रिक बाइक्स की बैटरी या चार्जिंग सिस्टम में खराबी को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

इस घटना पर क्षेत्र के विधायक Chandan Kumar Choudhary ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जिन लोगों की जान गई है, वह अत्यंत दुखद है और वे शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं।

विधायक ने यह भी कहा कि इस घटना में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने प्रशासन से घायलों के बेहतर इलाज और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने की मांग की।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। स्थानीय प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अब एथेनॉल से दौड़ेंगे वाहन, दी गई कानूनी मंजूरी : गडकरी

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को बताया कि देश में हरित ऊर्जा और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 100 प्रतिशत एथेनॉल को वाहनों में उपयोग करने की कानूनी मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक फाइल पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश को पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता से मुक्त करना है। नए निर्णय के बाद वाहन मालिक अपनी गाड़ियों में पेट्रोल के

स्थान पर सीधे 100 प्रतिशत एथेनॉल का उपयोग कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एथेनॉल आधारित ईंधन से पर्यावरण को होने वाला नुकसान काफी कम होगा और उपभोक्ताओं को ईंधन पर कम खर्च करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि अब वाहन मालिक की मर्जी है, वह गाड़ी में पेट्रोल डलवाए या एथेनॉल। फोर-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और स्कूटर सहित सभी वाहनों में इसका उपयोग किया जा सकेगा।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने गिनाई मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियां, सीएम डैशबोर्ड से रोजगार तक बदली तस्वीर

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बरेली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर बरेली के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता कर विभागवार उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बरेली की तस्वीर बदल गई है। उट डैशबोर्ड में बरेली लगातार टॉप 10 में रहा और मार्च 2026 में द्वितीय स्थान हासिल किया। अप्रैल 2026 में द्वितीय और मई 2026 में प्रथम स्थान मिला।

IGRS और जनसुनवाई में बरेली अव्वल मंत्री राठौर ने बताया कि जन सुनवाई और IGRS रैंकिंग में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बरेली प्रदेश में टॉप 10 में रहा। तहसील मुख्यालयों में सुबह 10 से 12 बजे तक दैनिक जनता दर्शन की लाइव मॉनिटरिंग शुरू की गई है। उपजिलाधिकारियों को समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं।

अर्थव्यवस्था में छलांगः 40.7% बढ़ा GDDP जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार बरेली सकल जिला घरेलू उत्पाद में प्रचलित भाव पर यूपी में 8वें स्थान पर है। 2024-25 में बरेली का GDDP 65,119 करोड़ रुपये रहा, जो 2021-22 के 46,282 करोड़ के मुकाबले 40.7% ज्यादा है। प्रति व्यक्ति आय 76,771 रुपये से बढ़कर 1,04,314 रुपये हो गई। बरेली की अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान से सेवा-प्रधान की ओर बढ़ी है।

धार्मिक पर्यटन में रिकॉर्डः 1 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। वर्ष 2025 में प्रमुख पर्यटन स्थलों और मेले-महोत्सवों में 1 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ। आंवला तहसील की लीलौर झील का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। 2484 प्राथमिक स्कूलों का ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 19 पैरामीटर पर संतृप्तीकरण कराया गया। 71.22 करोड़ से नबावगंज में अटल आवासीय विद्यालय बना। आयुष्मान भारत में 12 लाख गोल्डन कार्ड बने। 3 सरकारी अस्पताल, 17 उढ़उ, 80 ढढ़उ और 554 जन आरोग्य मंदिर संचालित हैं। टीबी मुक्त भारत अभियान में 512 गांव चिन्हित कर 414 शिविर लगाए गए।

रोजगार और निवेश में बरेली नंबर वन

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में 2025-26 में 2750 युवाओं को ऋण दिया गया। बरेली को पश्चिमी यूपी में प्रथम और प्रदेश में 10वां स्थान मिला। खाद्य प्रसंस्करण नीति 2017 में 56 इकाइयां स्थापित हुईं, 400 करोड़ का निवेश और 5000 रोजगार मिले। नीति 2023 में 38 इकाइयां स्वीकृत हुईं, 500 करोड़ निवेश और 4000 रोजगार सृजित हुए। मेगा फूड पार्क बहेड़ी में 133 एकड़ में पार्क विकसित हुआ। नबावगंज में 114 एकड़ में सरदार पटेल इम्प्लाईमेंट जोन प्रस्तावित है।

कल्याण योजनाओं में रिकॉर्ड लाभ

पीएम आवास ग्रामीण में 23357, सीएम आवास में 2780, शहरी में 50400 आवास बने। मनरेगा में 9.30 लाख परिवारों को रोजगार, 991.67 करोड़ खर्च। 106585 विधवा, 93337 वृद्धावस्था, 28202 दिव्यांग पेंशन दी जा रही है। 7.87 लाख राशन कार्ड धारकों को 16.50 लाख मीट्रिक टन निशुल्क राशन मिला। पीएम उज्जवला में 4.16 लाख को गैस कनेक्शन मिले।

बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर

पीएम सूर्यघर योजना में 24077 सोलर रूफटॉप लगे, बरेली प्रदेश में चौथे स्थान पर। त्वरित आर्थिक विकास योजना में 48.95 करोड़ से 100 सड़क निर्माण कार्य होंगे। ESIC अस्पताल का निर्माण 115.17 करोड़ से हो रहा है, 8 नवंबर 2026 तक पूरा होगा। STPI बरेली 18.50 करोड़ से बना।

2014 से 2026 तक की प्रमुख उपलब्धियां

मंत्री ने बताया कि पीएम किसान में 5.45 लाख लाभार्थियों को 1858.39 करोड़, किसान ऋण मोचन में 94205 किसानों को 504.56 करोड़ मिले। गन्ना मूल्य भुगतान 13894.44 करोड़, गेहूं खरीद 10.88 लाख मीट्रिक टन, धान खरीद 15.88 लाख मीट्रिक टन हुई। 1.22 करोड़ आयुष्मान गोल्डन कार्ड बने। कुल औद्योगिक निवेश 18773.19 करोड़ से 40977 रोजगार सृजित हुए। 14798 स्वयं सहायता समूहों से 1.97 लाख महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ीं। 18 कस्तूरबा गांधी विद्यालय संचालित हैं। 2857 आंगनबाड़ी केंद्रों से 3.11 लाख लाभार्थियों को पुष्टाहार मिला। मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि डबल इंजन सरकार में बरेली विकास के नए आयाम छू रहा है। पर्यटन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य हर क्षेत्र में रिकॉर्ड काम हुआ है।

नोएडा में दो मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

21 मोबाइल और चोरी की बाइक बरामद

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः नोएडा थाना सेक्टर-58 पुलिस को मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन स्नैचिंग करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से स्नैचिंग के 21 मोबाइल फोन, अवैध शस्त्र तथा वारदात में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में लगातार हो रही मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में थाना सेक्टर-58 पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के दौरान दो युवकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने मोबाइल फोन छीनने की कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 21 मोबाइल फोन, एक अवैध शस्त्र और वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस का मानना है कि बरामद मोबाइल फोन आसपास के क्षेत्रों में हुई स्नैचिंग की घटनाओं से जुड़े हो सकते हैं। बरामद मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी राह चलते लोगों, विशेषकर मोबाइल पर बात कर रहे व्यक्तियों को निशाना बनाते थे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से फरार हो जाते थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। यह भी जांच की जा रही है कि उनके साथ इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। यदि अन्य साथियों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को क्षेत्र में बढ़ती मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

पुलिस ने आम नागरिकों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। फिलहाल दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जनकल्याण शिविर आयोजित, विभिन्न विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः पोरसा शासन के आदेश पर आज की नागाजी सरोवर परिसर में जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर अतिथि जिला सीईओ कमलेश कुमार भार्गव एवं जनपद पंचायत पोरसा की सीईओ श्रीमती सुनीता शर्मा ,नगर पालिका अध्यक्ष कुसमा देवी रामवीर सिंह तोमर, सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर, तहसीलदार नवीन भारद्वाज ,सीडीपीओ सपना यादव, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह तोमर मंचासीन थे जबकि कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिंह तोमर प्राचार्य द्वारा किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती का पूजन किया गया। उसके बाद अतिथि ने कहा कि आज हर गरीब के लिए शासन की योजनाएं चल रही है, जिसका लाभ प्रत्येक व्यक्ति को लेना चाहिए। जिन गरीबों को योजनाओं की जानकारी नहीं है। वह अपने संबंधित विभाग में या इस प्रकार की शिविरों में आकर जानकारी लेकर अपना आवेदन करें और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। शिविर में सभी विभाग मौजूद थे। नगर पालिका ,महिला बाल विकास विभाग, जनपद पंचायत, विद्युत मंडल, तहसील कार्यालय विभाग ,राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सालय, आदि सभी विभागों के कर्मचारी शिविर में मौजूद थे, जो आम जनता को अपने अपने विभाग से संचालित विभिन्न प्रकार की योजनाओं की जानकारी मौजूद लोगों को दे रहे थे।

डॉक्टर नहीं मिले तो कलेक्टर ने संभाली जिम्मेदारी, खुद किया मरीजों का इलाज

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेशः कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिटोल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, उपचार व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक की ड्यूटी जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कार्य हेतु लगाई गई है, जिसके कारण वे उस समय स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित नहीं थे। इस दौरान ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचे मरीजों एवं गर्भवती महिलाओं को प्रतीक्षा करते देख कलेक्टर डॉ. भरसट ने स्वयं एक चिकित्सक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने ओपीडी में उपस्थित गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। उन्होंने गर्भावस्था की अवधि, नियमित जांच, पोषण, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने की समझाइश भी दी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं की एएनसी (Ante Natal Check-up) संबंधी जानकारी का परीक्षण किया तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाने वाली ऑनलाइन प्रविष्टियों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों से एएनसी जांच की ऑनलाइन एंट्री प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की और मौके पर ही गर्भवती महिलाओं की जांच संबंधी प्रविष्टियां दर्ज करवाकर रिकॉर्ड को अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला की समय पर जांच, ऑनलाइन पंजीयन तथा नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान कर उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध दवाओं, जांच सुविधाओं तथा मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि उपचार के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा किसी भी परिस्थिति में मरीजों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं का मूल उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सहज स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. भरसट ने पिटोल में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने भवन में उपलब्ध अधोसंरचनात्मक सुविधाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रारंभ होने से पिटोल एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी तथा गंभीर मरीजों को उपचार के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता कम होगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा ने धार्मिक स्थलों पर चलाया स्वच्छता अभियान

‘एक पेड़ मां के नाम’ के तहत किया पौधारोपण

सनव्वर

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी के पद अधिकारियों ने धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चे के महानगर अध्यक्ष जावेद चौधरी के नेतृत्व में महानगर उपाध्यक्ष वासिब गौर महानगर महामंत्री मोबीन अहमद इदरीशी महानगर मंत्री तोसिफ महानगर के पूर्व मंत्री डॉ शोएब अंसारी शौकीन मालिक इरशाद अंसारी इन के नेतृत्व में सहारनपुर धार्मिक स्थलों पर 'स्वच्छता अभियान' चलाया गया और इसी कर्म में'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का आयोजन किया है। इस सेवा पखवाड़े के तहत सहारनपुर में अल्पसंख्यक महानगर , मोर्चे के कार्यकताओं ने धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई की और अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण किया? इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के सुशासन, जनकल्याण और सबका साथ-सबका विकास के संकल्प को आगे बढ़ाना है। और वही भाजपा महानगर अध्यक्ष अल्प मोर्चा महानगर जावेद चौधरी ने आयोजित कार्यक्रमों की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं। अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकताओं ने विभिन्न धार्मिक स्थलों , दरगाहों और अन्य स्थलों) में झाडू लगाकर और परिसर की धुलाई कर साफ-सफाई की।जागरूकताः कार्यकताओं ने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियानपर्यावरण संरक्षण विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू हुए इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत मोर्चे के सदस्यों और आम जनता ने मिलकर पौधे लगाए।मातृत्व का सम्मानः हर पौधे को अपनी माता के प्रति सम्मान या उनकी स्मृति के रूप में समर्पित किया गया।सेवा और जनकल्याण के 12 वर्षइन आयोजनों के माध्यम से भाजपा नेताओं ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने बिना किसी भेदभाव के अल्पसंख्यक समुदाय के विकास और सुरक्षा के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।इन कार्यक्रमों को केवल राजनीतिक उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के रूप में आयोजित किया गया। वही भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ शोएब अंसारी ने कहना हमारी मोदी सरकार मुसलमानों के साथ में बिना भेद भाव के काम करने का काम किया है इस में आयुष्मान कार्ड की योजना सरकारी आवास की योजना महीने में दो बार राशन मिलना इतनी इतनी अच्छी सुविधाए हमारी माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा लागू किया गया है।

प्रसव के बाद महिला की हुई मौत, पुलिस प्रशासन ने किया अस्पताल सील

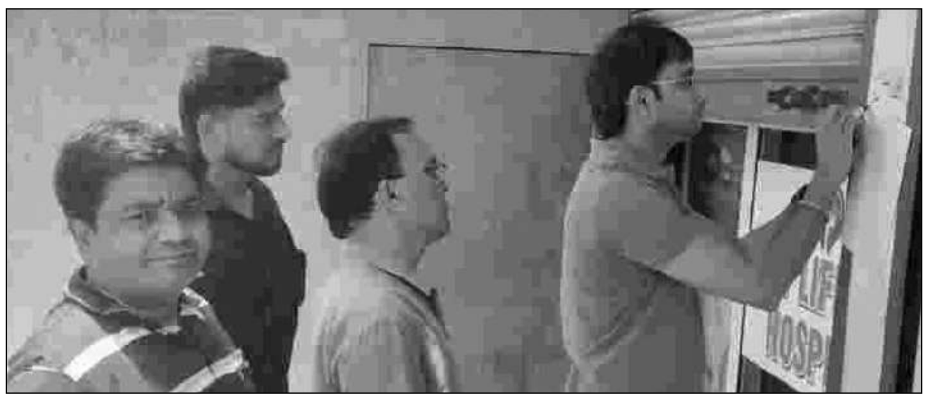

रजनेश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेशः फतेहगंज पश्चिमी ठिरिया खेतल गांव में जिस घर में बेटे के जन्म की खुशियां मनाने की तैयारी थी, वहां कुछ ही घंटों बाद चीख-पुकार और मातम छा गया। महिला की डिलीवरी (प्रसव) के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए न्यू लाइफ लाइन अस्पताल को सील कर दिया, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव ठिरिया खेतल निवासी रामप्रकाश रविवार सुबह करीब 10 बजे अपनी पत्नी राजकुमारी (30 वर्ष) को (प्रसव) डिलीवरी के लिए लोधी नगर स्टेशन रोड पर (शाही रोड) स्थित न्यू लाइफ लाइन अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उसके बाद महीला के परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कर दिया। दोपहर करीब एक बजे डॉक्टरों द्वारा महिला का ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद राजकुमारी ने एक स्वस्थ पुत्र बेटे को जन्म दिया तो परिवार में खुशी का माहौल हो गया। लेकिन कुछ देर बाद ही अस्पताल में एडमिट राजकुमारी की डिलीवरी के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी।

राजकुमारी की बहन जब अस्पताल में राजकुमारी को देखने पहुंची तो वह कोई जवाब नहीं दे रही थी। उसकी हालत गंभीर दिखाई दे रही थी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से एंबुलेंस मंगाकर उसे बरेली रेफर कर दिया गया। महिला के परिजनों का आरोप है कि बरेली पहुंचने से पहले ही रास्ते में राजकुमारी की मौत हो गई। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर लौटे तो डॉक्टर अस्पताल का ताला लगाकर भाग हो गया। सूचना पर फतेहगंज पश्चिमी खिरका सीएचसी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संचित शर्मा स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। तो अस्पताल के गेट का शटर तो खुला था मगर अंदर घुसने के लिए मुख गेट पर ताला लगा हुआ था। चिकित्सा प्रभारी संचित शर्मा ने निरीक्षण के बाद अस्पताल में सभी चिकित्सकीय गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाते हुए नोटिस चस्पा कर अस्पताल को सील कर दिया।

राजकुमारी अपने पीछे तीन बेटियों और एक नवजात बेटे को छोड़ गई हैं। मृतक राजकुमारी की की मौत के बाद उसके घर में कोहराम मच गया तीनों बेटियों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव के मौजूद लोगों एवं फतेहगंज पश्चिमी के पूर्व चेयरमैन कृष्णपाल मौर्य ने मृतक के परिजनों को सांत्वना देकर ढांढस बंधाया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद महीला की मौत का स्पष्ट कारण पता लगेगा।

320 किलो डोडा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, ट्रक समेत भेजे गए जेल

रजनेश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेशः फतेहगंज पश्चिमी मुखबिर की सूचना पर पुलिस और नारकोटिक्स संयुक्त टीम के द्वारा बृहस्पतिवार देर शाम डोडा की खेफ के साथ गिरफ्तार दोनो तस्करों को पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में पेशी के बाद कोर्ट के निर्देश पर जेल भेज दिया। दोनो के कब्जे 320 किलोग्राम डोडा,एक ट्रक,4 मोबाइल,2590 रुपये बरामद किए गए है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया बृहस्पतिवार देर शाम करीब 9 बजे मुखबिर की सूचना पर भरोसा करके एएनटीएफ प्रभारी विकास यादव और थाना दरोगा मांगे राम की अगुवाई में संयुक्त टीम ने हाइवे के रहपुरा जागीर अंडरपास के पास सर्विस रोड से एक ट्रक समेत थाना मीरगंज के गांव चुरई दलपतपुर निवासी प्रेमप्रकाश और थाना विशारत गंज के मोहल्ला काठियाना निवासी पुष्पेंद्र सिंह को घेरकर गिरफ्तार कर लिया था।ट्रक की तलाशी लेने पर 320 किलोग्राम डोडा मादक पदार्थ बरामद किया गया।पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया।पुष्पेंद्र सिंह ट्रक मालिक और प्रेमप्रकाश चालक है।दोनो झारखंड से डोडा लाकर पंजाब के लोगों को सप्लाई करते है।बृहस्पतिवार को भी पंजाब के किसी व्यक्ति के साथ उनकी डील हुई थी। लेकिन उससे पहले वह पकड़े गए।पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार करने के बाद शुक्रवार को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया।

देश में बढ़ती नफरत और असुरक्षा पर जमीअत उलमा-ए-हिंद की चिंता, छह सूत्रीय मांग-पत्र जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने देश की वर्तमान परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि नफरत, विभाजन और असुरक्षा का बढ़ता माहौल देश के संवैधानिक भविष्य और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। समिति ने केंद्र और राज्य सरकारों सहित सभी संवैधानिक संस्थाओं से सामाजिक सद्भाव और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की विशेष बैठक 11 जून को संगठन के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में देश की मौजूदा परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा के बाद प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। समिति ने अपने बयान में कहा कि बीते वर्षों में सामाजिक और राजनीतिक वातावरण में आए बदलावों ने लोकतांत्रिक ढांचे को प्रभावित किया है तथा घृणास्पद भाषणों और धार्मिक उन्माद ने समाज में अविश्वास की भावना को बढ़ावा दिया है। प्रस्ताव में कहा गया कि अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक परंपराओं को निशाना बनाए जाने की घटनाओं ने एक बड़े वर्ग में असुरक्षा की भावना पैदा की है। समिति का कहना है कि किसी भी धार्मिक विवाद का समाधान कानून और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप होना चाहिए तथा किसी समुदाय के सम्मान और अधिकारों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। कार्यकारी समिति ने मतदाता सूची, नागरिकता और पहचान से जुड़ी प्रक्रियाओं को लेकर भी चिंता जताई। बयान में कहा गया कि इन मुद्दों से संबंधित हालिया घटनाक्रम ने अनेक नागरिकों के मन में आशंकाएं पैदा की हैं और लोकतंत्र के मूल अधिकारों के प्रति विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। समिति ने यह भी कहा कि देश की वास्तविक चुनौतियां जैसे बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पीछे छूटती जा रही हैं, जबकि सार्वजनिक विमर्श को बार-बार धार्मिक और सांप्रदायिक विवादों की ओर मोड़ा जा रहा है। संगठन का मत है कि राष्ट्रीय ऊर्जा का उपयोग विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों के समाधान में होना चाहिए। अपने दूसरे प्रस्ताव में जमीअत उलमा-ए-हिंद ने अवैध घुसपैठ और जनसंख्या संरचना में बदलाव के नाम पर कुछ राज्यों में चल रही गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की। संगठन ने कहा कि सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन किसी भी धार्मिक या भाषाई समूह को सामूहिक रूप से संदेह के दायरे में लाना उचित नहीं है।

प्रत्येक मामले में निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान संगठन ने छह सूत्रीय मांग-पत्र भी प्रस्तुत किया।

तुगलकाबाद अग्निकांड में नया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। तुगलकाबाद एक्सटेंशन में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर जांच के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। पार्किंग क्षेत्र में लगी आग के पीछे एक नकाबपोश महिला का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। पूरी घटना वहां लगे निगरानी उपकरणों में दर्ज हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस और न्यायिक विज्ञान दल जांच को आगे बढ़ा रहे हैं। प्राप्त दृश्यांकन के अनुसार, रात 2:23 बजे एक नकाबपोश महिला पार्किंग परिसर में प्रवेश करती दिखाई देती है। कुछ ही देर बाद वहां अचानक आग की तेज लपटें उठने लगती हैं। इसके बाद वह महिला घटनास्थल से तेजी से निकल जाती है। इस घटनाक्रम ने मामले को नया मोड़ दे दिया है और आग लगने के कारणों को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि तुगलकाबाद एक्सटेंशन की पांच मंजिला इमारत में लगी इस भीषण आग में दम घुटने और झुलसने से एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कई अन्य लोग घायल हुए थे, जिनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार जारी है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में एक अन्य पहलू भी सामने आया है। अधिकारियों के अनुसार, भूतल पर बिजली के तारों में आई खराबी के कारण चिंगारी उठने और वहां खड़े एक विद्युत चालित दोपहिया वाहन के चार्जिंग से जुड़े होने की संभावना भी जांच के दायरे में है। आग ने कुछ ही क्षणों में विकराल रूप धारण कर लिया और वहां खड़े कुल 7 दोपहिया वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। वाहनों की ईंधन टंकियों में विस्फोट और प्लास्टिक सामग्री के जलने से पूरी इमारत में घना काला धुआं फैल गया।

ऊपरी मंजिलों पर सो रहे लोगों को संभलने और बाहर निकलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाया, जिससे स्थिति और भयावह हो गई। दमकल और पुलिस दल ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए धुएं से घिरी इमारत से 8 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को तत्काल सफदरजंग अस्पताल और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के आघात चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया। बावजूद इसके चिकित्सकों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि निगरानी उपकरणों में दर्ज दृश्य और न्यायिक विज्ञान जांच की रिपोर्ट इस पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि आग जानबूझकर लगाई गई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। सभी संभावित पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

हर्ष मल्होत्रा ने शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस की प्राध्यापिका से की भेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के साथ नरेन्द्र मोदी के सर्वाधिक लम्बे चुने हुए कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड स्थापित होने पर भारतीय जनता पार्टी अन्य कार्यक्रमों के साथ ही समाज के विशिष्ट व्यक्तियों के बीच केन्द्र सरकार की 12 साल की उपलब्धियों की चर्चा को लेकर जा रही है और उन्हें उपलब्धियों की पुस्तक भी भेंट कर रही है। इसी श्रृंखला में शनिवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस की प्राध्यापिका प्रो. पायल मगगो एवं कालेज की कुछ वरिष्ठ अध्यापकों एवं उत्कृष्ट छात्राओं के ग्रुप से भेंट करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों की पुस्तिका भेंट करके उन पर चर्चा की। हर्ष मल्होत्रा ने कालेज परिसर में लगाई गई विगत 12 साल की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों एवं मशरूम स्किल डेवलपमेंट की प्रदर्शनी देखी और साथ कालेज के मैदान में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के नेता एवं विश्वविद्यालय में प्रो. अभिषेक टंडन, मयूर विहार जिला भाजपा अध्यक्ष विजेन्द्र धामा एवं निगम पार्षद मुनिशा ढेडा भी प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्राध्यापिका एवं कालेज ग्रुप से मिले। हर्ष मल्होत्रा ने एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत के नवनिर्माण के विजन की कालेज ग्रुप से चर्चा की और कहा की मोदी की सरकार आज के युवाओं की कल्पना को भलीभांति समझती है और युवाओं की कल्पना के नये आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को संकल्पित है।

कृष्ण में रुका और रुझा मन ही रुक्मिणी : स्वामी राजेश्वरानंद

संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजीत कुमार सिंगला ने किया वेबसाइट का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा के गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। कृष्ण-रुक्मिणी मंगल प्रसंग पर प्रवचन देते हुए स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि रुक्मिणी का वास्तविक अर्थ उस मन से है, जो भगवान श्रीकृष्ण में रुक जाए और उन्हीं में रुझ जाए। मन को प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना ही जीव का परम कल्याण है। उन्होंने कहा कि केवल संसार का त्याग कर देना ही फकीरी नहीं है, बल्कि मन और स्वभाव में भी आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए। सांसारिक कष्टों से पीड़ित होकर लोग दुनिया छोड़ने की बातें करते हैं, जबकि आवश्यकता परमात्मा से अपने संबंध को दृढ़ करने की है। स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा, "जब तक भगवद्प्राप्ति की राह में समर्पण और प्रेम के आंसू आंखों में न उतरें, तब तक फकीरी के वास्तविक अर्थों को समझा नहीं जा सकता। रुक्मिणी ने राजसी वैभव और सांसारिक सुखों का त्याग कर भगवान श्रीकृष्ण को पाने का संकल्प लिया और अडिग निश्चय के बल पर उन्हें प्राप्त किया।" उन्होंने आगे कहा कि संतों का जीवन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए होता है। संत बुराई को अच्छाई में परिवर्तित करने का कार्य करते हैं। उन्होंने नारद और वाल्मीकि, बुद्ध और अंगुलिमाल तथा अजामिल जैसे प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि संतों की महिमा वहीं सिद्ध होती है, जहां पीड़ा, अज्ञान और दुष्ट प्रवृत्तियां होती हैं।

एक नजर

बाइक राइडिंग में आमदनी नहीं तो करने लगा चोरी, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय विहार के लाल क्वाटर इलाके में रहने वाले 23 साल का संजय कुमार नाम का युवक कमाई के लिए बाइक राइडर का काम शुरू किया, लेकिन आमदनी कम होने पर उसने अपराध का रास्ता चुनकर चोरी करने लगा। इलाके में संदिग्ध हालत में घूमते पकड़े जाने पर पुलिस को भी उसके आपराधिक रिकार्ड के बारे में पता चला। पुलिस ने बदमाश की गिरफ्तारी से चोरी के 10 मामले सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

करोड़ों के घर, फिर भी पानी को तरसे 400 परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज के डी-1 ब्लॉक में रहने वाले 400 से अधिक परिवार पिछले दो माह से गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच पानी की कमी ने लोगों की दैनिक दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जलापूर्ति की पाइप लाइन में पानी का दबाव बेहद कम होने के कारण घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। समस्या के समाधान के लिए गेट संख्या 4 के पास लगाया गया भूमिगत पंप भी पिछले लगभग 3 माह से खराब पड़ा है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। निवासियों ने दिल्ली जल बोर्ड, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। मजबूरी में लोग निजी जलवाहनों और बोतलबंद पानी का सहारा लेने को विवश हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि खराब पड़े पंप को शीघ्र दुरुस्त कराया जाए और स्थायी समाधान होने तक नियमित रूप से जलवाहनों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि संकट से जूझ रहे परिवारों को राहत मिल सके।

जयपुर पोलो ग्राउंड पर केंद्र सरकार का कब्जा, गेट सील कर चस्पा किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। जयपुर पोलो ग्राउंड को खाली कराने की केंद्र सरकार की कार्रवाई पर रोक लगाने से अदालत ने इन्कार कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद शनिवार को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) ने 15.20 एकड़ में फैले जयपुर पोलो ग्राउंड का भौतिक कब्जा अपने हाथ में ले लिया। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा ने कहा कि चूंकि इसी तरह की राहत पहले ट्रायल कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट से भी नहीं मिली थी, इसलिए न्यायिक अनुशासन को देखते हुए बेदखली आदेश के अमल पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

अंग्रेजी माध्यम से हिंदी में बदलाव की जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी विद्यालयों में कक्षा 11 के विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम से हिंदी माध्यम में स्थानांतरित किए जाने की शिकायतों पर शिक्षा निदेशालय ने औपचारिक जांच शुरू कर दी है। इस मामले ने अभिभावकों और विद्यार्थियों की चिंता बढ़ा दी है। अधिवक्ता अशोक अग्रवाल की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं को बंद किया जा रहा है या उन्हें हिंदी माध्यम के साथ मिला दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को अपनी चुनी हुई भाषा में अध्ययन जारी रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायत के अनुसार, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कुछ सरकारी विद्यालयों में यह स्थिति सामने आई है। इनमें सीआर दास सर्वोदय कन्या विद्यालय का नाम भी शामिल है। बताया गया है कि 10वीं तक अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 11वीं में उसी माध्यम में अध्ययन के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि अचानक माध्यम बदलने से विद्यार्थियों की विषयों की समझ, परीक्षा की तैयारी और उच्च शिक्षा की योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वहीं, शिक्षा निदेशालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

गले पर हथियार रखकर बारहवीं के छात्र को बदमाशों ने लूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। समयपुर बादली इलाके में 12वीं कक्षा के छात्र के साथ लूट का मामला सामने आया है। दो बदमाशों ने छात्र के गले पर धारदार हथियार लगाकर उसकी चेन लूट ली। पीड़ित छात्र की शिकायत पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज किया है। पुलिस बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। पीड़ित 17 साल का श्याम सुंदर कुमार अपने परिवार के साथ बादली गांव में रहता है। परिवार में पिता नगीना चौधरी और मां के अलावा अन्य सदस्य है। वह 12वीं कक्षा का छात्र है। समयपुर बादली थाने में दर्ज प्राथमिकी में श्याम सुंदर ने बताया कि 11 जून की शाम निर्वाण लाइब्रेरी में पढ़ाई करने के बाद वह अपने घर जा रहा था। पंजाबी मंदिर के पास 20 से 22 साल के दो युवकों ने उसे रोका। एक युवक ने गले में धारदार हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी दी। दूसरे युवक ने गले में पहनी ओम लॉकेट वाली चेन को जबरदस्ती छीन लिया। चेन का वजन करीब 4.5 तोला था। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी पीछे वाली गली में भाग गए।

सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी टीबी स्क्रीनिंग पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लोगों से नियमित रूप से टीबी की जांच कराने की अपील करते हुए कहा कि समय पर बीमारी का पता चलने पर उसका उपचार सरल और सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

सांसद के सरकारी आवास पर नेहरू नगर टीबी अस्पताल और शेयर इंडिया के सहयोग से जांच अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान रामवीर सिंह बिधूड़ी ने स्वयं भी टीबी स्क्रीनिंग कराई, जबकि उनके स्टाफ के सीने की जांच की गई। 'शेयर इंडिया' की डॉ. गरिमा ने सांसद को 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत संचालित गतिविधियों और टीबी देखभाल प्रक्रिया की जानकारी दी। बिधूड़ी ने नेहरू नगर टीबी अस्पताल और क्षेत्रीय जांच दलों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि व्यापक स्तर पर जांच से बीमारी का शीघ्र पता लगाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से टीबी के लक्षणों के प्रति जागरूक रहने और समय-समय पर जांच कराकर इस बीमारी के उन्मूलन में सहयोग देने का आह्वान किया।

त्रिलोकपुरी में घायल मिली मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला, दुष्कर्म की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। त्रिलोकपुरी के 27 ब्लॉक क्षेत्र में मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला के घायल अवस्था में मिलने के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका जताई है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार 12 जून की सुबह करीब 6:30 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली थी कि 27 ब्लॉक के पास एक महिला घायल अवस्था में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही मयूर विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वहां महिला और कॉल करने वाला व्यक्ति नहीं मिला। बाद में पता चला कि एंबुलेंस महिला को अस्पताल लेकर जा चुकी है। पुलिस टीम ने तलाश के बाद महिला को जीटीबी अस्पताल में भर्ती पाया। मेडिकल जांच में महिला के साथ मारपीट होने की बात सामने आई है। उसके चेहरे पर सूजन और चोट के निशान पाए गए हैं। स्थानीय पूछताछ में महिला की पहचान क्षेत्र में घूमने वाली मानसिक रूप से अस्वस्थ और बेसहारा महिला के रूप में हुई है। घटना की जानकारी फैलने के बाद इलाके के कुछ लोगों ने महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका जताई। लोगों का कहना है कि महिला जिस हालत में मिली, उसे देखते हुए मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक उपलब्ध मेडिकल दस्तावेजों में शारीरिक हमला होने का उल्लेख है और दुष्कर्म की पुष्टि संबंधी कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

डीयू के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग में विदेशी भाषा प्रोग्राम सहित कई प्रमुख प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग (सीओएल) के तहत स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटिन्यूइंग एजुकेशन (डीडीसीई) और ओपन लर्निंग डेवलपमेंट सेंटर (ओएलडीसी) ने आठ विदेशी भाषाओं में एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स और एक साल के डिप्लोमा कोर्स के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा कर दी है। सीओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ये प्रोग्राम जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इटैलियन, पुर्तगाली, चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ जर्मनिक एंड रोमांस स्टडीज और डिपार्टमेंट ऑफ ईस्ट एशियन स्टडीज के सहयोग से पेश किए जा रहे हैं। बेहतर भाषा शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए ओएलडीसी जल्द ही इन प्रोग्राम को ऑनलाइन मोड में भी शुरू करेगा, जिससे देश भर के विद्यार्थी इनमें शामिल हो सकेंगे।

दिल्ली में जनता की आवाज कांग्रेस तक पहुंच रही : देवेंद्र यादव

बीएलए-2 की मेहनत से 2029 का रास्ता होगा तय, भाजपा की कथित वोट चोरी को चुनौती देंगे कार्यकर्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी में लोग अपनी समस्याओं और संकटों को लेकर आम आदमी पार्टी की निष्क्रियता और भारतीय जनता पार्टी सरकार की अनदेखी से निराश होकर कांग्रेस कार्यकताओं का दरवाजा खटखटा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता के बीच कांग्रेस की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है और पार्टी एक बार फिर मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। देवेंद्र यादव शनिवार को पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर और पटपड़गंज जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा आयोजित एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविरों को संबोधित कर रहे थे। कृष्णा नगर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रीत विहार स्थित पूर्वा संस्कृति केंद्र में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जबकि पटपड़गंज जिला कांग्रेस कमेटी का प्रशिक्षण शिविर वसुंधरा एन्क्लेव स्थित पूर्वी दिल्ली नगर निगम सामुदायिक केंद्र में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण शिविरों का शुभारंभ देवेंद्र यादव ने दीप प्रज्वलित कर और वंदे मातरम् के गायन के साथ किया। बूथ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेश गर्ग और उनकी टीम ने बीएलए-2 कार्यकताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया। देवेंद्र यादव ने कहा कि 30 जून से दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जो आगामी 3 महीनों तक चलेगी।

बिजली बिल बढ़ोतरी पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बिजली बिलों में पीपीएसी की दरों में बढ़ोतरी को लेकर रेखा गुप्ता सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे दिल्ली की जनता के साथ विश्वासघात बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की है। देवेंद्र यादव ने कहा कि गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली उपभोक्ताओं के मासिक बिलों में पीपीएसी बढ़ोतरी को मंजूरी देकर सरकार ने निजी बिजली वितरण कंपनियों को लाभ पहुंचाने का रास्ता साफ किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया के संकट और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का हवाला देकर जनता पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली मंत्री आशिष सूद के महंगी बिजली खरीद संबंधी बयानों से स्पष्ट होता है कि सरकार उपभोक्ताओं के बजाय निजी कंपनियों के हितों की चिंता कर रही है। उनके अनुसार, पीपीएसी बढ़ोतरी के बाद उपभोक्ताओं के मासिक बिजली बिलों में 1 से 3.3 प्रतिशत तक वृद्धि होगी।

शरजील इमाम और उमर खालिद की नई जमानत याचिकाओं पर कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 2020 के दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में शरजील इमाम और उमर खालिद की ओर से दायर नई जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और दिल्ली पुलिस को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी। दोनों आरोपियों ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत दर्ज मामले में नियमित जमानत याचिकाएं दायर की हैं। अपनी याचिका में शरजील इमाम ने कहा कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी जमानत अर्जी खारिज किए जाने के छह महीने से ज्यादा समय बीतने के बावजूद, मुकदमे में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। अर्जी में कहा गया है कि आरोप तय करने के सवाल पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है और इमाम इस मामले में लगभग छह साल से जेल में बंद हैं। खालिद ने भी ट्रायल कोर्ट में नियमित जमानत की मांग की है। दोनों अर्जियों पर एक साथ सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने दिल्ली पुलिस का पक्ष जानना चाहा। इस साल की शुरूआत में सुप्रीम कोर्ट ने खालिद और इमाम की जमानत अर्जियां खारिज कर दी थीं। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष के सबूतों से प्रथम दृष्टया ऐसे आधार सामने आए हैं, जिनके कारण यूएपीए की धारा 43डी(5) के तहत जमानत देने पर कानूनी रोक लागू होती है।

विशेष स्वच्छता अभियान, निगम पार्षद मीना गोयल सफाई कर्मचारियों के साथ उतरीं मैदान में

नितिन शर्मा

दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर त्रिनगर क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व निगम पार्षद मीना गोयल ने किया। इस दौरान वह एक बार फिर एक्शन मोड में नजर आईं और स्वयं सफाई कर्मचारियों के साथ सड़कों पर उतरकर क्षेत्र की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। स्वच्छता अभियान के तहत त्रिनगर की विभिन्न गलियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक स्तर पर सफाई कार्य कराया गया। अभियान के दौरान कूड़ा-कचरा हटाने, नालियों की

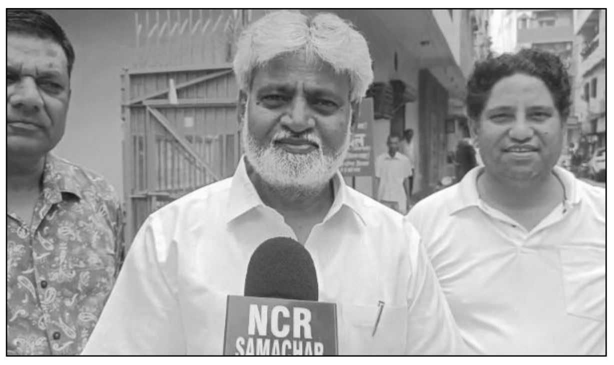

सफाई और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। निगम पार्षद मीना गोयल ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इस अवसर पर मीना गोयल ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करे। उन्होंने लोगों से घरों और दुकानों का कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करते हुए सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकता हुआ पाया गया, तो उसके खिलाफ नियमानुसार चालान की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता और नागरिकों के सहयोग से ही क्षेत्र को सुंदर और स्वस्थ बनाया जा सकता है। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सफाई व्यवस्था को लेकर निगम पार्षद के प्रयासों की सराहना की।

लोगों का कहना था कि जनप्रतिनिधि द्वारा स्वयं मैदान में उतरकर कार्यों का निरीक्षण करना क्षेत्र के लिए सकारात्मक संदेश है। निगम पार्षद मीना गोयल ने कहा कि उनका उद्देश्य त्रिनगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाएं और प्रशासन के साथ मिलकर स्वच्छ त्रिनगर, सुंदर त्रिनगर के संकल्प को साकार करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का धरना, MRP कम करने और उपभोक्ताओं की लूट रोकने की उठाई मांग

पुष्पेंद्र सिंह नेगी

उत्तर प्रदेश: रोजी अखिल भारतीय ग्राहक पंचायतीच्या वतीने टफ्छ कमी करण्यासाठी दुपारी 10 ते 11वाजे पर्यंत वर्धा येथे महात्मा गांधी यांच्या पुतल्या जवल MRP कमी करण्या साठी अखिल भारतीय ग्राहक पंचायतीच्या पदाधिकारी व कार्यकतार्नी मांगन्यांचे नारे लावुन शांततेत धरने आंदोलन केले व वनिवासी उपजिल्हाधिकारी संजीव जाधवर वर्धा यांना निवेदन देण्यात आले असून अखिल भारतीय ग्राहक पंचायतीच्या मागण्या खालील प्रमाणे आहेत। उत्पादन खर्चावर आधारित वस्तूंची किरकोळ MRP किंमत उदाहरण मेडीसीन शेती औषधी अवजारे इत्यादी एक देश एक MRP किरकोळ किंमत फसव्या जाहिरातीवर बंदी व इतर

किंमतीच्या माध्यमातून ग्राहकांची होत असलेली लुट थांबविण्यासाठी निवासी उपजिल्हाधिकारी संजीव जाधवर वर्धा यांच्या हस्ते महाराष्ट्र राज्याचे मुख्यमंत्री यांना निवेदन पाठविण्यात आले आहे।

यावेळी निदेवन देताना उपस्थित असलेले किशोर मुटे, सतिश देशमुख, विनोद पोटे, विभा देशमुख, कल्याणी मुटे, उत्तम सावरकर, त्र्यंबक पुष्पलवार, जनकजी पालीवाल, भाऊराव कोटकर, प्रफुल्ल क्षिरसागर, नंदू नेरोटे, सुरेश भंडागे, प्रणिता कश्यप, इत्यादी मोठ्या संख्येने कार्यकर्ते उपस्थित होते। तसेच आज दि.12 जुन 26 ला अखिल भारतीय ग्राहक पंचायतीच्या वतीने MRP च्या माध्यमातुन होत असलेल्या ग्राहकाची लुट थांवविण्या साठी ?आज नवी दिल्ली येथे जंतर-मंतर मैदान येथे सुध्दा आंदोलन करण्यात आले। त्यांनाच पाठीबा म्हणुन सर्व जिल्हा स्तरावर निवेदन देण्यात आले।

राजा नाहर सिंह का बलिदान आज भी देता है, देशभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा

संजय कुमार वर्मा

हरियाणा: फरीदाबाद जिले की बल्लभगढ़ रियासत के अंतिम शासक एवं स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा राजा नाहर सिंह का नाम भारतीय इतिहास में साहस, देशभक्ति और बलिदान के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। उनका जन्म वर्ष 1823 में हुआ था और कम उम्र में ही उन्होंने बल्लभगढ़ रियासत की बागडोर संभाली। सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजा नाहर सिंह ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध खुलकर मोर्चा संभाला। उन्होंने दिल्ली में मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर का समर्थन किया और क्रांतिकारियों को हर संभव सहायता प्रदान की। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी वीरता और नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें 'बल्लभगढ़ का शेर' भी कहा जाता है।

अंग्रेजों ने क्रांति को दबाने के बाद राजा नाहर सिंह को छलपूर्वक गिरफ्तार कर लिया। उन पर अंग्रेजी शासन के खिलाफ विद्रोह का आरोप लगाया गया। मुकदमे के बाद उन्हें मृत्युदंड सुनाया गया और 9 जनवरी 1858 को दिल्ली के चांदनी चौक में फांसी दे दी गई। उस समय उनकी आयु लगभग 35 वर्ष थी। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अमिट अध्याय बन गया। आज भी उनकी स्मृति में बल्लभगढ़ स्थित नाहर सिंह महल ऐतिहासिक धरोहर के रूप में मौजूद है। वहीं, दिल्ली मेट्रो की वायलेट लाइन का अंतिम स्टेशन राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) मेट्रो स्टेशन उनके सम्मान में नामित किया गया है। राजा नाहर सिंह का जीवन देशप्रेम, स्वाभिमान और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान की प्रेरक गाथा है। देश हमेशा इस महान क्रांतिकारी नायक के योगदान को श्रद्धापूर्वक याद करता रहेगा।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर

तीन की मौत, महिला समेत दो गंभीर घायल

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर' के बिरनो थाना क्षेत्र में शुक्रवार को आजमगढ़-गाजीपुर मार्ग पर एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक महिला और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, बिरनो गांव निवासी रविंद्र राजभर (40) और सोनू राजभर (35) एक मोटरसाइकिल से तेल लेने जा रहे थे। दूसरी मोटरसाइकिल पर कसतुवा गांव, थाना मरदह निवासी सुरेश राजभर (लगभग 35) अपनी पत्नी ममता और 15 वर्षीय पुत्र सुमंत के साथ बिरनो की ओर आ रहे थे।गोपालपुर मोड़ स्थित हनुमान मंदिर के समीप दोनों मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस टक्कर में रविंद्र राजभर, सोनू राजभर और सुरेश

राजभर की मौके पर ही मौत हो गई। ममता और सुमंत गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनो भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दियाजानिए पूरा मामला। यह घटना बिरनो थाना क्षेत्र के गोपालपुर मोड़ के पास हुई। बिरनो गांव निवासी रविंद्र राजभर (40) और उनके चचेरे भाई सोनू राजभर (35) शुक्रवार शाम मोटरसाइकिल से तेल लेने जा रहे थे। उसी दौरान मरदह थाना क्षेत्र के कसतुवा गांव निवासी सुरेश राजभर (करीब 35) अपनी पत्नी ममता और 15 वर्षीय पुत्र सुमंत के साथ दूसरी बाइक से बिरनो की ओर आ रहे थे। शाम करीब 6 बजे गोपालपुर मोड़ स्थित हनुमान मंदिर के पास दोनों मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रविंद्र राजभर, सोनू राजभर और सुरेश राजभर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ममता और सुमंत गंभीररूप से घायल हो गए।

ग्रामीणों ने पहुंचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। थानाध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनो भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

शनिवार को मुंबई जाने वाले थे रविंद्र

परिजनों ने बताया कि रविंद्र राजभर रोजगार के सिलसिले में शनिवार को मुंबई जाने वाले थे। हादसे से एक दिन पहले उनकी मौत होने से परिवार पर दुखोंका पहाड़ टूट पड़ा। वहीं सोनू राजभर राजमिस्त्री का काम करते थे और परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। सोनू राजभर अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं। वहीं रविंद्र राजभर के परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नया ट्रेंड बनता हेयर स्टाइलिंग, ग्रीन जोन सैलून ने कम समय में बनाई बड़ी पहचान

मोहम्मद रेहान

उत्तर प्रदेश: बरेली आज के समय में हेयर स्टाइलिंग और ग्रूमिंग का ट्रेंड तेजी से देशभर में लोकप्रिय होता जा रहा है। युवाओं से लेकर हर उम्र के लोग अब अपने लुक और पर्सनैलिटी को लेकर अधिक जागरूक हो गए हैं। इसी बदलते ट्रेंड के बीच उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के तहसील बहेड़ी स्थित ग्राम रूड़की का *ग्रीन जोन सैलून* भी अपनी खास पहचान बना रहा है। छोटे से गांव में स्थित होने के बावजूद ग्रीन जोन सैलून ने बहुत कम समय में क्षेत्रीय ही नहीं बल्कि जिले स्तर पर भी अपनी एक मजबूत पकड़ बना ली है। आधुनिक सुविधाओं और एडवांस मशीनों से लैस यह सैलून ग्राहकों को बेहतरीन हेयर कटिंग, स्टाइलिंग और मसाज जैसी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है, जो इसे अन्य पारंपरिक सैलून से अलग बनाती हैं।

ग्रीन जोन सैलून के ओनर मोहम्मद सोहिल ने *एनसीआर समाचार* से खास बातचीत में बताया कि उन्होंने कुछ ही साल पहले इस सैलून की शुरूआत की थी। शुरूआत में सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और नई तकनीकों को अपनाकर इसे एक अलग पहचान दिलाई। उनका मानना है कि आज का युवा वर्ग केवल हेयरकट नहीं बल्कि एक स्टाइल और प्रेजेंटेशन चाहता है, जिसे ध्यान में रखते हुए वे लगातार नई-नई हेयर स्टाइल और आधुनिक तकनीकों को अपनाते हैं। उन्होंने बताया कि भले ही उनका सैलून एक छोटे से गांव में स्थित है, लेकिन उनकी लोकप्रियता केवल बहेड़ी या बरेली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के जिलों तक भी फैल चुकी है। इसका मुख्य कारण उनकी लगातार बेहतर सेवा और सोशल मीडिया पर सक्रियता है। वे नियमित रूप से अपने हेयर स्टाइलिंग वीडियो और नए लुक्स को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा करते हैं, जिससे युवाओं में उनके काम को लेकर काफी उत्साह देखने को मिलता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रीन जोन सैलून ने गांव के युवाओं को भी आधुनिक स्टाइलिंग से जोड़ा है और उन्हें बड़े शहरों जैसी सुविधाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध कराई हैं। कम समय में इस सैलून की बढ़ती लोकप्रियता यह साबित करती है कि मेहनत और तकनीक के सही उपयोग से छोटे स्थानों से भी बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है।आज ग्रीन जोन सैलून न केवल एक व्यवसाय बन चुका है, बल्कि यह युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनता जा रहा है।

अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली का 14वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, मेधावी विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां

नितिन शर्मा

दिल्ली: राजधानी दिल्ली में आज डॉ. बी. आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली का 14वां वार्षिक दीक्षांत समारोह बेहद भव्य तरीके से आयोजित किया गया। कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित मल्टीपरपज हॉल में हुआ, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और विश्वविद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। इस खास मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री Ashish Sood मुख्य रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्रियां और सम्मान प्रदान किए गए। मंच पर मौजूद अतिथियों ने विद्यार्थियों को डिग्री देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जैसे ही छात्रों को डिग्री मिली, पूरे हॉल में तालियों की गूंज सुनाई दी और छात्रों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और देश को आगे बढ़ाने का सबसे मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज का युवा देश का ।४३४१ है और नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा और अवसर देना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने छात्रों से अपील की कि वे अपनी शिक्षा और प्रतिभा का इस्तेमाल देश और समाज के विकास के लिए करें। वहीं उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और

लगन से हासिल की गई सफलता जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्र आने वाले समय में देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का यह दिन उनकी मेहनत और संघर्ष का परिणाम है।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने समारोह को और खास बना दिया। दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उपलब्धियों पर खुशी जाहिर की। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला।

ग्रेटर नोएडा में रंगदारी गैंग का भंडाफोड़, दो सगे भाई गिरफ्तार

नरेंदर

उत्तर प्रदेश: थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालकों और ठेला कारोबारियों से रंगदारी वसूलने के आरोप में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कारोबारियों को डरा-धमकाकर हर माह ?20 से ?25 हजार की अवैध वसूली करते थे।

पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-150 नोएडा से मोनिन्द्र और उसके भाई नरेन्द्र को गिरफ्तार किया।

जांच में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी क्षेत्र के रेस्टोरेंट संचालकों और ठेला कारोबारियों पर दबाव बनाकर नियमित रूप से रंगदारी मांगते थे। दोनों आरोपी गढ़ी समस्तीपुर गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुख्य आरोपी मोनिन्द्र के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2025 में उसके विरुद्ध गुंडा एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है।

जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन में सरवन कुमार ने भरा जोश

जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का किया आह्वान

दिनेश कुमार गुप्ता

उत्तर प्रदेश: दिन शुक्रवार समय 4 बजे ग्रामीण विकास मंत्री सह विधान विधायक दल के नेता माननीय सरवन कुमार जी का जिला जनता दल यूनाइटेड कार्यालय नवादा महावीर मार्केट में आगमन हुआ। माननीय सरवन कुमार जी अपने जन-संवाद और कार्यकर्ता सम्मेलनों में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन करते हैं। उनके संबोधन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:विकास कार्यों का बखान। वह कार्यकताओं को याद दिलाते हैं कि बिहार में कानून व्यवस्था को सुधारा गया है। वे सड़क, बिजली, शिक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण (जैसे नौकरियों में आरक्षण) से जुड़े विकास कार्यों की जानकारी देकर कार्यकताओं में नई ऊर्जा भरते हैं। सरकारी योजनाओं का प्रसार: वह कार्यकताओं से अपील करते हैं कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पेंशन योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं।जनता के बीच सक्रियता: वे कार्यकताओं को प्रोत्साहित करते हैं कि वे गांवों और पंचायतों में जाकर लोगों से सीधा संपर्क करें ताकि आम जनता को योजनाओं का पूरा लाभ मिले। कार्यक्रम में माननीय

विधान पार्षद सदस्य अशोक कुमार जी,हरि कृपा जी, मोहन चंद्रवंशी जी मंसूर आलम साहब जीवनलाल चंद्रवंशी अनवर भट्ट डॉ.आदित्य मेहता अधिवक्ता, तने पठान मीडिया प्रभारी, मनोरंजन उर्फ लड्डू जी किशोरी सिंह जी प्रिंस प्रभात दांगी विपिन चौधरी, शोभा कुमारी ,रिंकू कुमारी, काजल कुमारी,देस प्रेमी, अनिरुद्ध प्रसाद, गया प्रसाद एवं सैकड़ो जमीनी कार्यकर्ता मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नूतन उन्नति फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिलाया संकल्प

दिनेश कुमार गुप्ता

उत्तर प्रदेश: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिलाओं के उत्थान को समर्पित नवादा के एकमात्र नूतन उन्नति फाउंडेशन के द्वारा संकट मोचन मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा साथ ही साथ हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में योगदान देना था। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर नूतन बिहारी ने बताया कि ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण के साथ-साथ वृक्षों की देखभाल करना भी अत्यंत आवश्यक है। असंतुलित भौतिक विकास के दुष्परिणामों से बचने एवं मानव सभ्यता को सुरक्षित रखने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करना और लोगों को इसके लिए

प्रेरित करना समय की मांग है।

राखी बरनवाल ने कहा कि वृक्षों के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना अधूरी है तथा एक वृक्ष का पालन-पोषण करना अनेक श्रेष्ठ एवं पुण्य कार्यों के समान है। उन्होंने यह भी कहा कि नूतन उन्नति फाउंडेशन पर्यावरण संरक्षण अभियान में हर संभव योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। राखी गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं पेड़ों की अवैध कटान को रोकने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाने चाहिए। वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं। वे न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था के सभी पदाधिकारी गण ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। मौके पर राखी बरनवाल ,राखी गुप्ता, सोनी ,बबीता ,तरुण चौरसिया, बंटी सिंह ,अर्चना, पुनीता, अंजू बबली, डॉ बिन्नी हेमलता, ममता, प्रियंका ,पूनम, पुनीता, सुमन, तान्या, ममता ,अलीशा, अंजू ,भवानी ,पूनम गुप्ता ,रीना वर्मा ,संगीता देवी ,सविता, स्नेहा, सुषमा, अर्पणा एवं वीणा के साथ साथ सभी पदाधिकारी गण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के 12 वर्ष पूरे, गैपुरा मंडल में गूंजा सुंदरकांड पाठ

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गैपुरा मंडल के कठवैया गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में हवन-पूजन एवं भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता मनोज जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं राष्ट्र सेवा के लिए विशेष प्रार्थना की। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मनोज जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और निर्णायक नेतृत्व वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य ताकत लगातार मजबूत हुई है, जिससे भारत विश्व मंच पर नई शक्ति के रूप में उभरा है।

भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच के कारण भारतीय जनता पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ा है तथा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मोदी जैसा नेतृत्व किसी भी राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है और उनके नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए सामूहिक आरती और प्रार्थना की गई। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय रहा और उपस्थित श्रद्धालुओं ने राष्ट्र की उन्नति एवं समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं कीं।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संतोष पाठक, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शिवचंद मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामअवध पांडेय, कमलेशधर दुबे, इंद्र बहादुर सिंह, किसान मोर्चा जिला महामंत्री अमर बहादुर सिंह, मंडल महामंत्री उमेश सिंह, मंडल मंत्री बलवंत बिंद, सुनील सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक राकेश सिंह, सुनील कुमार, बूथ अध्यक्ष नवनीत तिवारी, सुरेंद्र सिंह, रेवती रमण पाठक, सुमित पाठक, प्रफुल्ल पाठक सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वृद्ध महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपी किये गिरफ्तार

मेनपाल

हरियाणा: कनीना गांव चेलावास में जमीन विवाद को लेकर हुई वृद्ध महिला की हत्या के मामले में थाना शहर कनीना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान ऋतुराज निवासी बुडोली रेवाड़ी, विनोद तथा संदीप निवासी चेलावास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी संदीप को रेलवे स्टेशन रेवाड़ी से गिरफ्तार किया गया, जबकि ऋतुराज और विनोद को बुडोली, रेवाड़ी से पकड़ा गया। तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से संदीप और ऋतुराज को पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया, जबकि विनोद को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव चेलावास में एक ही परिवार के सदस्यों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपितों ने रात के समय वृद्ध

महिला ओमपती (पत्नी स्वर्गीय राजसिंह) के घर पर कुल्हाड़ी, फरसा और लाठियों जैसे घातक हथियारों से हमला कर दिया।

हमले में ओमपती गंभीर रूप से घायल हो गईं और लहूलुहान अवस्था में कमरे में गिर पड़ीं। घटना की सूचना मिलने पर मृतका के जेठ सुरेंद्र मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपितों ने उन पर भी हमला करने का प्रयास किया। सुरेंद्र ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई और पुलिस सहायता नंबर 112 पर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना शहर कनीना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को नागरिक अस्पताल कनीना में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पीजीआईएमएस रोहतक रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शिकायतकर्ता सुरेंद्र के बयान के आधार पर थाना शहर कनीना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले में अब तक कुल छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

सीआईए महेंद्रगढ़ ने अवैध हथियार के साथ शातिर आरोपी को दबोचा

मेनपाल

हरियाणा: महेंद्रगढ़ जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक दीपक के निदेर्शानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़ा गया आरोपी पहले भी कई जघन्य आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 10 जून को सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम मोडा वाला मंदिर, देवास रोड के पास मुस्तैदी से तैनात थी। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक युवक अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर घेराबंदी की और

संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी की पहचान राहुल निवासी खातोद के रूप में हुई है।

पुलिस टीम द्वारा जब आरोपी की नियमानुसार तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार और जिंदा कारतूस को जब्त कर लिया।

36 साल पुराने स्थाई वारंट का तामील, 10,000 का इनामी आरोपी इंदौर से हुआ गिरफ्तार

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेश: झाबुआ जिले की थांदला पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 36 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंट के एक आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से अपनी पहचान छुपाकर रह रहा था और पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था। जानकारी के अनुसार, यह मामला 11 जून 1991 का है, जब फरियादी कश्मेंर पिता इलियास भाबर (जाति भील, निवासी रंगपुरा) ने थाना थांदला में पशु चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में अपराध क्रमांक 138/1991 धारा 379 आईपीसी के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी बदीया उर्फ बद्री पिता मांगलिया पारगी, निवासी

तादलादरा (थाना मेघनगर) का नाम सामने आया था। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लंबे समय तक प्रयास किए गए, लेकिन वह लगातार फरार रहा। इस पर जिला पुलिस झाबुआ द्वारा आरोपी पर ?10,000 का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी पिछले 36 वर्षों से गिरफ्तारी से बचता रहा और इस दौरान उसने अपना ठिकाना बदलकर इंदौर के हातोद क्षेत्र स्थित भील कॉलोनी में नया जीवन शुरू कर लिया था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी पहचान छुपाने के लिए नाम भी बदल लिया था।

पुलिस को साइबर सेल की मदद से आरोपी के इंदौर में होने की सूचना मिली, जिसके बाद थांदला पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। चूंकि मामला अत्यंत पुराना था, इसलिए पुलिस ने आरोपी की पहचान और सत्यापन की पूरी प्रक्रिया सावधानीपूर्वक की। सभी आवश्यक जांच और पुष्टि के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया और न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अशोक कनेश, उप निरीक्षक संतोष गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक शैलेंद्र शुक्ला, प्रधान आरक्षक रायसिंह एवं राजेंद्र सहित आरक्षक राहुल जमरा, जितेश डावर और अनिल परमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस सफलता को लंबे समय से लंबित मामलों के निष्पादन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

एक नजर

ग्रीन जोन सैलून ने बनाई पहचान, एडवांस हेयर स्टाइलिंग और सोशल मीडिया से बढ़ी लोकप्रियता

मोहम्मद रेहान/उत्तर प्रदेश: देश भर में हेयर स्टाइल बनता जा रहा बड़ा ट्रेंड ग्रीन जोन सैलून पर भी एडवांस मशीनों से किया जाता है। हेयर कट व मसाज बताते चलें जिला बरेली के तहसील बहेड़ी ग्राम रूड़की स्थित ग्रीन जोन सैलून बहुत कम समय मे बड़ा नाम हासिल कर चुका है ग्रीन जोन सैलून के ओनर मोहम्मद सोहिल से एनसीआर समाचार की खास बातचीत में पता चला की उन्हें अभी अपना सैलून शुरू किए कुछ ही साल हुए हैं उनका सैलून भले ही एक छोटे से गांव में है लेकिन उनकी लोकप्रियता पूरे ज़िले व ज़िला बरेली से भी बाहर है वे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार वीडियो शेयर करते हैं जिससे उनकी लोकप्रियता लगातार बड़ती जा रही है।

विनीत राय हत्याकांड, चार नामजद आरोपियों के मकानों पर प्रशासन की कार्रवाई, नोटिस चस्पा

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर में होटल कारोबारी आलोक राय के पुत्र विनीत राय हत्याकांड के चार नामजद आरोपियों के घरों पर जिला प्रशासन ने नोटिस चस्पा किए हैं। जांच में इन मकानों का स्वीकृत नक्शा नहीं पाया गया, जिसके बाद विनियमित क्षेत्र (आरबीओ एक्ट) के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। जिन आरोपियों के घरों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं, उनमें कमलेश चौधरी, शंकर पांडे, सोनू यादव और आलोक दुबे शामिल हैं। इन सभी पर भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है।जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में विनियमित क्षेत्र में भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन पाया गया है, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। डीएम शुक्ला ने यह भी चेतावनी दी कि अपराध को जातीय रंग देने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी अपराधी की कोई जाति नहीं होती और कानून की नजर में सभी अपराधियों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। प्रशासन ने ऐसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की बात कही है, जो जातिगत तनाव या संघर्ष पैदा करने काप्रयास करेगा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को विन्ध्याचल पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेश: मीरजापुर थाना विन्ध्याचल पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 9 जून 2026 को एक युवती ने थाना विन्ध्याचल में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्त ने शादी का आश्वासन देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना विन्ध्याचल में मुकदमा अपराध संख्या 145/2026, धारा 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए गए।

इसी क्रम में 12 जून 2026 को उपनिरीक्षक अजय कुमार मिश्रा एवं उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त बृजेश बिन्द उर्फ अनिल पुत्र रामकेश, निवासी बरकछा, थाना कोतवाली देहात, जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

जनसंवाद में सुनीं समस्याएं, 'एक पेड़ गुरु के नाम' अभियान का हुआ शुभारंभ

पुष्पेंद्र सिंह नेगी

उत्तराखंड: रुद्रप्रयाग उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री Bharat Singh Chaudhary ने गुरुवार को तल्ला नागपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गंधारी में स्थानीय जनता के साथ जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं के

समाधान और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य किए जाएंगे।

इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने तल्ला नागपुर क्षेत्र के क्वीली गांव में अपने परम पूज्य गुरुदेव Shri Poornanand Purohit के जीवन के 100 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर उनके सम्मान में "एक पेड़ गुरु के नाम" अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव जनसेवा के मार्ग पर प्रेरणा प्रदान करता रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुदेव के सम्मान में इस अभियान का शुभारंभ होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। गुरु जहां जीवन में अज्ञानता के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं, वहीं वृक्ष पृथ्वी को जीवन और पर्यावरण को संतुलन प्रदान करने का कार्य करते हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री ठंशॅल्लश्ि टङ्क्ष के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान से प्रेरित है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपने गुरुजनों के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत अभियान में सहभागी बनने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया गया आयोजित

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: जन अभियान परिषद के अंतर्गत नवांकुर संस्था श्री मुरारी लाल उपाध्याय शिक्षा प्रसार समिति द्वारा पंडित पुत्तू राम मेमोरियल स्कूल (निजी विद्यालय) में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित जनों ने उनके महान जीवन, संघर्ष और आदिवासी समाज के उत्थान हेतु किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपने साहस, त्याग और देशभक्ति से समाज को नई दिशा दी, जो आज भी प्रेरणादायक है। इस अवसर पर प्रदीप उपाध्याय, मीनाक्षी पुरोहित, मुकेश उपाध्याय, नीरज ओझा, मीराबाई, किशनलाल, बंसीलाल रजक सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पण की भावना के साथ किया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को उत्तराखंड के होटल से दबोचा, कोर्ट ने भेजा जेल

सनव्वर

उत्तर प्रदेश: शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी मुरतजीम पुत्र इरशाद उर्फ भूरा को फतेहपुर पुलिस ने दबोच लिया है। दतौली मुगल गांव निवासी आरोपी पर युवती को शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से साफ इनकार करने का आरोप है। पीड़िता ने आरोपी पक्ष पर वीडियो वायरल करने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए थे। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। एसएसपी अभिनन्दन के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह राणा के नेतृत्व में फतेहपुर पुलिस ने उत्तराखंड के श्रीनगर स्थित होटल

मूनराइज में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है। आरोपी मुरतजीम पुत्र इरशाद उर्फ भूरा निवासी दतौली मुगल को न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी मुरतजीम को कोर्ट ने जेल भेज दिया हैं पुलिस का कहना है कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उपनिरीक्षक अमित सोनी, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार,हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह, कांस्टेबल आकाश कुमार ने टीम के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया हैं।

धरना-प्रदर्शन की खबरों का ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ने किया खंडन

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वसी अहमद और उत्तर प्रदेश संगठन की ओर से सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों पर चल रही भ्रामक खबरों का खंडन करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वसी अहमद ने स्पष्ट किया है कि ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस द्वारा लखनऊ में किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन का कोई कार्यक्रम तय नहीं किया गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही किसी भी तरह की भ्रामक खबरों या अफवाहों में न आएं और शांति व्यवस्था बनाए रखें। इसके साथ ही, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जिला व पुलिस प्रशासन से भी अपील की है कि वे अफवाह फैलाने वाले असामाजिक

तत्वों पर पैनी नजर रखें और वास्तविक तथ्यों की जांच कर निष्पक्षता से काम करें। सोशल मीडिया पर 11 जून 2026 को मुख्यमंत्री आवास अथवा फॉरेस्ट हाउस के सामने जिस 2 दिवसीय धरना-प्रदर्शन की बात कही जा रही है, वह पूरी तरह निराधार है। ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस देश के कानून और लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान करती है। पार्टी का कोई भी कार्यक्रम प्रशासनिक अनुमति के बिना आयोजित नहीं किया जाता है।

संगठन मंत्री की हाउस अरेस्ट पर पार्टी का रुख

पार्टी को प्रशासन द्वारा सूचित किया गया है कि उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री मुख्तार अहमद को 12 जून 2026 तक (2 दिनों के लिए) हाउस अरेस्ट (नजरबंद) किया गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस इस प्रशासनिक कार्रवाई को संज्ञान में लेते हुए कानूनी प्रक्रियाओं के तहत अपनी बात रखेगी। पार्टी के सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अनुरोध है कि वे धैर्य रखें और किसी भी आधिकारिक सूचना के लिए केवल पार्टी के अधिकृत स्रोतों पर ही भरोसा करें।

संपादकीय

हाईकोर्ट का सराहनीय फैसला

लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने के लिए मीडिया की स्वतंत्रता को कुचलने की कुटिल चालें लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ पर आर्थिक अपराध शाखा और प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की थी। जिस पर अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने साफ कहा है कि यह कार्रवाई स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के खिलाफ शक्तियों का दुरुपयोग है। विडंबना यह है कि सत्ता में बैठे लोग और समूची भाजपा, जो लगातार दावा कर रही है कि नरेन्द्र मोदी के बारह वर्षों के शासन में देश मजबूत हुआ है, उसने इस मामले में दो शब्दों का अफसोस भी जाहिर नहीं किया। क्या देश की मजबूती में लोकतंत्र का मजबूत होना शामिल नहीं है। क्या ऐसे बेबुनियाद मामलों से न केवल ईमानदारी से काम करने वालों को परेशान किया जाता है, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता पर भी आंच आती है। क्या भाजपा को यह स्थिति स्वीकार्य है। अगर है, तो फिर उसे खुलकर अपने इरादे अब बता देने चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र के साथ लुका-छिपी का खतरनाक खेल पिछले 12 सालों से खेला ही जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रबीर पुरकायस्थ पर आरोप था कि उनकी कंपनी पीपीके न्यूज क्लिक स्टूडियो प्राईवेट लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में अमेरिका की कंपनी वर्ल्डवाईड मीडिया होल्डिंग्स कंपनी से 9 करोड़ 59 लाख रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल किया। ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर में कहा गया था कि ये एफडीआई कानून का उल्लंघन कर हासिल की गई। अगस्त 2020 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय की शिकायत पर दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को एफडीआई नियमों से बचने के लिए शेयर के ज्यादा मूल्यांकन वाले ट्रांजेक्शन के जरिए वर्ल्डवाईड मीडिया होल्डिंग्स (डब्ल्यूडब्ल्यूएमएच) कंपनी से एफडीआई के तौर पर 9.59 करोड़ रुपये मिले थे। इस मामले में प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया था। दोनों को न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। इस रिपोर्ट में आरोप लगाए गए थे कि न्यूजक्लिक ने चीनी दुष्प्रचार फैलाने के लिए एक अमेरिकी अरबपति से फंडिंग ली है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और प्रबीर पुरकायस्थ, अभिसार शर्मा, औनिंद्यो चक्रवर्ती, भाषा सिंह, व्यंग्यकार संजय राजौरा, इतिहासकार सोहेल हाशमी आदि पर छापेमारी की गई।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर समेत इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया था। तब आईटी सेल ने इन तमाम पत्रकारों को चीन के लिए काम करने के नाम पर खूब ट्रोल किया था। पत्रकारों की स्वतंत्र आवाज को दबाने के साथ-साथ उन्हें बदनाम करने के लिए कैसे हथकंडे इस्तेमाल होते हैं, यह उसी का एक उदाहरण था। इस गिरफ्तारी के छह महीने बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई, 2024 को प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए रिहा करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर गौर किया था कि प्रबीर पुरकायस्थ की हिरासत लेते वक्त उनके वकील को हिरासत की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई। सुप्रीम कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार करते वक्त गिरफ्तारी की लिखित वजह भी नहीं बताई गई।

अब यह पूरा मामला ही औंधें मुंह गिर गया है। दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने अपने फैसले में कहा कि, 'मौजूदा कार्यवाही न केवल दुर्भावनापूर्ण है, बल्कि याचिकाकताओं की स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के खिलाफ शक्तियों का मनमाना हमला और दुरुपयोग भी है।

बारह साल बेमिसाल की गठरी खुल गई

सर्वमित्रा सुरजन

1947 में नेहरूजी के साथ सरदार पटेल, डॉ. अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे दिग्गजों ने सत्ता संभाली थी। हरेक की अपनी अलग हस्ती, अलग पहचान, अलग रूतबा। कोई किसी से कम नहीं और किसी ने किसी से तुलना नहीं की। यहां तक इनमें से किसी को नेहरू के नाम की टेक लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ी।

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर इस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता पर 12 साल पूरे करने की खुशियां उमड़ी जा रही हैं। एक पुराने गीत की पंक्तियां हैं, मुझे खुशी मिली इतनी कि मन में न समाए, पलक बंद कर लूं, कहीं छलक ही न जाए, बस इसी कृतज्ञ भाव से कई टीवी पत्रकार बारह साल, बेमिसाल के इर्द-गिर्द कार्यक्रम कर रहे हैं। भले ही बारह सालों की उपलब्धियों को तलाशना भूसे के ढेर में सुई तलाशने जैसा कठिन काम हो, फिर भी मालिक को खुश करने के लिए सारी तकलीफें उठाई जा रही हैं। कलाकारों को भी इसी काम में जोत दिया गया है। शो मैन कहे जाने वाले सुभाष घई बता रहे हैं कि 2014 से पहले देश के हालात कितने बुरे थे और अब मोदीजी के आने से लोगों का यकीन काफी बढ़ चुका है। उनके जैसे कई और राष्ट्रवादी कलाकारों ने ऐसी ही स्क्रिप्ट पढ़कर सोशल मीडिया पर संवाद अदायगी की है। देश भर के मंदिरों में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, पदाधिकारियों ने पूजा की, पता नहीं एक साथ सबको कैसे एक जैसे काम सूझते हैं, या फिर ये लोग भी स्क्रिप्ट पर ही काम करते हैं। मोदी मंत्रिमंडल के लोग तो बारह सालों के कसीदे काढ़ते हुए लेख लिख ही रहे हैं, चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के लेख भी अखबार में आ गए। चिराग पासवान, एकनाथ शिंदे, प्रफुल्ल पटेल न जाने क्यों पीछे रह गए। इन लोगों की लेखनी भी नरेन्द्र मोदी की बारह साला उपलब्धियों पर प्रकाश डालती तो एनडीए की एकजुटता पर पूरा ठप्पा लग जाता और मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी बढ़ाने की चापलूसी भी पूरी हो जाती। बस अब एक बात की कसर रह गई है कि बारह साल के लिए कोई नयी उपमा गढ़ ली जाए। अब तक रजत, स्वर्ण, हीरक जयंती ही सुना करते थे। इन महंगी धातुओं के समान बेशकीमती साल का बखान हुआ करता था। इस समय तो सोना-चांदी तो दूर की बात पेट्रोल भी बेशकीमती हो चुका है और गेहूं, दाल, चावल भी। तो अब मोदीजी ही तय कर लें कि अब से किसी भी चीज के बारह साल पूरे हों तो उसे पेट्रोल जयंती के तौर पर मनाया जाए या गेहूं, चावल के तौर पर। वो चाहें तो इसे मशरूम या मखाना जयंती भी कह सकते हैं।

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर इस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता पर 12 साल पूरे करने की खुशियां उमड़ी जा रही हैं। एक पुराने गीत की पंक्तियां हैं, मुझे खुशी मिली इतनी कि मन में न समाए, पलक बंद कर लूं, कहीं छलक ही न जाए, बस इसी कृतज्ञ भाव से कई टीवी पत्रकार बारह साल, बेमिसाल के इर्द-गिर्द कार्यक्रम कर रहे हैं। भले ही बारह सालों की उपलब्धियों को तलाशना भूसे के ढेर में सुई तलाशने जैसा कठिन काम हो, फिर भी मालिक को खुश करने के लिए सारी तकलीफें उठाई जा रही हैं। कलाकारों को भी इसी काम में जोत दिया गया है। शो मैन कहे जाने वाले सुभाष घई बता रहे हैं कि 2014 से पहले देश के हालात कितने बुरे थे और अब मोदीजी के आने से लोगों का यकीन काफी बढ़ चुका है। उनके जैसे कई और राष्ट्रवादी कलाकारों ने ऐसी ही स्क्रिप्ट पढ़कर सोशल मीडिया पर संवाद अदायगी की है। देश भर के मंदिरों में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, पदाधिकारियों ने पूजा की, पता नहीं एक साथ सबको कैसे एक जैसे काम सूझते हैं, या फिर ये लोग भी स्क्रिप्ट पर ही काम करते हैं।

असल में मोदीजी के प्रचारक एक चूक कर गए। अगर वे बारह साल के लिए पहले ही कोई उपमा गढ़ लेते तो फिर नेहरूजी का नाम लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती। सोचिए कितनी बेचारगी है नरेन्द्र मोदी की, कि कुछ भी कर लें नेहरूजी के नाम से पीछा ही नहीं छूटता। अभी बारह साल का जश्न भी तो इसीलिए मनाया जा रहा है क्योंकि नेहरूजी से ज्यादा दिनों तक शासन करने का रिकार्ड बना लिया। यानी कितना भी नेहरू को कोस लें, पैमाना वही रहेंगे। लेकिन केवल सत्ता पर बैठने का पैमाना क्यों तय करना है। 12 साल तक क्या किया, इसका भी हिसाब तो होना चाहिए। फकीर को इस बात से फर्क क्यों पड़ना चाहिए कि उसने कितने दिनों शासन संभाला। मोदीजी के राज्य गुजरात से ही आने वाले कथावाचक मोरारी बापू की सुनाई एक कथा याद आती है। खुद को संत मानने वाले एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को भी भगवद भक्ति की राह पर चलाना चाहा। इसके लिए सारी मोह-माया का त्याग करना जरूरी था। संत घर-द्वार छुड़वाकर अपनी पत्नी को संग लेकर वन की तरफ चल पड़े, रास्ते में उन्हें एक स्वर्ण मुद्रा गिरी हुई दिखी। उन्होंने फौरन उस पर मिट्टी डाल दी कि पत्नी कहीं इस के मोह में न पड़ जाए। लेकिन संत को स्वर्ण मुद्रा पर मिट्टी डालते देख पत्नी ने पूछा कि स्वामी आपने मिट्टी पर मिट्टी किस प्रयोजन से डाली। पत्नी की इस बात को सुनते ही संत को अपने ओछेपन का अहसास हुआ कि दूसरों को मोह-माया से निकालने का दावा करने वाले वे खुद अब तक इस जाल में फंसे हुए हैं। जबकि उनकी पत्नी जिसने सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ने का कभी दावा नहीं किया, वो गृहस्थी के अपने सारे कर्तव्य निभाते हुए भी लोभ-मोह से मुक्त थी।

हमें नहीं मालूम कि मोदीजी ने कभी ऐसी कोई कथा मोरारी बापू से सुनी या नहीं, लेकिन क्या वो अपनी फकीरी के दावे पर खरे उतर रहे हैं, यह अब जनता ही तय करे। वैसे राजनीति में नया चलन आ गया है कि सत्ता पर बैठने के सौ दिनों का जश्न मनाया जाए, साल भर पूरा हो जाए तो उसमें भी डंका पीटा जाए और पांच साल पूरे होने के बाद जनता दोबारा मौका दे, तब तो बात ही क्या है। इस लिहाज से देखें तो मोदीजी दो कार्यकाल पूरा करने के बाद तीसरी बार सत्ता पर बैठे तो 2024 में इसका जश्न मनाना सही था। लेकिन फिर अगले जश्न की बारी तो 2029 में आती, अगर जनता फिर से उन्हें चुनती। लेकिन 15 साल पूरे होने से पहले 12 साल में ही जश्न मनाया जा रहा है, क्योंकि नेहरूजी से आगे निकल गए हैं। मगर जैसे मोदीजी की शिक्षा, स्टेशन पर चाय बेचने और वैवाहिक स्थिति से लेकर काला धन वापिस लाने, हर खाते में 15 लाख रूपए डालने, अर्थव्यवस्था में लंबी छलांग लगाने जैसे कई वादों और दावों में भारी गफलत है, वैसी ही बड़ी गड़बड़ 12 साल तक सत्ता पर काबिज रहने के रिकॉर्ड में भी दिख रही है। पं.नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री थे और उन्होंने 14-15 अगस्त की अर्द्धरात्रि को भाषण इसी हैसियत से दिया था। 15 अगस्त 1947 से लेकर अपनी मृत्यु 27 मई 1964 तक उन्होंने देश के प्रधानमंत्री का पद संभाला। कुल 16 बरस 286 दिन यानी 6,130 दिन तक वे प्रधानमंत्री बने रहे। तो फिर भाजपा नेहरूजी की सत्ता के कम से कम 4 बरसों को खारिज क्यों कर रही है। क्या केवल इसलिए कि पहले आम चुनाव 1952 में हुए और भाजपा की गिनती तभी से शुरू हुई है। क्या इस तरह भाजपा 1952 के पहले के आजाद भारत के वर्षों को मान्यता नहीं देती है। और सबसे बड़ा सवाल क्या भाजपा यह जानती है कि नरेन्द्र मोदी ले देकर 15 साल सत्ता के पूरे कर भी लें, तो 16वें साल में उनकी विदाई हो जाएगी। 2024 का डर क्या अब तक भाजपा में कायम है, जब 240 सीटों पर इंडिया ब्लॉक ने उसे रोक दिया, जबकि दावा 4 सौ पार का था। किस हड़बड़ी में भाजपा संसदीय दल की बैठक बुलाए बिना एनडीए के सहयोगियों की मदद से नरेन्द्र मोदी ने खुद को प्रधानमंत्री घोषित करवाया, यह सबने देखा है। नेहरूजी को तो ऐसा करने की कभी कोई जरूरत नहीं पड़ी। 1952, 57 और 62 में उन्हें पूर्ण बहुमत मिला। केबिनेट के मामले में भी मोदी नेहरूजी से कभी मुकाबला कर ही नहीं पाएंगे। 1947 में नेहरूजी के साथ सरदार पटेल, डॉ. अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे दिग्गजों ने सत्ता संभाली थी।

हरेक की अपनी अलग हस्ती, अलग पहचान, अलग रूतबा। कोई किसी से कम नहीं और किसी ने किसी से तुलना नहीं की। यहां तक इनमें से किसी को नेहरू के नाम की टेक लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ी। नेहरूजी समेत इन सबकी देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, बौद्धिकता बेमिसाल थी। तभी आजादी के महज पांच बरसों में भारत ने वैश्विक मानचित्र पर अपना अलग स्थान बना लिया था। दो साल की गुलामी के बाद जिस हाल में भारत नेहरूजी और उनके साथियों को मिला था, उसकी आज कल्पना ही नहीं की जा सकती। फिर भी 560 से ज्यादा रियासतों का शांतिपूर्ण ढंग से भारतीय संघ में विलय हुआ, संविधान सभा बनी, संविधान के ड्राफ्ट पर लंबी-सार्थक बहसें हुई और फिर 26 जनवरी 1950 को संविधान अपनाया गया, जमींदारी प्रथा खत्म की गई, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण लागू हुआ, पुलों, कारखानों, सड़कों, स्टेशनों का निर्माण हुआ। सिंचाई और बिजली परियोजनाएं शुरू की गईं, विज्ञान और तकनीक के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया और जल्द ही अंतरिक्ष को नापने के लिए इसरो का गठन हुआ। आईआईटी, आईआईएम, एम्स, सेल, भेल, ओएनजीसी, सीआईएसआर, एचएएल, आईओसी, एफसीआई, एनएमडीसी जैसे कई संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों बन कर खड़ी हुईं, जिनसे सही मायनों में भारत आत्मनिर्भर बना। आज उन्हीं सब को बेच-बेच कर अनाप-शनाप खर्च सरकार कर रही है और ढोल आत्मनिर्भरता का पीटा जा रहा है।

नेहरूजी के वक्त की उपलब्धियों में लोकतंत्र के लिहाज से तो सबसे शानदार काम यही रहा कि वयस्क मताधिकार हरेक नागरिक को दिया गया। आज एसआईआर के जरिए उस पर कैंची चलाई जा रही है। लेकिन नेहरूकाल में 17 करोड़ रजिस्टर्ड वोटरों वाली मतदाता सूची तैयार की गई, जिसके बाद आजाद भारत के पहले आम चुनाव अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 के बीच हुए। अगर ऐसा ही मौका मान लें कि नरेन्द्र मोदी के पास होता तो 1947 से 57 आ जाता और चुनाव न करवाने के बहाने ही भाजपा ढूंढती रहती ताकि मोदी की कुर्सी बरकरार रहे। नेहरूजी तो बेखौफ एक नहीं तीन-तीन बार चुनावों में उतरे और बिना हिंदू-मुसलमान किए जीत भी गए। क्या नरेन्द्र मोदी को यह चुनौती दी जा सकती है कि अपने किसी एक चुनावी भाषण में हिंदू-मुसलमान का जिक्र किए बगैर रहें, तय मानिए कि मोदी इस चुनौती को स्वीकार नहीं कर पाएंगे।

नेहरूजी ने देश ही नहीं कई विदेशी पत्रकारों को भी खुलकर इंटरव्यू दिया और कई प्रेस कांफ्रेंस कीं। क्या मोदी ऐसी हिम्मत दिखाएंगे।

मोदीजी के चाटुकारों ने उन्हें खुश करने के लिए बारह साल का जश्न मनाना तो शुरू कर दिया, लेकिन इसमें असल में इससे मोदीजी बुरी तरह फंस गए हैं। क्योंकि नेहरूजी से तुलना शुरू हो जाए, तो आजादी के लिए कई तरह की कुबार्नी देने से लेकर, किताबें लिखने, विदेश समकक्षों से हीही खीखी किए बिना, गले पड़े बिना मजबूत संबंध बनाने और सत्ता को देशसेवा का जरिया बनाने जैसे कई मोर्चों पर नेहरू बनाम मोदी होने लगेगा और इसमें तथाकथित महामानव कहां ठहरेंगे, सब जानते हैं। अच्छा होता कि इस समय को चुपचाप निकल जाने दिया होता, लेकिन अब तो गठरी खुल चुकी है।

नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक,जलता रहा है जलता रहेगा

निर्मल रानी

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में गत 3 जून को हुए एक भीषण अग्निकांड की घटना घटित हुई। बताया जाता है कि इस अग्निकांड के परिणाम स्वरूप 21 लोगों की मौत आग से झुलसने या धुएँ में दम घुटने की वजह से हो गयी। कहा जा रहा है कि मृतकों में 9 भारतीय जबकि 12 विदेशी नागरिक थे। इस अग्निकांड में स्थानीय लोगों द्वारा लगभग 49 लोगों को उनकी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अग्निकांड में रियाजुद्दीन नामक एक मुस्लिम गद्दा व्यापारी ने अपनी सूझबूझ,तत्परता व मानवता के चलते अग्निकांड में फंसे लगभग 15 लोगों की जान बचाकर काफी सुर्खियां बटोरीं। घटनास्थल के करीब ही रियाजुद्दीन की गद्दों (मैट्रेस) की दुकान है। रियाजुद्दीन व उनके बेटे ने आग की लपटें बढ़ते ही अपने नफे-नुकसान की परवाह किये बिना अपनी दुकान के सारे गद्दे जलते हुये भवन के ठीक नीचे एक पर एक रखकर बिछा दिये। इनके अतिरिक्त अफजल, मोहम्मद शाहरुख , मोहम्मद अनीस, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद वसीम ने भी अपनी जान पर खेल कर लोगों की जान बचाने में मदद की। नतीजतन लगभग 15 प्रभावित लोगों ने जलते हुये भवन की खिड़कियों से उन्हीं गद्दों पर कूद कर अपनी जान बचाई। हालाँकि इस दौरान रियाजुद्दीन के करीब 2 लाख रुपए के गद्दे क्षति ग्रस्त हो गये। आज स्थानीय लोग यह कहने को मजबूर हैं कि रियाजुद्दीन ने फरिश्ता बनकर लोगों की जान बचाई।

रियाजुद्दीन व उनके बेटे के इस समझदारी भरे साहसिक कार्य के लिये उनकी चौतरफा प्रशंसा की जा रही है। लोग उनके गद्दों की क्षतपूर्ति के लिये व उनके साहसिक कार्य के लिये उनसे मिल रहे हैं उन्हें सम्मानित कर रहे हैं यहाँ तक कि उन्हें आर्थिक सहायता दे रहे हैं। उधर रियाजुद्दीन ने उन्हें आर्थिक सहायता देने वालों से पैसे न भेजने की अपील की है। स्थनीय भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने इनकी तारीफ करते हुये कहा कि आज के जांबाजों को सलाम। हौज रानी, मालवीय नगर में लगी भीषण आग के दौरान इन साहसी नागरिकों ने मदद की और यहां तक कि लोगों को सीपीआर भी दिया। मुझे आप पर बहुत गर्व है। यही इंसानियत है, जो सबसे ऊपर है और सबसे बड़ा धर्म है। निश्चित रूप से यह घटना इंसानियत व धर्म से ऊपर साहस व मानवता की मिसाल बन गई है। एक मुस्लिम व्यापारी ने अपने आर्थिक नुकसान की परवाह किए बिना हिन्दू व अन्य धर्मों के लोगों की जान बचाई, और हिन्दू विधायक व अनेक संस्थाओं ने उसे सम्मान व नकद इनाम दिया।

इसी तरह महाकुंभ 2025 को मौनी अमावस्या पर इलाहाबाद में मची भगदड़ को याद कीजिये जब हजारों हिंदू तीर्थ यात्रियों को मुस्लिम बस्तियों, मस्जिदों और इमामबाड़ों में शरण मिली थी । 28झ29 जनवरी 2025 को रात 1झ2 बजे के बीच प्रयागराज में संगम नोज और अखाड़ा मार्ग पर मौनी अमावस्या के पावन स्नान पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए थे जिससे शहर की 90 लाख आबादी में दस गुना भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी बीच रात 1 बजे के पास संगम तट से पहले बने द्वार पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। तभी अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स को फांदकर कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गये जिससे वहां अफरातफरी मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस भगदड़ में 30 लोग हताहत हो गए थे। शहर के रास्तों से अनजान लोग अपनी जान बचाने के लिये कई मुस्लिम बस्तियों में प्रवेश कर गये। उसी बीच सर्दी की रात में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने करुणा और सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश कर मानवता का सन्देश दिया था। मुस्लिम लोगों ने भगदड़ के बाद शहर की अनेक मस्जिदों,दरगाहों,इमामबाड़ों व अनेक अल्पसंख्यक संस्थानों में हजारों हिंदू तीर्थयात्रियों को शरण दी और उन्हें परदेस में भी सुरक्षित रहने का एहसास दिलाया। उन्हें जरूरत के अनुसार चाय, नाश्ता, खाना, रजाई, कंबल,दवाइयां आदि मुहैय्या कराई। यह घटना भी सांप्रदायिक सौहार्द्र और इंसानियत की बड़ी मिसाल के रूप में सामने आई जब अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय ने हिंदू तीर्थयात्रियों की मदद कर धार्मिक भावनाओं से ऊपर उठकर मानवता का परिचय दिया।

साम्प्रदायिक सद्भाव पेश करने वाली दिसंबर 2015 की वह घटना भी याद कीजिये जब चेन्नई में आई भयानक बाढ़ में मस्जिदों में हिंदुओं और ईसाइयों को पनाह मिली थी। उन दिनों 1 दिसंबर 2015 से शुरू हुई बारिश एक सप्ताह तक लगातार चली थी।। इसे चेन्नई में 100 वर्षों में सर्वोच्च वर्षा के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। बाढ़ का पानी कुछ क्षेत्रों में तो दो मंजिलों तक पहुँच गया था। डैम के गेट खोलने के बाद शहर के कई हिस्से पूरी तरह डूब गए थे। चेन्नई में इसी बाढ़ में 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। उस दौरान भी यहाँ की कई मस्जिदों के दरवाजे बाढ़ पीड़ित हिन्दुओं व ईसाईयों के लिये कई हफ़्तों के लिये खुल गये थे। बाढ़ पीड़ितों को मस्जिद में पनाह के साथ साथ रसद व दवाइयां भी मुहैय्या कराई गई थीं। उसी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में प्रसूतावस्था में पीड़ित एक हिन्दू महिला की यूनुस नामक एक मुसलमान ने जान बचाकर उसे अस्पताल तक पहुँचाया। बाद में सुरक्षित डिलेवरी होने पर उस हिन्दू महिला और उसके पति ने अपनी नवजात बच्ची का नाम यूनूस रखा। यह घटना भी धार्मिक सौहार्द और मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल है ।

इसी तरह 2023 में पंजाब में आई भीषण बाढ़ में मुस्लिम समुदाय ने बिना किसी भेदभाव के सभी प्रभावित लोगों की मदद की थी। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसी संस्थाओं ने बाढ़ प्रभावितों को राशन, दवाइयां, व कपड़े वितरित किए थे । तमाम मुस्लिम स्वयंसेवकों ने सिख और हिंदू समुदायों के साथ मिलकर बचाव कार्यों में हिस्सा लिया था । यहाँ भी उस समय बाढ़ प्रभावित इलाकों की कुछ मस्जिदों को अस्थायी आश्रय स्थल के रूप में खोला गया था। देशभर के मुसलमान संकट की इस घड़ी में पंजाब के बढ़ प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखाई दिये थे। एक तरफ जहां सत्ता के भूखे भेड़िये देश की सामाजिक एकता को तार तार करने पर तुले हैं वहीं देश भर में साम्प्रदायिक सद्भाव की ऐसी अनगिनत मिसालें भी देखने सुनने को मिलेंगी जब हिन्दुओं ने मुसलमानों की व मुसलमानों ने हिन्दुओं की जान बचाई व संकट की घड़ी में एक दूसरे के साथ खड़े दिखाई दिये। गोया नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक हमेशा जलता रहा है जलता रहेगा।

लोभ मानव जीवन का सबसे बड़ा शत्रु

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति, सद्गुणों का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है। मनुष्य के भीतर अनेक प्रकार की इच्छाएँ और आकांक्षाएँ होती हैं। इच्छाएँ जीवन को गति देती हैं और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं, किंतु जब यही इच्छाएँ सीमा का अतिक्रमण कर लेती हैं और केवल अधिक से अधिक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में परिवर्तित हो जाती हैं, तब वे लोभ का रूप धारण कर लेती हैं। लोभ या लालच ऐसा दुर्गुण है जो मनुष्य के समस्त सद्गुणों को नष्ट कर देता है और उसके जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं तथा दुखों का कारण बनता है। इसी कारण सभी धर्मों और महान विचारकों ने लोभ को पापों की जड़ तथा मानव पतन का प्रमुख कारण बताया है।

लोभ का अर्थ है आवश्यकता से अधिक पाने की तीव्र और अनियंत्रित इच्छा। सामान्य इच्छाएँ मनुष्य के विकास के लिए आवश्यक होती हैं, परंतु जब व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से आगे बढ़कर केवल संग्रह, स्वार्थ और भौतिक संपत्ति को ही जीवन का लक्ष्य बना लेता है, तब लोभ उत्पन्न होता है। लोभी व्यक्ति को कभी संतोष नहीं मिलता। उसके पास चाहे कितना भी धन, वैभव और प्रतिष्ठा क्यों न हो, वह और अधिक पाने की लालसा में निरंतर व्याकुल रहता है। यही असंतोष उसके मन की शांति छीन लेता है और उसे अनेक अनैतिक कार्यों की ओर प्रेरित करता है।

लोभ को पापों का जनक कहा गया है क्योंकि इसके प्रभाव में आकर व्यक्ति सही और गलत का भेद भूल जाता है। वह अपने लाभ के लिए दूसरों का अहित करने में भी संकोच नहीं करता। इतिहास और वर्तमान समाज दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अधिकांश अपराधों के पीछे किसी न किसी रूप में लोभ ही कार्य करता है। चोरी, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, शोषण, विश्वासघात और हिंसा जैसी अनेक बुराइयों की जड़ में लालच ही पाया जाता है। जब व्यक्ति धन और संपत्ति को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मान लेता है, तब उसके भीतर करुणा, दया, प्रेम, सत्य और ईमानदारी जैसे गुण धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। उनकी जगह क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और छल-कपट जैसे दुर्गुण जन्म लेने लगते हैं।

आज के भौतिकवादी युग में लोभ की समस्या और भी अधिक बढ़ गई है। आधुनिक समाज में सफलता का मापदंड प्रायः धन और वैभव को माना जाने लगा है। लोग अधिक धन कमाने और दूसरों से आगे निकलने की होड़ में लगे हुए हैं। इस प्रतिस्पर्धा ने मानव संबंधों को भी प्रभावित किया है। अनेक बार व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और समाज के हितों की उपेक्षा करके केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। धन कमाना गलत नहीं है, परंतु जब धन ही जीवन का केंद्र बन जाता है, तब जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है। व्यक्ति बाहरी रूप से समृद्ध दिखाई देता है, किंतु भीतर से अशांत और असंतुष्ट बना रहता है।

लोभ का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि यह मनुष्य के विवेक को नष्ट कर देता है। लोभी व्यक्ति को अपने कर्मों के परिणामों का विचार नहीं रहता। वह तत्काल लाभ के आकर्षण में पड़कर ऐसे निर्णय लेता है जो अंततः उसके लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। कई बार व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए उन लोगों का भी विश्वास तोड़ देता है जिन्होंने जीवनभर उसका साथ दिया होता है। इस प्रकार लोभ केवल व्यक्ति का ही नहीं बल्कि उसके संबंधों और सामाजिक प्रतिष्ठा का भी विनाश कर देता है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं: मुख्यमंत्री

- सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी करने वालों को सीएम की कड़ी चेतावनी, मामला संज्ञान में आते ही कराई गई एफआईआर
- सीएम की घोषणाः विश्वविद्यालय में महाराजा सुहेलदेव की भव्य अश्वारोही प्रतिमा स्थापित होगी
- विपरीत मौसम में उमड़ी भीड़ को देख बोले सीएम- सेना अडिग है तो सेनापति भी मजबूती से लड़ाई लड़ेगा

आजमगढ़, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पिछले दिनों कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। जैसे ही यह मेरे संज्ञान में आया, मैंने तत्काल पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं होनी चाहिए। हर बेटी का सम्मान होना चाहिए। हम उन संस्कार में पले-बढ़े हैं, जहां कहा जाता है कि गांव की बेटी-बहन, सबकी बेटी-बहन। अखिलेश यादव दूसरों को उपदेश देते हैं, वह अपने चेलों-चपाटों को भी उपदेश दें कि भाषा संयमित कर लें। उनके लोग बहन-बेटियों, बुजुर्गों, दिवंगत लोगों व वरिष्ठ नेताओं के प्रति कैसी टिप्पणी करते हैं, उन्हें अपने लोगों को संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा कि उन्हें समझाएं, नहीं समझा सकते तो हमारे हवाले कर दें, हम समझा देंगे। सीएम योगी शनिवार को आजमगढ़ में 955 करोड़ से अधिक लागत की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों की मांग पर सीएम ने घोषणा की कि महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में उनकी भव्य अश्वारोही प्रतिमा लगेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को पुरानी जेल को कन्वेंशन सेंटर के रूप में तैयार करने के लिए कार्ययोजना बनाने का भी निर्देश दिया। बार-बार वोट पाने वाले भी आपके हितैषी नहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ का गौरवशाली इतिहास रहा है। ऋषि-मुनियों की साधना से पवित्र यह धरती साहित्यिक साधना का केंद्रबिंदु रही है। देश को स्वतंत्र कराने का जज्बा इस जनपद में रहा है। जिस जनपद में हस्तशिल्प, कारीगर, किसान, ऊर्जावान युवा हैं, वह जनपद पहचान के लिए क्यों मोहताज हुआ। यह प्रश्न/पीड़ा लेकर मैं बार-बार आजमगढ़ आता हूं। जिन्होंने हमें बांटा और विभाजित किया, वे लगातार आपका समर्थन पाते थे, लेकिन वे कभी आपके हितैषी नहीं थे। पहचान को मोहताज था आजमगढ़, आज सबका सम्मान सीएम ने कहा कि 2017 के पहले आजमगढ़ पहचान के लिए मोहताज था। तब यहां विश्वविद्यालय, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय नहीं था। एयरपोर्ट भी ठीक से काम नहीं कर पा रहा था। आजमगढ़ की साड़ी और मुबारकपुर की ब्लैक पॉटरी को मंच नहीं मिल पा रहा था। अभी प्रदर्शनी में सबने अपने नई कहानी सुनाई। ब्लैक पॉटरी और साड़ी से जुड़े कारीगरों ने कहा कि जबसे यूपी में डबल इंजन की भाजपा सरकार आई, तबसे हमारा कारोबार कई गुना बढ़ा है।

योग से जागता है ऊर्जा और आत्मविश्वास: कुलपति

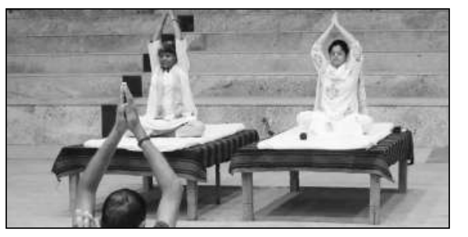

जौनपुर,एजेंसी। यूपी के जौनपुर जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित विशेष योग सत्र में शनिवार को कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के नेतृत्व में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का इनडोर स्टेडियम सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और उत्साह से सराबोर हो उठा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वयं योग प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के लगभग 600 छात्र-छात्राओं को योग, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। इस अवसर पर कुलपति ने विभिन्न योगासनों एवं ध्यान की विधियों का प्रशिक्षण देते हुए योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार है। योग व्यक्ति के तन, मन और आत्मा को जोड़कर जीवन को संतुलित, स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण बनाता है। प्रो. वंदना सिंह ने कैडेटों से नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में योग तनाव को कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

उन्होंने बताया कि कई ऐसे सरल योगाभ्यास हैं जिन्हें अध्ययन या कार्यालय के दौरान बैठकर भी किया जा सकता है। उन्होंने भारतीय ऋषि-मुनियों और महापुरुषों के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि योग के माध्यम से उन्होंने न केवल दीर्घायु प्राप्त की, बल्कि अद्भुत ऊर्जा, एकाग्रता और कार्यक्षमता का परिचय भी दिया। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे अपनाकर युवा पीढ़ी स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेटों में विशेष उत्साह देखने को मिला। योगाभ्यास के बाद विद्यार्थियों ने इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मकता का वातावरण बना रहा, जिसने सभी प्रतिभागियों को योग के प्रति प्रेरित किया।

मानसून से पूर्व बलरामपुर में युद्ध स्तर पर नाला सफाई अभियान शुरू

बलरामपुर, एजेंसी। आगामी मानसून के आगमन को देखते हुए बलरामपुर शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद ने कमर कस ली है। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' के कड़े निर्देशन में पूरे नगर के समस्त वार्डों और प्रमुख मार्गों पर एक व्यापक नाला एवं नाली सफाई अभियान युद्ध स्तर पर संचालित किया जा रहा है। स्वच्छता और जनसुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता अभियान की प्रगति और रूपरेखा की जानकारी देते हुए अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैंस ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान होने वाले जलभराव,गंदगी और इससे पनपने वाली संभावित बीमारियों से नगरवासियों को सुरक्षित रखना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुविधा और स्वच्छता को प्रशासन ने सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा

है,जिसके तहत बिना किसी बाधा के निरंतर कार्य किया जा रहा है। वार्डों से लेकर प्रमुख मार्गों तक चल रहा काम नगर पालिका की सफाई टीमें आधुनिक उपकरणों और अतिरिक्त सफाईकर्मियों के साथ शहर के मुख्य नालों और तंग गलियों की नालियों की सिल्ट (कीचड़) निकालने में जुटी हुई हैं। जाम नालों की विशेष सफाईः उन संवेदनशील इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहाँ हर साल मामूली बारिश में भी पानी लग जाता है। सिल्ट का तुरंत उठानः नालों से निकाली जा रही गंदगी को सड़कों पर छोड़ने के बजाय तुरंत डंपिंग ग्राउंड भेजने के निर्देश दिए गए हैं ताकि राहगीरों को परेशानी न हो। "स्वच्छ और सुंदर बलरामपुर के लिए हम प्रतिबद्ध" अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैंस ने नगर पालिका की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहाः "एक स्वच्छ,सुंदर और व्यवस्थित बलरामपुर का निर्माण ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए हमारी पूरी टीम धरातल पर उतरकर पूरी निष्ठा से काम कर रही है। मानसून से पहले शहर की जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा ताकि नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।" इसके साथ ही उन्होंने नगरवासियों से भी अपील की है कि वे नालों और नालियों में प्लास्टिक,पॉलिथीन या अन्य कचरा न फेंकें,जिससे पानी का बहाव बाधित होता है। शहर को साफ-सुथरा रखने में सभी का सहयोग अत्यंत अनिवार्य है।

डबल इंजन की सरकार के साथ चलिए आजमगढ़ को हम सुरक्षित और समृद्ध बनायेंगे : मुख्यमंत्री योगी

आजमगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ में 955 करोड़ की लागत से 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने प्रदर्शनी का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आजमगढ़वासियों से कहा कि वर्तमान को सुधारने के लिए उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार के साथ

डबल स्पीड के साथ आगे चलने की तैयारी करिए, हम आजमगढ़ को सुरक्षित और समृद्ध बनायेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। सपा, कांग्रेस यह काम नहीं कर पाती। मुख्यमंत्री ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा जब यह आपके पूर्वजों को सम्मान नहीं दे सकते। आपकी आस्था का सम्मान नहीं कर सकते, देवी देवताओं का सम्मान नहीं कर सकते तो आप इनके साथ जुड़कर कौन सा तीर मार देंगे। यह लोग कुछ नहीं कर सकते, विकास नहीं कर सकते, गरीबों का कल्याण नहीं कर सकते, युवाओं को नौकरी नहीं दे सकते तो आप क्यों सिर में ढ़ोकर चलते हैं। इसलिए डबल इंजन की सरकार के साथ डबल स्पीड के साथ आगे चलने की तैयारी करिए।

ब्रह्माकुमारीज ने की अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह की शुरूआत

प्रयागराज, एजेंसी। बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह का प्रयागराज में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा धनुवा स्थित मुख्य सेवा केन्द्र में विधिवत उद्घाटन शनिवार को किया गया। संस्था के मुख्य सेवा केंद्र सद्भावना भवन में एक बड़े योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के प्रतिष्ठित योगाचार्य एवं योग के इच्छुक लोग हजारों की तादाद में शामिल हुए।

इस अवसर पर योग विभाग, रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय के विभागाचार्य डॉक्टर मुकेश द्विवेदी एवं उनकी शिष्या द्वारा विभिन्न योगासनों एवं योग क्रियाओं का अभ्यास उपस्थित जनमानस को कराया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय संयोजिका मनोरमा दीदी ने कहा कि योग केवल कुछ आसनों तक सीमित नहीं है। यह हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है जो हमारे संयम, नियम, आहार, विहार, विचार, वाणी, कर्म सब में परिलक्षित होता है। उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज के प्रत्येक सेवा केंद्र में 365 दिन राजयोग का अभ्यास किया जाता है। उन्होंने राजयोग को मनुष्य आत्माओं द्वारा स्वयं को जागृत कर अपने पिता परमात्मा से जुड़ने का एक सहज माध्यम बताया। जिससे हमारा मन पवित्र, बुद्धि सतोगुणी और संस्कार दिव्य बनते हैं। कार्यक्रम में श्रद्धा ने सभी उपस्थित लोगों को राजयोग का अभ्यास भी कराया।अनिल कुमार गुप्ता, चीफ वार्डन सिविल डिफेंस प्रयागराज ने इस अवसर पर संस्था एवं उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. रमनपुरी महाराज, पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी ने लोगों को ब्रह्माकुमारीज द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग एवं ज्ञान को अपने जीवन में धारण करने का आग्रह किया। मंच संचालन प्रियंवदा ने किया। इस अवसर पर लगभग एक हजार लोगों ने कार्यक्रम में राजयोग एवं योगासनों का अभ्यास किया।

नशे में धुत मुख्य आरक्षी का वीडियो वायरल, निलंबित

जौनपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के सुजानगंज थाना में तैनात मुख्य आरक्षी रामधनी यादव का कथित रूप से शराब के नशे में धुत वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसे संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने मुख्य आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

बक्शा थाना क्षेत्र के कौली गांव में हुई एक हत्या के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रामधनी यादव की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी दौरान उनका एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह नशे की हालत में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह भावुक होकर रोते-बिलखते नजर आ रहे तथा अपने थाना प्रभारी के संबंध में टिप्पणी भी कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने पुलिस विभाग की कार्यशैली और अनुशासन पर सवाल उठाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और जनता का विश्वास प्रभावित करती हैं। एसपी ने मामले को गंभीर मानते हुए मुख्य आरक्षी की तत्काल निलंबन की कार्रवाई की है। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच शुरू कर दी गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोई भी शोध विकास के लिए किया जाता है, उसके पीछे लोक कल्याण की भावना निहित: योगी आदित्यनाथ

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी शोध विकास के लिए किया जाता है। उसके पीछे लोक कल्याण की भावना निहित होती है। अंततः उसका उद्देश्य राष्ट्र को मजबूत और सशक्त बनाने का होता है। दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन शनिवार को मुख्यमंत्री यहां काशी हिन्दू विश्वविद्यालय और वैदिक विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विज्ञान भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए एसएसबी ने मरबैता टोला की पगडंडी पर पांच फीट गहरे गड्ढे खोदे मुख्यमंत्री योगी ने अधिवेशन का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन के बाद विज्ञान भारती की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह काशी हिंदू विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना के पीछे का उद्देश्य ही ज्ञान- विज्ञान के ऐसी धारा के रूप में काशी को उसकी पहचान दिलाना है, जिसके लिए हमारी काशी जानी जाती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम विज्ञान की बात करते हैं, तो उसके परिणामों और प्रभावों की भी जानकारी होनी चाहिए। आधुनिक विज्ञान का इतिहास करीब 400-500 साल पुराना है। जिन देशों ने विज्ञान और तकनीक पर अपना प्रभुत्व स्थापित किया, दुनिया में उनका वर्चस्व भी कायम हो गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीएचयू में निमार्णाधीन नेशनल सेंटर फॉर एजिंग का किया निरीक्षण

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अंतिम दिन शनिवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर स्थित निमार्णाधीन अत्याधुनिक नेशनल सेंटर फॉर एजिंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से उच्च गुणवत्ता के साथ परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने बीएचयू प्रशासन के अधिकारियों को भी परियोजना की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो सके।

गौरतलब है कि बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान परिसर में बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी

आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नेशनल सेंटर फॉर एजिंग का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस सात मंजिला भवन में 200 बिस्तरों की व्यवस्था होगी। यह केंद्र देश का तीसरा तथा उत्तर भारत का प्रमुख जेरिएट्रिक (जराचिकित्सा) संस्थान होगा।वर्तमान में इसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस केंद्र में बुजुर्ग मरीजों के लिए मल्टी-स्पेशियलिटी जेरिएट्रिक ओपीडी, मेमोरी क्लिनिक, गठिया (अर्थराइटिस) क्लिनिक सहित कई विशेष चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक जांच एवं रेडियोलॉजी सेवाएं, पुनर्वास केंद्र, डे-केयर सुविधा, आईसीयू तथा निजी वार्ड भी स्थापित किए जाएंगे। नेशनल सेंटर फॉर एजिंग केवल उपचार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जरा चिकित्सा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण, मानव संसाधन विकास और अनुसंधान को भी बढ़ावा देगा। यहां वरिष्ठ चिकित्सकों एवं सीनियर रेजिडेंट्स की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ एमडी जेरिएट्रिक मेडिसिन की स्नातकोत्तर सीटों का भी विस्तार किया जाएगा।

एक नजर

घर से निकली किशोरी को जीआरपी ने सकुशल परिजनों से मिलाया

कानपुर, एजेंसी। रेलवे पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्श में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक 15 वर्षीय किशोरी जो घर से नाराज हो कर स्टेशन आ गई थी, उसे जीआरपी पुलिस परिजनोंको बुला कर उनके सुपुर्द के दिया। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी० द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एन. कोलान्ची के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशान्त वर्मा के लगातार मानिटरिंग व निर्देशन के क्रम में, पुलिस उपाधीक्षक कानपुर दुष्यन्त कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में भूले भटके व्यक्ति ,गुमशुदा बच्चो के लिए चलाए जा रहेआपरेशन मुस्कान अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह ने आपरेशन मुस्कान के अंतर्गत कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सकुर्लेटिंग एरिया, टिकट घर, यात्री प्रतीक्षालय पर भ्रमण चेकिंग के दौरान एक बालिका पूजा (काल्पनिक) पुत्री सुनील चौहान निवासिनी हथियानी जिला चन्दौली उम्र करीब 15 वर्ष, अकेली प्लेटफार्म पर बैठी मिली। पूछताछ करने पर बताया कि वह अपने घर से नाराज होकर कानपुर सेन्ट्रल आ गई है। हे. का. विपिन यादव ने किशोरी को तत्काल अपने सुपुर्दगी मे लेकर महिला हेल्प डेस्क में बिठाया। विपिन ने किशोरी द्वारा बताए पते पर परिजनो व किशोरी के जीजा सर्वेश कुमार को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों को पुलिस से किशोरी को उनके सुपुर्द कर दिया। परिजनो द्वारा थाना जीआरपी पुलिस कानपुर सेन्ट्रल की इस सराहनीय कार्य के लिये भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

फरुर्खाबाद : एसपी ने तीन थानाध्यक्ष बदले

फरुर्खाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले की पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए शनिवार को महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया है। इसके तहत कोतवाली फरुर्खाबाद के थानाध्यक्ष दर्शन सिंह को स्थानांतरित कर अमृतपुर थाने का प्रभारी बनाया गया है। वहीं अमृतपुर थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह गहलौत को नई जिम्मेदारी देते हुए कोतवाली फरुर्खाबाद का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक राम सहाय सिंह को कमालगंज थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। पुलिस विभाग में हुए इस तबादला आदेश के बाद संबंधित पुलिस कर्मियों ने अपने-अपने नए कार्यभार ग्रहण करने की तैयारी शुरू कर दी है। एसपी ने स्थानांतरित थानाध्यक्षों को नई तैनाती के स्थान पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

कछौना के पुरवा गाँव का आरोग्य मंदिर खुद बीमार, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा उपचार

हरदोई, एजेंसी। ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का सपना संजोकर स्थापित किए गए आरोग्य मंदिर आज स्वयं उपेक्षा के शिकार नजर आ रहे हैं। विकास खंड कछौना की ग्राम सभा पुरवा स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं आरोग्य मंदिर की स्थिति ऐसी है कि वह स्वयं उपचार की प्रतीक्षा करता दिखाई देता है। यहां नियमित स्वास्थ्य सेवाएं न मिलने से ग्रामीणों में निराशा व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार, कई महीनों से स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति नहीं हो रही है। परिणामस्वरूप परिसर में गंदगी का अंबार लग गया है। भवन के दरवाजों के पल्ले टूट चुके हैं, चारों ओर झाड़ियां उग आई हैं और परिसर में पशु बांधे जाने लगे हैं। कभी जनस्वास्थ्य के संरक्षण के लिए निर्मित यह केंद्र आज बदहाली की मूक कहानी कह रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में उन्हें छोटी-बड़ी बीमारियों के उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। कई बार मजबूरी में लोग झोलाछाप चिकित्सकों की शरण लेने को विवश हो जाते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और बढ़ जाता है। सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्थापित आरोग्य मंदिर यदि इसी प्रकार उपेक्षित रहे, तो ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण केंद्र की दशा दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से शिकायत कर केंद्र में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं बहाल कराने तथा भवन की मरम्मत कराने की मांग की है। उधर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि शिकायत की स्थलीय जांच कराई जाएगी। जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ओवरलोडिंग और अवैध खनन पर बड़ा एक्शन: 84 वाहनों का चालान, 7 सीज, 6.47 लाख का जुमार्ना

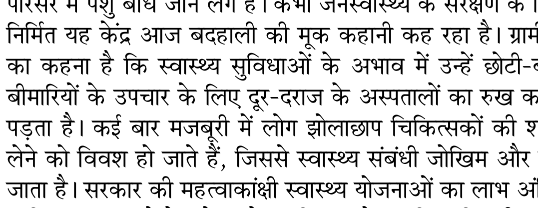

कानपुर, एजेंसी। आरटीओ प्रवर्तन, पुलिस, राजस्व और खनन विभाग की संयुक्त टास्क फोर्स ने देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में चलाई गई इस संयुक्त कार्रवाई से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, दोषपूर्ण नंबर प्लेट और अवैध खनन जैसे मामलों में कुल 84 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 7 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में कुल 6.47 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। एआरटीओ विंध्यांचल गुप्ता ने बताया कि यह विशेष सघन अभियान शुक्रवार की शाम 8 बजे से रात 12 बजे के बीच चलाया गया। रात के अंधेरे में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के इस खेल को नाकाम करने की तैयारी में पूरा अमला जुटा रहा। उन्होंने कहा कि देर रात के समय ओवरलोडिंग का एक बड़ा खेल चलता है, जिसे पूरी तरह नाकाम करने के लिए यह संयुक्त अभियान शुरू किया गया है।

कन्नूर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी निकली अफवाह

कन्नूर(एजेंसी)। केरल के कन्नू इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। हालांकि, हवाई अड्डे और संबंधित विमानों की व्यापक जांच के बाद यह धमकी पूरी तरह झूठी साबित हुई। मामले में मट्टनूर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर एयरपोर्ट प्रशासन और दो विमानन कंपनियों की कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में दावा किया गया था कि हवाई अड्डे पर विस्फोटक लगाए गए हैं और जल्द ही बम विस्फोट किया जाएगा। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों, बम निरोधक दस्ते और पुलिस ने तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया। पूरे हवाई अड्डे परिसर, टर्मिनल भवनों और संबंधित विमानों की गहन तलाशी ली गई। कई घंटों तक चली जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने धमकी को फर्जी घोषित कर दिया। एयरपोर्ट के सहायक प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरला पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरा ईमेल एक जीमेल अकाउंट से भेजा गया था। ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने के लिए साइबर जांच शुरू कर दी गई है।

कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत अनिवार्य, तीसरी भाषा का विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई शिक्षा व्यवस्था के तहत कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में चुनने का विकल्प भी दिया जाएगा। शिक्षा विभाग का कहना है, इस निर्णय का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और भाषाई विरासत से छात्रों को जोड़ना है। संस्कृत के अध्ययन से भाषा कौशल, व्याकरण की समझ और प्राचीन साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी। इस निर्णय का विभिन्न शिक्षाविदों ने स्वागत किया है. जबकि कुछ विशेषज्ञों ने विद्यालयों में पर्याप्त संस्कृत शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया है। देश के विद्यालयों में संस्कृत के शिक्षकों की भारी कमी है.ऐसी स्थिति में संस्कृत की पढ़ाई कैसे हो सकेगी

वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर बवाल केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या 50 फ़ीसदी से ज्यादा घटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर में इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक कम रही है। पर्यटन और तीर्थाटन से जुड़े कारोबारियों का कहना है, कम संख्या का असर स्थानीय अर्थ व्यवस्था पर पड़ रहा है। मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर भी विवाद समय-समय पर देखने को मिला है। कई श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है, सामान्य दर्शनार्थियों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है. जबकि वीआईपी आगंतुकों को विशेष सुविधा दी जाती है। इस व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई है। मंदिर प्रशासन और राज्य सरकार का कहना है, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं. तीर्थयात्रियों की घटती संख्या और वीआईपी दर्शन को लेकर उठ रहे सवालों ने केदारनाथ यात्रा प्रबंधन पर नई चर्चा शुरू कर दी है।

अमरनाथ यात्रा के लिए बस किराया 18 फीसदी बढ़ा , प्रदेश परिवहन निगम चलाएगा 200 बसें

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में 3 जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथ यात्रा के लिए भक्तों को इस बार जेकेआरटीसी की बस सेवा के लिए 18 प्रतिशत अधिक किराया चुकाना होगा। केंद्र शासित प्रदेश परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु लगभग 200 बसें चलाने की घोषणा की है। ये बसें जम्मू, भगवती नगर, पहलगाम और बालटाल जैसे प्रमुख रूटों पर संचालित होंगी, जिनका मुख्य लक्ष्य शिवभक्तों को सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करना है। जेकेआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक बसों की व्यवस्था की जा रही है, जिनमें बेहतर बैठने की सुविधा और पुख्ता सुरक्षा इंतजाम शामिल हैं। हालांकि कारपोरेशन के एक अ?धिकारी ने इस बार बस किराए में हुई 18 फीसदी बढ़ोतरी की पुष्टि की है, जिससे यह धार्मिक यात्रा श्रद्धालुओं के लिए थोड़ी महंगी साबित होगी। प्रशासन द्वारा भी यात्रा मार्गों पर सुरक्षा और अन्य आवश्यक यात्री सुविधाओं को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

एलपीजी धमाकों से दहला रेस्टोरेंट, डीएफएस ने बुजुर्ग महिला की जान बचाई

- दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा, तीन व्यावसायिक सिलेंडर फटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी इलाके में रविवार सुबह पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि तीन बड़े व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर धमाके के साथ फट गए, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि, दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की तत्परता से न केवल आग पर काबू पाया गया, बल्कि एक बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर फंसी एक बुजुर्ग महिला को भी मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डीएफएस के अनुसार र?विवार सुबह करीब 4-45 बजे कालकाजी-गोविंद पुरी फ्लाईओवर के पास स्थित पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट में आग की सूचना मिली। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह इकाइयों को भेजा, जिसे बाद में बढ़ाकर कुल नौ कर दिया गया। असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर यशवंत और सरबजीत के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने करीब 5-40 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और सुबह 5-45 बजे स्टॉप मैसेज जारी किया। बेसमेंट से लेकर तीसरी मंजिल तक फैली इस आग ने इमारत को खासा नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन के दौरान तीन व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर फटने से आग और विकराल हो गई थी, जिससे चुनौतियां बढ़ गईं। आग पर काबू पाने के बाद दोबारा भड़कने से रोकने के लिए घंटों कूलिंग ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल, आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस व दमकल विभाग शॉर्ट सर्किट या गैस लीकेज के एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

-दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली(एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

युद्ध के बाद भी समाधान के लिए संवाद जरूरी

संघ प्रमुख ने कहा कि यदि भविष्य में किसी युद्ध की स्थिति में भारत पाकिस्तान पर निर्णायक बढ़त हासिल करता है, तब भी वहां के लोगों के भविष्य को लेकर कोई न कोई समाधान तलाशना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में या तो उन्हें भारत के साथ जोड़ना होगा अथवा उन्हें शांतिपूर्ण जीवन जीने योग्य परिस्थितियां उपलब्ध करानी होंगी। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव नहीं है। इसलिए बातचीत और समाधान का कोई रास्ता खुला रहना चाहिए। अन्याय और अत्याचार का अंत होना चाहिए, लेकिन जो सकारात्मक है, उसे भी संरक्षित रखना आवश्यक है।'

होसबाले के बयान पर हुआ था विवाद

दरअसल, हाल ही में दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के सभी विकल्प पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छिड़ गई थी। अब मोहन भागवत ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि होसबाले के बयान को गलत संदर्भ में देखा गया। उनके अनुसार, टिप्पणी का आशय पाकिस्तान की जनता और वहां मौजूद सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से था, न कि पाकिस्तान की राज्य व्यवस्था या सरकार से।

आरएसएस की अलग विदेश नीति नहीं

भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस की किसी भी देश के संबंध में स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति तय करना सरकार का अधिकार और दायित्व है तथा संघ पड़ोसी देशों के मामलों में केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का सम्मान करता है और उसी का पालन करता है।

अभिषेक मेरे बेटे जैसा, पिता का काम होता है गलतियों को माफ करना : कल्याण बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि अभिषेक बनर्जी मेरे बेटे जैसा है और बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। इससे पहले उन्होंने 11 जून को कहा था कि ममता बनर्जी को मुझे या अभिषेक में से किसी एक को चुनना होगा। बता दें गुरुवार को अभिषेक ने फर्जी साइन मामले में अपना वकील बदल लिया था। पहले कल्याण इस मामले में अभिषेक के वकील थे। इसके बाद कल्याण ने कहा था कि अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वे बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल्याण बनर्जी मुझसे बड़े हैं। उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है, इसलिए मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं बोलूंगा। कल्याण ने टीएमसी में हो रही टूट पर कहा कि बागियों बीजेपी की शरण में ही जाना होगा। उन्होंने कहा कि यह सब एक चाल है। ये लोग अपने क्षेत्रों के विकास का बहाना बनाते हैं, लेकिन जो लोग अपने क्षेत्र में जा तक नहीं सकते, वे क्या काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। सीएम शुभ्रेंदु अधिकारी से बातचीत के बाद भी पिछले एक महीने में क्या विकास हुआ है? बीजेपी और पुलिस हमें परेशान कर रही है। पश्चिम बंगाल में किसी भी विपक्ष ने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया है, जैसी हम कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने टीएमसी और कांग्रेस के आपस में विलय की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि हम कांग्रेस के साथ कोई विलय नहीं कर रहे हैं।

एआईएडीएमके को झटका, अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने पार्टी से दिया इस्तीफा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्र कजगम को एक और राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी की डिप्टी प्रोपेगेंडा सेक्रेटरी और अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

गौतमी ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पडी के पलानिस्वामी को भेजे अपने इस्तीफा पत्र में कहा कि वह 14 जून से पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त हो रही हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि वह समाज सेवा के क्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देना चाहती हैं और इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया है।

2024 में एआईएडीएमके में हुई थीं शामिल

गौरतलब है कि गौतमी तडिमल्ला ने अक्टूबर 2023 में भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 14 फरवरी 2024 को एआईएडीएमके का दामन थामा था। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राजापालयम सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी और टिकट की मांग भी की थी। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टिकट नहीं मिलने से उनकी नाराजगी बढ़ी और यह भी उनके इस्तीफे के पीछे एक प्रमुख कारण हो सकता है।

एआईएडीएमके के लिए बढ़ती चुनौती

गौतमी का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एआईएडीएमके के कई नेता और पदाधिकारी अन्य राजनीतिक दलों, विशेषकर सत्तारूढ़ दलों की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में एक लोकप्रिय अभिनेत्री और प्रमुख महिला नेता का पार्टी छोड़ना संगठन के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कोई दोस्त या रणनीतिक साझेदार इतना असंवेदनशीन कैसे हो सकता है?

-शशि थरुर तीन भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिका के बयान पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के रिश्ते अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी मिसाइल हमले में तीन भारतीयों की मौत हो गई है। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने डिमार्श जारी कर अमेरिका के सामने विरोध दर्ज करवाया, लेकिन अब विदेश मंत्री जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष की लेकर वाशिंगटन से जो बयान जारी किया है उसने दिल्ली में सभी के कान खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी अमेरिका के इस बयान को असंवेदनशील बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के बयान को रिपोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता थरूर ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने लिखा- अमेरिका का यह आधिकारिक बयान पढ़कर गहरा झटका लगा है। इसमें निर्दोष भारतीयों की मौत पर बिलकुल भी खेद या संवेदना व्यक्त नहीं की गई है। कोई मित्र या रणनीतिक साझेदार इतना असंवेदनशीन कैसे हो सकता है? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अमेरिकी नेवी के पास जहाज को रोकने के लिए कोई और तरीका नहीं था? क्या जहाज पर मिसाइल से हमला करना जरूरी था?

उन्होंने लिखा- होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी नेवी की नाकेबंदी को न मानने वाले व्यापारिक जहाज को गैर घातक हथियार से नहीं रोका जा सकता था? क्या किसी जहाज को मिसाइल मारे बिना रोकना संभव नहीं है? देखा जाए तो उस क्षेत्र में तैर रहे हर व्यापारिक जहाज पर भारतीय क्रू मेंबर मौजूद हैं। तो क्या उन पर हमला करना अमेरिका के लिए सही है। मुझे उम्मीद है यही सवाल जयशंकर ने भी रुबियो के सामने उठाए होंगे। थरूर के अलावा कई बड़े नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने भी अमेरिकी की तरफ से इस तरह के रवैये पर सवाल उठाए हैं।

होर्मुज स्ट्रेट के पास पलाउ के झंडे वाले जहाज पर हुए हमले और उसमें तीन भारतीयों की मौत के बाद दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हो गए थे। इस घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिक को डिमार्श जारी करके तलब किया और विरोध दर्ज करवाया। इसके बाद विदेश मंत्री जयशंकर और मार्को रुबियो के बीच फोन पर बात हुई। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से इस बातचीत को लेकर कहा गया कि सरकार ने अमेरिका के सामने कड़ा विरोध दर्ज करवाया है। वहीं, जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया, तो उसमें संवेदना का कोई नामोनिशान नहीं था। वाशिंगटन ने स्पष्ट रूप से

कहा कि होर्मुज में मौजूद उसकी नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पोस्ट में दावा किया कि ईरान ने भारतीय जहाजों पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की थी। इसे अमेरिकी नेवी ने नाकाम कर दिया है। हालांकि, न तो भारत ने और न ही ईरान ने ऐसी किसी घटना का जिक्र किया है।

बीजेपी नेता ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 17 पन्नों की शिकायत थाने को सौंपी

–अम्फान चक्रवात राहत कोष में 200 करोड़ से ज्यादा की अनियमितताओं का लगाया आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सियासी घमासान के बीच बीजेपी नेता ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी पर अम्फान चक्रवात राहत कोष में 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बीजेपी नेता अभिजीत दास बॉबी ने 17 पन्नों की शिकायत सौंपी। इस बीच पश्चिम बंगाल सीआईडी ने जाली हस्ताक्षर करने के मामले में अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए एक और नोटिस जारी किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2020 में आए सुपर साइक्लोन अम्फान के पीड़ितों के लिए जारी राहत राशि के वितरण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुईं। इसमें डुप्लीकेट और संदिग्ध एंट्री, एक ही मोबाइल नंबर और बैंक खाते के जरिए कई लाभार्थियों को भुगतान और एक ही आवासीय भवन से कई लोगों को लाभ दिलाने जैसे आरोप शामिल हैं। अभिजीत दास बॉबी ने कहा कि आज की शिकायत में मैंने विशेष रूप से डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बिष्णुपुर के दो ब्लॉकों का उल्लेख किया है, जहां करीब 57 हजार लाभार्थियों के बीच 57.86 करोड़ वितरित किए गए थे। दो बार अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके बॉबी ने आरोप लगाया कि राहत राशि का बड़ा हिस्सा कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व द्वारा हड़प लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अभिषेक के नेतृत्व में यह खेल हुआ और इसमें ब्लॉक विकास अधिकारियों और तत्कालीन अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सहित कई सरकारी अधिकारी भी शामिल थे। बता दें 20 मई 2020 को आए अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भारी तबाही मचाई थी। पूर्वी मेदिनीपुर और उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना जिलों में व्यापक नुकसान हुआ था और 96 लोगों की मौत हुई थी। भाजपा नेता ने दावा किया कि पूरे डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर करीब 238 करोड़ रुपए के राहत घोटाले की आशंका है। उन्होंने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है। बॉबी ने कहा कि जल्द ही डायमंड हार्बर क्षेत्र के अन्य थानों में भी इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराई जाएंगी साथ ही उन्होंने पूरे खर्च का फॉरेंसिक ऑडिट कराने और ईडी से जांच कराने की मांग की। ममता बनर्जी सरकार ने अम्फान प्रभावित लोगों के लिए 6,250 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की गई थी और पीड़ितों के खातों में सीधे धनराशि भेजने का वादा किया था। इसके लिए अम्फान साइक्लोन राहत कोष भी बनाया गया था। वहीं केंद्र सरकार ने नेशनल डिजास्टर? रिलीफ फंड से अम्फान राहत और पुनर्वास के लिए 3,077 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। राज्य सरकार ने पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 20,000 रुपए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 5,000 रुपए की सहायता देने की व्यवस्था की थी। बॉबी ने कहा कि ये सभी विसंगतियां सरकारी धन के दुरुपयोग की ओर इशारा करती हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि यह हमारे नेता के खिलाफ बीजेपी की प्रतिशोध कार्रवाई है।

उद्धव ठाकरे की बुलाई बैठक को लेकर चर्चाएं तेज, क्या ऑपरेशन टाइगर का है डर!

-राउत बोले- चर्चाएं गलत, बैठक में मानसून सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों पर होगी चर्चा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज है। ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आनन-फानन में रविवार को पार्टी के सभी सांसदों की इमरजेंसी बैठक बुलाई। यह बैठक मातोश्री में होगी। पार्टी का कहना है कि यह सामान्य समीक्षा बैठक है, लेकिन सियासी गलियारों में इसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

सूत्रों के मुताबिक राजनीतिक गलियारों में पिछले कुछ समय से ऑपरेशन टाइगर का जिक्र हो रहा है। माना जा रहा है कि शिवसेना के कुछ नेताओं और सांसदों के शिंदे गुट के नेताओं के संपर्क में होने की खबरों ने इस चर्चा को हवा दी है। हालांकि जिन सांसदों के नाम सामने आए हैं, उन्होंने पार्टी छोड़ने या पाला बदलने की बात से साफ इनकार किया है। मातोश्री में होने वाली यह बैठक ऐसे समय में हो रही है,

जब विपक्षी दलों के भीतर अंदरूनी खींचतान की खबरें सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल की टीएमसी में कुछ सांसदों की नाराजगी की चर्चा रही। इससे पहले आम आदमी पार्टी में भी सांसदों के पाला बदलने की खबरों ने विपक्षी खेमे की चिंता बढ़ाई थी। ऐसे में उद्धव ठाकरे की यह बैठक संगठन की एकजुटता के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूबीटी के राज्यसभा सांसद और पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने बैठक की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे समय-समय पर सांसदों, विधायकों, पार्षदों और दूसरे पदाधिकारियों के साथ बैठक करते रहते हैं। संसद का मानसून सत्र आने वाला है, इसलिए महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने ऑपरेशन टाइगर जैसी किसी भी चर्चा को गलत बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया है।

शिवसेना प्रवक्ता राजू वाघमारे ने कहा कि ऐसा कोई अभियान नहीं चल रहा है और न ही उनकी पार्टी को किसी को तोड़ने में दिलचस्पी है। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव नहीं हैं और सरकार के पास पूरा बहुमत है। लोकसभा में इस समय यूबीटी के 9 सांसद हैं, जबकि शिंदे गुट के पास 7 सांसद हैं। ऐसे में मातोश्री में होने वाली यह बैठक महाराष्ट्र की सियासत में नई चर्चाओं को जरूर हवा दे रही है।

मिजोरम बन रहा नशे का गढ़, म्यांमार से हो रही सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' की होम डिलीवरी

–पिछले साल 118 तो इस साल 21 लोगों की जा चुकी है जान, हजारों किलो ड्रग्स जब्त

आइजोल (एजेंसी)। मिजोरम की राजधानी आइजोल में रात के अंधेरे और सन्नाटे में युवक हाथों में टॉर्च और डंडे लिए घूम रहे हैं। ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने पहरा दे रहे हैं। मिजोरम इस समय नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 लोगों की जानें ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते तीन साल में यहां से करीब

चार हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है। ड्रग्स सप्लायर वॉट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीक्रेट ग्रुप्स बनाकर नेटवर्क चला रहे हैं। सिर्फ चैट ग्रुप का स्क्रीन शॉट दिखाकर आसानी से ड्रग्स मिल जाती है। जब वाईएमए के मेंबर से कुछ स्क्रीन शॉट मांगे तो उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें देने से मना कर दिया। मिजोरम एक्साइज एंड नारकोटिक्स विभाग के संयुक्त आयुक्त ने बताया कि स्थानीय नेटवर्क में 'आइस' और 'कैंडी' जैसे कोड वर्ड्स से ड्रग्स बेची जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीनों में ड्रग्स की होम डिलीवरी भी हो रही है। आइजोल स्थित सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि वह इस साल 10 अप्रैल से 28 मई के बीच केवल आइजोल में 239 मरीज मिले हैं। इतने कम समय में इतने मरीज मिलना स्थिति की भयावहता को दिखाता है। इनमें से ज्यादातर लोग पहले शराब और गांजा पीते थे, लेकिन अब ड्रग्स ले रहे हैं। वाईएमए की सेंट्रल कमेटी के महासचिव ने बताया कि सीमा के पार म्यांमार का रिहखावदार इलाका है, जहां दोनों ओर के लोगों के पारिवारिक संबंध हैं। इसी आवाजाही की आड़ में रात के अंधेरे में छोटे पेडलर्स घने जंगलों और पहाड़ी पगडंडियों से ड्रग्स की खेप भारत लाते हैं। यहां से ड्रग्स देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ बांग्लादेश और अरब देशों तक भेजी जा रही है।

परमाणु युद्ध का भयावह परिणाम: ओजोन परत नष्ट, 1 अरब लोग भूखे मर सकते

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीते साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध की आशंका से भयभीत किया था। अब एक नई स्टडी ने चेतावनी दी है कि दोनों परमाणु शक्तियों के बीच एक अपेक्षाकृत छोटा संघर्ष भी वैश्विक तबाही ला सकता है, इससे ओजोन परत को भारी नुकसान होगा और एक अरब से अधिक लोगों को भुखमरी के कारण अपनी जान गंवा सकते है।

एक शोधकर्ता के अनुसार, छोटे पैमाने का परमाणु युद्ध भी दुनिया भर में दूरगामी प्रभाव डालेगा। परमाणु विस्फोटों से उत्पन्न तीव्र गर्मी और रेडिएशन लाखों लोगों को तत्काल मार देगा, लेकिन इससे भी बड़ा खतरा न्यूक्लियर विंटर का है। धमाकों और आग से भारी मात्रा में धुआँ वायुमंडल में फैल जाएगा, जिससे सूरज की रोशनी पृथ्वी तक पहुँचने से रुक जाएगी और वैश्विक तापमान में तेज़ी से गिरावट आएगी। शोधकर्ता ने वियना में यूरोपियन जियोसाइंसेज यूनियन की बैठक में अपनी स्टडी के नतीजे पेश किए थे। साल 2007 की एक पूर्व स्टडी ने अनुमान लगाया था कि इस न्यूक्लियर विंटर के कारण भुखमरी से 1 अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। इसके अलावा, परमाणु विस्फोट ओजोन परत को भी गंभीर नुकसान पहुँचाएँगे। यह नुकसान अमेरिका और रूस के बीच बड़े परमाणु युद्ध के बराबर होगा। इससे हानिकारक अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें सीधे पृथ्वी तक पहुँचेंगी, जो पौधों और जानवरों दोनों के लिए घातक होंगी। इसका मतलब है कि तापमान सामान्य होने के बाद भी कृषि पैदावार बुरी तरह प्रभावित होगी। शोधकर्ता और उनकी टीम ने पिछली स्टडीज के अनुमानों के आधार पर भारत-पाकिस्तान परमाणु युद्ध का एक विस्तृत मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल से पता चलता है कि उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) इलाकों में हवा के घूमने के विशेष पैटर्न के कारण, भारत-पाकिस्तान परमाणु युद्ध का कचरा वायुमंडल में ज़्यादा ऊँचाई तक जा सकता है और लंबे समय तक टिका रह सकता है। यह कचरा दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी फैलकर वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम पैदा करेगा, जो मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

एयर इंडिया ने टाटा को दिया 55,000 करोड़ का घाटा, कैसे होगा बेड़ापार

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया का एक विमान पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हादसे का शिकार हो गया था। उसके बाद से कंपनी को पिछले एक साल में करीब तीन अरब डॉलर यानी 28,500 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है। इसे देखते हुए टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया को अपने रेकॉर्ड नुकसान को कम करने पर ध्यान देने को कहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के

हवाले से बताया गया है कि एयर इंडिया विमानों की डिलीवरी टालने, उड़ानें कम करने और विस्तार की योजनाओं को आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। रणनीति में यह बदलाव कंपनी की महत्वाकांक्षी विकास योजना से एकदम अलग है। इस कटौती में लागत कम करने के कई प्रयास शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनी एयरबस और बोइंग के साथ बातचीत कर रही है ताकि पहले ऑर्डर किए गए 500 विमानों की डिलीवरी की गति धीमी की जा सके। इससे एयर इंडिया डिलीवरी के समय किए जाने वाले बड़े भुगतान को टाल सकेगी।

एयर इंडिया की चुनौती

एयर इंडिया साथ ही नई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की योजनाओं की भी समीक्षा कर रही है, कुछ रूट कम कर रही है और कुछ हवाई अड्डों पर सेवाएं शुरू करने में देरी कर रही है। इनमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है। एयर इंडिया की कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है जिससे उसे भारी नुकसान हआ है। इस कारण उसे अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर ब्रेक लगाना पड़ रहा है। पिछले साल जून में अहमदाबाद में हुए क्रैश, पाकिस्तान के भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने और ईरान युद्ध के कारण उड़ानें बाधित हुईं, लंबे रूट लेने पड़े और ईंधन का खर्च बढ़ गया। रुपये में गिरावट ने भी उसकी वित्तीय मुश्किलों को बढ़ा दिया क्योंकि एयरलाइन का अधिकांश खर्च डॉलर में होता है। टाटा ग्रुप ने 2022 में एयर इंडिया को खरीदा था। एयर इंडिया को 2022 से अब तक 55,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा हो चुका है। यह नुकसान टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड के लिए चिंता का एक बड़ा विषय है।

‘अब एलन की कोई नेट वर्थ नहीं है, उनकी अपनी जीडीपी है’

जीनियस, गैंबलर या कुछ और... एलन मस्क के ट्रिलियनेयर बनने पर फिर शुरू हुई बहस

नईदिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स लिस्टिंग के बाद कंपनी का शेयर 30 फीसदी तक उछला और इसका मार्केट कैप 2.3 अरब डॉलर पहुंच गया। इसके साथ ही मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर 54 साल के मस्क की नेटवर्थ 1.11 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 490 अरब डॉलर की तेजी आई है। दूर-दूर तक अब कोई उनकी टक्कर में नहीं है।

मस्क की नेटवर्थअमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद अल्फाबेट के को-फाउंडर लैरी पेज की नेटवर्थ से करीब चार गुना है। स्पेसएक्स का आईपीओ 75 अरब डॉलर का था और यह करीब पांच गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी की वैल्यूएशन उसके 2025 के रेवेन्यू से करीब 100 गुना ज्यादा है। कंपनी की 42 फीसदी हिस्सेदारी

मस्क के पास ही रहेगी। मस्क की नेटवर्थ दुनिया के अधिकांश देशों की जीडीपी से अधिक है।

सोशल मीडिया रिएक्शन- मस्क की इस सफलता पर सोशल मीडिया पर भी लोग खूब मजे ले रहे हैं। एक्स पर एक यूजर ने मजाक में कहा, ‘अब एलन की कोई नेट वर्थ नहीं है। उनकी अपनी जीडीपी है।’ इसी तरह एक और यूजर ने कहा, ‘इस समय, जेफ बेजोस असल में मिडिल क्लास हैं।’ केवल 21 देशों की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। मस्क की कामयाबी ने वॉल स्ट्रीट पर फिर इस बहस को जन्म दे दिया कि मस्क एक जीनियस हैं, गैंबलर हैं, या फिर थॉमस एडिसन या आइजक न्यूटन के किसी इंटरनेट ट्रोल से टकराने पर बनी प्रजाति। उनके समर्थक उन्हें एक ऐसे दूरदर्शी के तौर पर देखते हैं जिसने ऑटो इंडस्ट्री में क्रांति ला दी, स्पेस लॉन्च को बदल दिया और साइंस-फिक्शन की कल्पनाओं को बिजनेस प्लान में बदल दिया।

क्या कहते हैं आलोचक- हालांकि आलोचकों का तर्क है कि वे बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन काम कम करते हैं। लेकिन दोनों पक्ष अब एक बात पर सहमत हो सकते हैं कि यह आदमी जानता है कि अपनी हिम्मत और बेबाकी से पैसे कैसे कमाए जाते हैं। दशकों तक दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति बनने का मतलब था तेल के कुओं, बैंकों, रेलमार्गों या सॉफ्वेयर मोनोपॉली पर कंट्रोल। लेकिन इसके उलट मस्क की दौलत इलेक्ट्रिक कारों, रियूज होने वाले रॉकेट, एआई और ब्रेन चिप्स पर

दुनिया में हर व्यक्ति के लिए 122

हर व्यक्ति के हिस्से में करीब 122 आएंगे। आज दुनिया में केवल 21 देशों की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है। अमेरिका 32.38 ट्रिलियन के साथ पहले और चीन20.85 ट्रिलियन के साथ दूसरे नंबर पर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर है। अगर मस्क एक देश होते तो दुनिया की 22वीं बड़ी जीडीपी होते। उनसे आगे अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान, यूके, भारत, फ्रांस, इटली, रूस, ब्राजील, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मेक्सिको, स्पेन, साउथ कोरिया, तुर्की, इंडोनेशिया, नीदरलैंड्स, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और पोलैंड हैं।

सारे एक्सपर्ट्स हो गए फेल, ईरान युद्ध के बीच तेल पर अमेरिका और चीन ने कर दिया बड़ा खेल

● अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो ग्लोबल इकॉनमी तबाह हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य तीन महीने से भी अधिक समय से बंद है। इसे आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि दुनिया का करीब 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। कई दशकों से तेल व्यापारी, एक्सपर्ट्स और एनालिस्ट्स यह चेतावनी देते रहे हैं कि अगर होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो ग्लोबल इकॉनमी तबाह हो जाएगी। इंडस्ट्री ने ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत 200 प्रति बैरल तक पहुंचने का अनुमान लगाया था। लेकिन ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला है। कच्चे तेल की कीमत शुरुआत में जरूर उछली थी लेकिन पिछले कुछ समय से यह लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे बनी हुई है।

कैसे हुई सप्लाई

इन्वेस्टमेंट बैंक पाइपर सैंडलर के ग्लोबल एनर्जी इकनॉमिस्ट और स्ट्रैटेजिस्ट जान स्टुअर्ट का अनुमान है कि मई में होर्मुज जलडमरूमध्य से लगभग 2.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल बाहर निकला। इसमें से लगभग 2.1 मिलियन बैरल उन जहाजों पर लदा था जिन्होंने ईरानी संस्थाओं को टोल का भुगतान किया था। बाकी लगभग 900,000 बैरल घोस्ट ट्रांजिट हैं। यानी ऐसे जहाज जो अंधेरे में ट्रांसपोंडर बंद करके इस जलमार्ग से गुजरे। इस गुप्त सप्लाई के कारण संकट को संभालने का काम एनालिस्ट्स के अनुमानों से कहीं बेहतर ढंग से हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक हर दिन लगभग 4.5 मिलियन बैरल कच्चा तेल दूसरे तरीकों से फारस की खाड़ी से बाहर भेजा गया। इसमे ज्यादातर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए भेजा गया जो सऊदी के तेल क्षेत्रों को लाल सागर के यानबू बंदरगाह से जोड़ती है। यह तरीका होर्मुज स्ट्रेट को बाइपास करता है। लेकिन कच्चे तेल के बाजार में शांति के पीछे गुप्त सप्लाई सबसे बड़ा कारण नहीं है। इससे भी अहम बात यह है कि चीन ने अपना कच्चा तेल इंपोर्ट कम कर दिया है और इसके बजाय अपने बड़े स्टॉक का इस्तेमाल कर रहा है। चीन दुनिया में ऊर्जा के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। उसकी तरफ से कम मांग ने सप्लाई की कमी को कम करने में मदद की है। चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है। वोर्टेक्स लिमिटेड के

फिर घटा विदेशी मुद्रा भंडार, सोने के भंडार में बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट दिखी है। पिछले सप्ताह इसमें गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 938 द्धद्बद्यद्यद्बश्ठ्ठ की बढ़ोतरी हुई थी। हालांकि इस सप्ताह सोने के भंडार में करीब दो अरब डॉलर की बढ़ोतरी दिखी है। लेकिन एफसीए भंडार में काफी गिरावट आने की वजह से ओवरऑल विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार के ऑल टाइम हाई पर था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 05 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 05 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर रह गया है। भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के मूल्य में बढ़ोतरी हुई है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें की कमी आई थी। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का हो गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7% बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली 18 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें कोई घट-बढ़ नहीं हुई थी। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में कोई कमी-बेशी नहीं हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें मामूली गिरावट आई थी। इस समय

30 साल तक दूसरों का काम किया

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन में कुछ करने की तम्मना हो तो उम्र आड़े नहीं आती। अब ईएसई एनर्जी के प्रोमोटर तथा एमडी एंड सीईओ अनिल कुमार चौरसिया को ही देखिए। उन्होंने जीवन में 30 साल तक देश के कई चीनी मिलों में विभिन्न पदों पर काम किया। जब उन्होंने अपनी फैक्ट्री डालने का मन बनाया तब वह सिंभावली शुगर मिल में प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थे। लेकिन पत्नी की प्रेरणा से इस प्रतिष्ठित पद को छोड़ कर अपना काम करने की ठानी। और कहानी बन गए। अनिल का जन्म बिहार में वैशाली जिले के ‘छोटी युसूफपुर’ गांव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई-लिखाई गांव के ही प्राथमिक स्कूल से हुई। उनके गांव में हाई स्कूल नहीं था तो दूसरे गांव के स्कूल में नाम लिखाए और 1983 में मैट्रिक या 10वीं की परीक्षा पास की। उन्हें कोई यह बताने वाला नहीं था कि आगे क्या पढ़ाई करनी है। किसी ने कहा गवर्नमेंट पोलिटेक्निक से डिप्लोमा कर

चाकरी के ‘संध्या’ काल में पत्नी बनीं प्रेरणा, 200 करोड़ की फैक्ट्री डाल दी

लो तो ‘ओवरसियर’ की नौकरी मिल जाएगी। पढ़ने में तो वह बचपन से ही तेज थे। बिहार की पोलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा में बैठ गए और पहले ही प्रयास में पास हो गए। इसके बाद पूर्णिया के गवर्नमेंट पोलिटेक्निक से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई पूरी की।

नौकरी मिलते ही हुई शादी

बिहार में आप चाहे ‘फन्ने खां’ ही क्यों नहीं हों, अच्छी नौकरी नहीं है तो अच्छे घर में शादी नहीं होती। अनिल की नौकरी लगते ही साल 1995 में भागलपुर की संध्या कुमारी से उनकी शादी हो गई। इसके बाद वह तरक्की के लिए कई कंपनी बदले। साल 1999 में मंझौलिया शुगर मिल गए। कुछ साल वहां रहने के बाद 2003 में गोपालगंज शुगर मिल्स ज्वॉइन कर लिया। लेकिन वहां कुछ ही महीने रहे और उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सिंभावली शुगर मिल से आकर्षक ऑफर मिल गया। वहां वे असिस्टेंट मैनेजर के पोस्ट पर ज्वॉइन किए थे और तब तक वहीं नौकरी की, जबकि अपनी फैक्ट्री लगाने का फैसला नहीं कर लिया। जब उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दिया, वह उस कंपनी में ‘प्रेसिडेंट’ के पद पर कार्यरत थे।

पत्नी की प्रेरणा ‘नौकर’ से बने ‘उद्योगपति : *अनिल बताते हैं कि वह अच्छी नौकरी कर रहे थे। बढ़िया वेतन-भत्ते का पैकेज था। लेकिन मन में कहीं न कहीं ‘अपना काम’ शुरू करने की इच्छा दबी थी। इस दबी इच्छा को भड़काया पत्नी संध्या ने। एक तरह से कहिए कि ताना देना शुरू किया कि कब तक दूसरों की नौकरी करोगे अपना काम शुरू करो और सैकड़े लोगों को नौकरी दो। इसके बाद साल 2020 में ईएसएस एनर्जी की नींव पड़ी। पहले सोचा था कि पावर प्लांट लगाएंगे। लेकिन उसी समय सरकार ने इथेनॉल पर बड़ा नीतिगत फैसला किया। यह फैसला था पेट्रोल में अनिवार्य रूप से इथेनॉल ब्लैंडिंग का। इथेनॉल बनाने की प्रक्रिया शुगर इंडस्ट्री से मिलती जुलती है। बस फैसला कर लिया कि इथेनॉल की ही फैक्ट्री लगाएंगे।* जब अनिल ने उद्योगपति बनने का फैसला किया, उस समय बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतिश कुमार राज्य में औद्योगिकरण पर जोर दे रहे थे। उद्योग मंत्री थे सैयद शहनवाज हुसैन। उस समय बिहार की उद्योग नीति और सरकार की प्रोत्साहन योजना उन्हें ठीक लगी।

आरबीआई का बड़ा एक्शन

मोगावीरा सहकारी बैंक से अब सिर्फ 1 लाख ही निकाल सकेंगे ग्राहक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के मोगावीरा सहकारी बैंक की खराब होती वित्तीय स्थिति को देखते हुए उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। बैंक के ग्राहकों और कामकाज को लेकर रिजर्व बैंक ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद से लागू हो गया है और फिलहाल 6 महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। हालांकि, आरबीआई समय-समय पर इसकी समीक्षा करता रहेगा।

पैसे निकालने की सीमा तय: बैंक की मौजूदा नकदी की स्थिति को देखते हुए आरबीआई ने बैंक अकाउंट से पैसे निकालने की लिमिट तय कर दी है। रिजर्व बैंक ने निर्देश दिया है कि अब कोई भी जमाकर्ता अपने बचत खाते, चालू खाते या किसी भी अन्य खाते से अधिकतम 1 लाख रुपये तक ही निकाल सकेगा। बैंक अब किसी भी नए ग्राहक को लोन या उधार मंजूर नहीं कर सकेगा।क

बैंक अपने मौजूदा लोन का रिन्यूअल भी नहीं

कर पाएगा। बैंक किसी भी तरह का नया निवेश नहीं कर सकेगा, न ही कोई नई देनदारी ले सकेगा। इसके अलावा नए डिपॉजिट (जमा) स्वीकार करने पर भी रोक लगा दी गई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और सीनियर मैनेजमेंट के संपर्क में था।

बैंक के इन कामों पर लगी पूरी तरह रोक

आरबीआई के नए निर्देशों के मुताबिक अब यह सहकारी बैंक अगले 6 महीनों तक कई काम नहीं कर पाएगा। आरबीआई ने बैंक के जिन कामों पर रोक लगाई है, वे इस प्रकार हैं। आरबीआई के मुताबिक, बैंक ने कमियों को दूर करने और खाताधारकों के पैसों की रक्षा करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अंततः आरबीआई को यह सख्त कदम उठाना पड़ा।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर! मेडिकल, पेंशन, प्रमोशन और सैलरी पर आया अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसी बीच जम्मू-कश्मीर जनरल लाइन टीचर्स फोरम ने आयोग के समक्ष एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए शिक्षकों और कर्मचारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया है। संगठन ने वेतन विसंगतियों को दूर करने, पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने, मेडिकल भत्ते और बच्चों की शिक्षा भत्ते में बढ़ोतरी जैसी कई मांगें रखी हैं। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। शिक्षकों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में महंगाई लगातार बढ़ी है, लेकिन कर्मचारियों की आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ सकी है। ऐसे में 8वें वेतन आयोग को ऐसा फिटमेंट फैक्टर तय करना चाहिए, जो कर्मचारियों की वास्तविक जरूरतों और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे। फोरम ने सुझाव दिया है कि फिटमेंट फैक्टर 2.0 से अधिक होना चाहिए, ताकि

कर्मचारियों की क्रय शक्ति बढ़े और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। सबसे प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना की बहाली को लेकर की गई है। संगठन का कहना है कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के भविष्य को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। इसलिए या तो फिर से लागू किया जाए या फिर ऐसी गारंटीड पेंशन व्यवस्था लाई जाए, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

फोरम ने साल 2009 के जनरल लाइन शिक्षकों से जुड़ी वेतन विसंगतियों का मुद्दा भी उठाया है। उनका कहना है कि कई मामलों में वरिष्ठ शिक्षकों का वेतन उनके जूनियर कर्मचारियों से कम हो गया है, जो सर्विस नियमों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

इसलिए एकमुश्त प्रक्रिया के माध्यम से इन विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए और सभी लाभ पिछली तारीख से दिए जाने चाहिए।

इसके अलावा साल 2019 बैच के शिक्षकों के लिए दो काल्पनिक वेतन वृद्धि देने की मांग भी रखी गई है। संगठन का मानना है कि इससे वेतन असमानता दूर होगी और प्रभावित शिक्षकों को न्याय मिल सकेगा।

जम्मू-कश्मीर के शिक्षकों ने अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षकों के बराबर वेतन और सर्विस बेनिफिट्स देने की भी डिमांड की है। उनका कहना है कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण माहौल में काम करने के बावजूद उन्हें समान सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

दिव्यांग कर्मचारियों के लिए भी कई सुझाव दिए गए हैं। इनमें दिव्यांग भत्ता और परिवहन भत्ता बढ़ाना, अतिरिक्त मेडिकल सुविधाएं, विशेष अवकाश और टैक्स में राहत शामिल हैं। साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर पेंशन सुरक्षा देने की भी सिफारिश की गई है।

संक्षिप्त

शुरू से ही परफेक्ट रहने की उम्मीद नहीं कर सकते : एंसेलोटी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी के पहले मुकाबले में ब्राजील और मोरक्को के बीच 1-1 से ड्रॉ के बाद ब्राजील के हेड कोच कार्लो एंसेलोटी ने अपनी टीम का बचाव किया। उन्होंने कहा कि किसी भी टीम से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह टूर्नामेंट की शुरुआत बिल्कुल परफेक्ट तरीके से करे।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को न्यू जर्सी में खेले गए इस मैच में मोरक्को की मजबूत चुनौती का सामना करना पड़ा। शुरुआत में ब्राजील का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा और इसका फायदा मोरक्को ने उठाया। इस्माइल साइबारी ने शानदार गोल करके मोरक्को को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई, जिससे ब्राजील की टीम दबाव में नजर आई।

नेशंस कप में दम दिखाने को तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में हो रहे एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 में अपने अभियान की शुरुआत के लिए तैयार है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतकर अगले साल होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग में जगह सुनिश्चित करना है। भारत अपने पूल ए अभियान का आगाज 15 जून को अमेरिका के खिलाफ करेगा, जबकि इसके बाद उसे जापान और उरुग्वे से मुकाबला करना है। आठ देशों की भागीदारी वाले इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच हॉकी प्रो लीग में जगह मिलेगी। खास बात यह है कि भारत इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों के कड़े दौरे के बाद उतर रहा है, जहां उन्होंने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर शानदार जज्बा दिखाया।

नीतीश कुमार रेड्डी ने मां की खातिर रोकी प्रेस कॉन्फ्रेंस

धर्मशाला, एजेंसी। भारतीय टीम ने शनिवार को पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। मैच के बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ ऐसा काम किया, जिसके चलते सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हो रही है। दरअसल, नीतीश प्रेस कॉफ्रेंस में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे, तभी उनकी मां का फोन आ गया। नीतीश ने तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस को बीच में रोकते हुए मां का फोन उठाया और उन्हें 5 मिनट बाद दोबारा फोन करने की बात कही। इसके बाद भारतीय ऑलराउंडर ने पत्रकारों से माफी मांगते हुए कहा कि उनके लिए इस कॉल को उठाना जरूरी था। नीतीश का यह अंदाज सोशल मीडिया पर फैंस को खूब पसंद आया। एक फैन ने नीतीश की तारीफ करते हुए लिखा, "हर खिलाड़ी की जिंदगी की असली कप्तान मां होती है।" एक अन्य फैन ने लिखा, "दुनिया इंतजार कर सकती है, प्राथमिकता मायने रखती है।"

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर 16,000 रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बने

धर्मशाला, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 16000 रन पूरे कर लिए। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सातवे खिलाड़ी बन गये हैं। उनसे पहले भारतीय टीम की ओर से इतने रन पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बनाये थे। रोहित का 16000 पर पहुंचने के लिए केवल 6 रन चाहिये थे। रोहित ने मैच में पहला छक्का लगाते ही ये रिकार्ड बना दिया। वह मैच में 16 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले बतौर सलामी बल्लेबाज उनके नाम 15,994 रन दर्ज थे। रोहित ने अपने 16000 रन अपनी 384वीं अंतरराष्ट्रीय पारी में बनाये हैं।

स्कॉटलैंड ने पहली टी 20 विश्व कप जीत दर्ज की

स्कॉटलैंड का अगला मुक़ाबला 18 जून को लीड्स में वेस्ट इंडीज़ से होगा

- **डकैथरीन और सारा ब्राइस के बीच 106 रन की अहम साझेदारी ने स्कॉटलैंड को एक अच्छा स्कोर बनाने में मदद की**

मैनचेस्टर, एजेंसी।

मैनचेस्टर में ग्रुप बी के शुरुआती मैच में स्कॉटलैंड ने आयरलैंड पर 40 रन की शानदार जीत के साथ अपना पहला महिला टी 20 वर्ल्ड कप मैच जीता। कैथरीन और सारा ब्राइस के बीच 106 रन की अहम साझेदारी ने स्कॉटलैंड को एक अच्छा स्कोर बनाने में मदद की, और फिर कर्स्टी गॉर्डन और कैथरीन फ्रेज़र ने तीन-तीन विकेट लेकर आयरलैंड की बैटिंग लाइन-अप को ध्वस्त कर दिया।

ओल्ड ट्रैफर्ड में बादल छाए हुए थे और सुबह ठंड थी, ऐसे में स्कॉटलैंड को पहले बैटिंग करने को कहा गया। बारिश के कारण आउटफ़ील्ड धीमी थी और स्कॉटलैंड के ओपनर्स को शुरुआत में गेंद को ठीक से हिट करने में संघर्ष करना पड़ा, जिससे उन्हें रन बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। दोनों ओपनर्स को शुरुआत में जीवनदान मिले लेकिन

वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सके और पावरप्ले के दौरान लगातार ओवरों में आउट हो गए, जिससे स्कॉटलैंड का स्कोर 37/2 हो गया।

इसके बाद ब्राइस बहनों ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और कुछ देर संभलकर खेलने के बाद तेज़ी से रन बनाए। आधे ओवरों के बाद खेल की गति में साफ़ तेज़ी आई, जिसमें सारा ब्राइस ने कारा मरे के एक ओवर में 20 रन बनाए। इस साझेदारी ने 100 रन का आंकड़ा पार किया और 16 ओवर के बाद स्कॉटलैंड को 142/2 के मज़बूत स्कोर तक पहुँचाया।

हालाँकि, आयरलैंड ने डेथ ओवर्स में विकेट लेकर वापसी की। सारा ब्राइस 17वें ओवर में अपनी फ़िफ़्टी से एक रन दूर आउट होने वाली पहली खिलाड़ी थीं। इसके बाद आवा कैनिंग ने 19वें ओवर में आइल्सा लिस्टर और कैथरीन ब्राइस दोनों को आउट करके स्कॉटलैंड की रन गति को और धीमा कर दिया। आखिरी चार ओवरों में कोई बाउंड्री नहीं लगी और स्कॉटलैंड का स्कोर 161/5 रहा। बल्लेबाज़ी में सबसे ज़्यादा रन बनाने के बाद, कप्तान कैथरीन ब्राइस ने आयरलैंड के चेज़ की शुरुआत में ही अलाना डलज़ेल का तेज़ रिटर्न कैच पकड़कर उन्हें आउट कर दिया। गैबी लुईस ने चौथे ओवर में गैब्रिएला फोंटेनला के खिलाफ़ तीन बाउंड्री लगाकर पलटवार किया, लेकिन आयरलैंड पावरप्ले में सिर्फ़ 31/1 रन ही बना सका।

स्कॉटलैंड ने दबाव बनाना जारी रखा और उन्हें कामयाबी तब मिली जब आठवें ओवर में फ्रेज़र की गेंद पर लुईस स्टंप हो गईं। इसके बाद एमी हंटर और ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने 30 रन की साझेदारी करके आयरलैंड को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन 12वें ओवर में फ्रेज़र ने हंटर को आउट कर दिया। उस विकेट के बाद आयरलैंड की पारी लड़खड़ा गई; स्कॉटलैंड की टीम में वापसी करने वाली और 2018 के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहीं गॉर्डन ने अगले ही ओवर में तीन विकेट चटका दिए।

प्रेंडरगास्ट और अर्लीन केली ने तेज़ी से 38 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन 17वें ओवर में दूसरा रन लेने के गलत फ़ैसले के कारण प्रेंडरगास्ट अपना विकेट गंवा बैठीं। अगले ओवर में केली भी इसी तरह दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गईं। आख़िरकार आयरलैंड की टीम आखिरी ओवर में 121 रन पर ऑल आउट हो गई।

स्कॉटलैंड का अगला मुक़ाबला 18 जून को लीड्स में वेस्ट इंडीज़ से होगा, जबकि आयरलैंड 16 जून को साउथम्प्टन में मेज़बान इंग्लैंड से भिड़ेगा।

गिल एकदिवसीय में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

धर्मशाला, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में 47 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही शुभमन के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गई है। वह सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह रिकार्ड केवल 62 पारियों में ही पूरा कर दिया। इसी के साथ ही विश्व भर में सबसे तेज 3000 रन एकदिवसीय रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम आमला के नाम दर्ज था।

शुभमन ने इस आंकड़े तक पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। अब तक भारत में सबसे तेज इससे 3000 एकदिवसीय रन बनाने के मामले में धवन पहले ही नंबर पर थे। उन्होंने 72 पारियों में यह

आंकड़ा हासिल किया था। वहीं शुभमन ने केवल 62 पारियों में अपने 3000 रन पूरे करने के मामले में ध्वन को पीछे छोड़ा।

62 पारियों में 3000 रन पूरे कर शुभमन ने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप और पाकिस्तानी खिलाड़ी फखर जमान और इमाम उल हक को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इन तीनों ही खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 67-67 पारियां खेली थीं। अब शुभमन इन सबसे आगे निकल गये हैं। विश्व क्रिकेट में अब केवल दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज हाशिम अमला ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 57 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया था।

फीफा विश्वकप: कतर बनाम स्विट्जरलैंड मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा

फ्रांसिस्को बे, एजेंसी।

मिरो मुहेम के 'ओन गोल' (अपनी ही टीम पर गोल) के कारण फीफा विश्वकप 2026 में ग्रुप बी के मुकाबले में कतर को स्विट्जरलैंड के खिलाफ एक अंक मिला। यह मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। शनिवार दोपहर सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में खेले गये ग्रुप बी मुकाबले की शुरुआत में कतर को गोल करने का मौका मिला था, जब दूसरे मिनट में मैनुअल अकांजी के फिसलने के बाद एडमिलसन जूनियर अकेले आगे बढ़े। विंगर ने अपना शॉट गोलकीपर कोबेल के बहुत करीब मारा। स्विट्जरलैंड का दबदबा होने के बावजूद, उसी खिलाड़ी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले फिर से खतरा पैदा किया, लेकिन कोबेल ने अपने पैर से बचाव किया।

ऐसा लग रहा था कि ब्रेल एम्बोलो की 17वें मिनट की पेनल्टी ही कतर के खिलाफ निर्णायक साबित होगी, जो पहली बार विदेशी

धरती पर वर्ल्ड कप खेल रही थी। लेकिन सब्स्टीट्यूट मुहेम ने बुआलेम खोखी के दबाव में आकर होमाम अहमद के क्रॉस पर हेडर किया और गेंद अपने ही गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल के पीछे गोल में चली गई। स्विट्जरलैंड ने मैच में 26 बार गोल करने का प्रयास किया था।

मैच के बाद कतर टीम के कोच जूलन लोपेटेगुई ने कहा, "यहां होना ही अपने आप में एक ऐतिहासिक बात थी। आज स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ़ एक पॉइंट हासिल करना बहुत अहम है, क्योंकि मेरी नज़र में वे अभी यूरोप की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक हैं। वे बहुत मजबूत टीम हैं।

स्विट्जरलैंड के कोच मुरात याकिन ने कहा, "हमने जिस तरह से खेला, उसके लिए हमें खुद को दोष देने की कोई जरूरत नहीं है। अगर आप आंकड़े देखें, तो आज हमने 26 शॉट लिए, लेकिन हम गोलकीपर को बस वॉर्म-अप ही करा पाए। मुझे लगता है कि हमें अपनी सटीकता और अपने भरोसे पर काम करने की जरूरत है। हमने ठीक वैसा ही खेला जैसा मैंने सोचा था। हमने अच्छे मौके बनाए, लेकिन आखिर में हम उतने सटीक नहीं हो पाए।"

122 पारियों का इंतजार, फिर शेमेन कैम्पबेल ने खेली यादगार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। 'इंतजार का फल मीठा होता है।' इस कहावत का एहसास वेस्टइंडीज की बल्लेबाज शेमेन कैम्पबेल को महिला टी20 विश्व कप 2026 के चौथे मैच में हुआ। 122 पारियों के बाद उनके बल्ले से टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतकीय पारी निकली, जो एकदम सही समय पर आई। डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज को मिली 7 विकेट से जीत में कैम्पबेल का अहम योगदान रहा। न्यूजीलैंड से मिले 163 रनों के लक्ष्य को कैरेबियाई टीम ने 19.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। कियाना जोसेफ (2 रन) के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरीं कैम्पबेल अंत तक मैदान पर डटी रहीं और टीम को जीत दिलाकर लौटीं। उन्होंने 62 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 90 रनों की दमदार पारी खेली। यह कैम्पबेल के टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला अर्धशतक रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से हराया

- **ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 172 रन का मजबूत स्कोर बनाया**

मैनचेस्टर, एजेंसी।

फ़ीबी लिचफ़ील्ड (50) के अर्धशतक और जॉर्जिया वेयरहम (32 रन और तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को शनिवार को महिला टी 20 विश्व कप के मुकाबले में 65 रन से हरा दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 172 रन का मजबूत स्कोर बनाया और दक्षिण अफ्रीका को 16.4 ओवर में मात्र 107 रन पर समेट दिया। जॉर्जिया वेयरहम को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान लॉरा वुलफ़ार्ट (44) को छोड़कर दक्षिण अफ्रीका का कोई बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं सका।

ऑस्ट्रेलिया की रणनीति एकदम सही रही। भले ही यह मैदान लक्ष्य का पीछा करने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन उन्होंने पहले

बल्लेबाज़ी करने का फ़ैसला किया। उन्हें पता था कि मैच आगे बढ़ने के साथ पिच धीमी हो जाएगी और उन्हें बाद में गेंदबाज़ी करनी होगी। बल्लेबाज़ी में उनके सकारात्मक इरादे का फ़ायदा मिला और वे दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाने में कामयाब रहीं।

जवाब में, दक्षिण अफ्रीका की टीम कभी भी लय नहीं बना पाई। शुरुआती विकेट गिरने से वे दबाव में आ गए और नादिन डी क्लर्क को चौथे नंबर पर भेजने का फ़ैसला भी काम नहीं आया, जिससे उन्हें वह तेज़ी नहीं मिल पाई जिसकी उन्हें तलाश थी। लॉरा वुलफ़ार्ट 14वें ओवर तक एक छोर संभाले रहीं, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी नियंत्रण में नहीं दिखीं। उनके आउट होते ही पारी तेज़ी से लड़खड़ा गई और दक्षिण अफ्रीका ने महज़ 25 रन पर अपने आख़िरी 7 विकेट गंवा दिए।

ऑस्ट्रेलिया को पिच के धीमे होने का अंदाज़ा था और उनके स्पिनरों ने इसका बख़ूबी फ़ायदा उठाया। जॉर्जिया वेयरहम ने 13 रन देकर 3 विकेट लिए और शानदार प्रदर्शन किया, जबकि अलाना किंग और कप्तान सोफी मोलिनक्स ने दो-दो विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा।

हैती को हराकर स्कॉटलैंड ने 36 साल बाद विश्वकप जीत दर्ज की

बोस्टन, एजेंसी। स्कॉटलैंड की फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-सी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए हैती को हराते हुए 3 अंक हासिल किए। यह विश्वकप इतिहास में स्कॉटलैंड की 36 सालों में पहली जीत है। स्कॉटलैंड ने शानदार शुरुआत की और मैच के 17वें मिनट में स्कॉट मैकटोमिनी द्वारा मारी गई किक पर गेंद गोलपोस्ट से टकराई। जॉन मैकगिन ने 28वें मिनट में गोल दाग कर स्कॉटलैंड को सफलता और बढ़त दिला दी। पहले हाफ में एक गोल से पिछड़ने के बाद हैती ने स्कॉटलैंड के लिए कुछ मुश्किलें खड़ी कीं। हैती ने कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन वह बराबरी करने में विफल रहे। जॉन मैकगिन ने पहले हाफ 28वें मिनट में किया गया गोल अंततः निर्णायक साबित हुआ।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए 32 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रविवार को 32 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम में 22 पुरुष और 10 महिला एथलीट शामिल हैं।

टीम में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता एवं स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शामिल हैं। इसके अलावा एथलीट अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह, गुलवीर सिंह, तेजस शिरसे सहित कई खिलाड़ी शामिल हैं।

भारतीय पुरुष एथलीट में गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेश कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5000 मीटर/10,000 मीटर), तेजस अशोक शिर्से (110 मीटर बाधा दौड़), यशस पी और संतोष कुमार तमिलारसन (400 मीटर बाधा दौड़), सर्वेश अनिल कुशारे और आदर्श राम जे (ऊंची कूद), देव मीणा और कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), श्रीशंकर एम और लोकेश सत्यानाथन (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल और तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह (भाला फेंक), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन/ ऊंची कूद), विशाल टीके और राजेश रमेश (400 मीटर और 4x400 मीटर रिले) शामिल हैं।

महिला एथलीट में पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर), पूजा (ऊंची कूद), मनप्रीत कौर (शॉट पुट), सीमा और निधि रानी (डिस्कस थ्रो), रवीना और प्रियंका (10,000 मीटर रेस वॉक), अंसा बाबू, रशदीप कौर और नीरू पाठक (4x400 मीटर रिले स्पर्धा) को चुना गया है।

मुंबई फाल्कन्स ने जीता टी20 मुंबई महिला लीग का खिताब

- **सिमरन शेख ने 35 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 50 रन बनाया**

मुंबई, एजेंसी।

सोबो मुंबई फाल्कन्स ने शनिवार को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स को 25 रनों से हराकर नुवामा प्राइवेट टी20 मुंबई महिला लीग का उद्घाटन खिताब जीत लिया। कप्तान सयाली सतघरे के नेतृत्व में, फाल्कन्स ने अनुशासित गेंदबाजी के साथ 124 के मामूली स्कोर का बचाव किया और प्रतियोगिता का पहला चैंपियन बन गया।

टाइगर्स ने 37 के स्कोर पर कप्तान हुमैरा काज़ी (23) को खोने से पहले तेजी से पीछा करना शुरू कर दिया। इस सफलता ने फाल्कन्स के लिए दरवाजा खोल दिया,

जिन्होंने जान्हवी केट के निर्णायक स्पैल के माध्यम से नियंत्रण हासिल कर लिया।

जान्हवी ने सबसे पहले टूर्नामेंट की अग्रणी रन-स्कोरर सानिका चाल्के को 18 रन पर आउट किया और फिर अपने अगले ओवर में फातिमा जाफ़र को आउट किया, जिससे टाइगर्स तत्काल दबाव में आ गए। सेजल राउत ने 23 रन बनाकर लक्ष्य को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया, लेकिन जान्हवी ने अपना तीसरा विकेट लेने के लिए वापसी की, जिससे टाइगर्स का स्कोर 78/4 हो गया।

वहां से फाल्कन्स ने प्रतियोगिता पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। टाइगर्स का मध्य और निचला क्रम कोई सार्थक साझेदारी बनाने में विफल रहा, शेष बल्लेबाजों में से कोई भी दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाया क्योंकि वे 18.5 ओवर में 99 रन पर आउट हो गए।

जान्हवी ने 3/21 के प्रभावशाली आंकड़े के साथ समापन किया, जबकि 13 वर्षीय स्वरा जाधव ने दो विकेट लेकर टूर्नामेंट में अपनी उत्कृष्ट वापसी जारी रखी। सयाली, निर्मिति राणे और अक्षय शिंदे ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले, फाल्कन्स ने कुछ शुरुआती झटकों से उबरते हुए अपने 20 ओवरों में 124/6 का स्कोर बनाया। बोर्ड पर केवल 22 रन पर दोनों सलामी बल्लेबाजों को खोने के बाद, सिमरन शेख ने 35 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 50 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। उन्हें सारिका कोली से बहुमूल्य समर्थन मिला, जिन्होंने 24 रन का योगदान दिया, जबकि कप्तान सयाली ने 27 रन जोड़े।

टाइगर्स के लिए, रितिका यादव 3/22 के आंकड़े के साथ असाधारण गेंदबाज थीं, जबकि मनाली दक्षिणी और हुमैरा ने एक-एक विकेट लिया।

फीफा वर्ल्ड कप | **तकनीकी खराबी के कारण नहीं दिखा एनिमेशन ग्राफिक**

वीएआर विवाद को लेकर फीफा ने दी सफाई

सांता क्लारा, एजेंसी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्विट्जरलैंड और कतर के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) से जुड़ा विवाद चर्चा का विषय बन गया। इस विवाद को लेकर फीफा ने आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि एक छोटी तकनीकी गड़बड़ी के कारण टीवी प्रसारण में ऑफसाइड से जुड़ा 3डी एनिमेशन नहीं दिखाया जा सका, लेकिन इससे वीएआर की प्रक्रिया या रेफरी के फैसले पर कोई असर नहीं पड़ा।

यह घटना मैच के 14वें मिनट में हुई, जब कतर के गोलकीपर महमूद अबुनाडा ने स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी रेमो फ्र्यूलर पर फाउल

किया, तो स्विट्जरलैंड को पेनल्टी किक मिली। हालांकि, वीडियो रिप्ले में ऐसा लग रहा था कि फाउल से पहले फ्र्यूलर ऑफसाइड हो सकते हैं, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) ने प्ले चेक किया और अपने फैसले में पेनल्टी को सही करार दिया।

हालांकि, रिप्ले देखने के बाद कई दर्शकों और विशेषज्ञों को लगा कि फाउल होने से पहले फ्र्यूलर ऑफसाइड स्थिति में हो सकते थे। आमतौर पर ऐसे मामलों में वीएआर जांच के बाद टीवी पर सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड तकनीक का 3डी एनिमेशन दिखाया जाता है, जिससे दर्शकों को फैसला समझने में आसानी होती है। मगर इस बार वह ग्राफिक स्क्रीन पर दिखाई नहीं दिया।

यही कारण था कि सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे और कई फुटबॉल विशेषज्ञों ने भी फीफा की आलोचना की। इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर और प्रसिद्ध टीवी विश्लेषक गैरी नेविल ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि विवादित फैसले से जुड़ा दृश्य सार्वजनिक रूप से दिखाया जाना चाहिए था ताकि पारदर्शिता बनी रहे। बढ़ते विवाद के बीच फीफा ने सफाई देते हुए कहा, "14वें मिनट में स्विट्जरलैंड को मिली पेनल्टी से पहले एक छोटी सी तकनीकी खराबी की वजह से ऑनसाइड एनिमेशन ग्राफिक नहीं बन पाया। इस दिक्कत को जल्दी ठीक कर लिया गया। इस दिक्कत से वीएआर के कार्यप्रवाह पर कोई असर नहीं पड़ा और मैदान पर लिए गए फैसले को चेक करने के लिए नॉर्मल तरीके को फॉलो किया गया।"

फीफा मीडिया ने एक पब्लिक रिलीज में कहा, "वीएआर ने संबंधित खिलाड़ियों की पोजिशन चेक करने के लिए जिन लाइनों का इस्तेमाल किया, उनमें पेनल्टी के फैसले से ठीक पहले दोनों में से किसी भी स्थिति में अटैकिंग खिलाड़ी को ऑफसाइड पोजिशन में नहीं दिखाया गया।" इस मुकाबले में कतर की टीम विदेशी धरती पर अपना पहला प्वाइंट अर्जित करने में सफल रही। दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा।

केंद्र ने जयपुर पोलो ग्राउंड को सरकारी जमीन घोषित करने का नोटिस लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी।

आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को दिल्ली रेस क्लब के पास स्थित जयपुर पोलो ग्राउंड में एक सार्वजनिक नोटिस लगाया, जिसमें 15 एकड़ से अधिक के इस भूखंड को सरकारी भूमि घोषित किया गया।

न्यायिक फैसले के एक दिन बाद जारी किए गए इस नोटिस में अनधिकृत कब्जे के खिलाफ चेतावनी भी दी गई है। पोलो ग्राउंड का कब्जा वापस लेने की यह कार्रवाई केंद्र सरकार और इंडियन पोलो एसोसिएशन (आईपीए) में जारी विवाद के बीच हुई है। आईपीए ही इस ग्राउंड का प्रबंधन करता है और यह जमीन राजधानी के बीचों-बीच स्थित है।

शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट के वेकेशन जज धीरेंद्र राणा ने कहा कि अदालत सरकार द्वारा 20 मई को जयपुर पोलो ग्राउंड को खाली करने के आदेश के अमल पर रोक लगाने के पक्ष में नहीं है।

अदालत ने कहा, "जहां तक सुनवाई की अगली तारीख तक विवादित आदेश के अमल पर रोक लगाने की बात है, तो मैं इस अनुरोध को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हूं। इसी तरह का अनुरोध प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पीएचसी और दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष भी किया गया था और अपीलकर्ता को कोई राहत नहीं दी गई थी। इसलिए, न्यायिक अनुशासन और औचित्य को ध्यान में रखते हुए, मैं अगली तारीख तक भी विवादित आदेश के अमल पर रोक लगाने के पक्ष में नहीं हूं।

इन गर्मियों में आम को मत भूल जाइए!

ऋतुओं के देश भारत की विशेषता है कि यहां पर हर ऋतु के अनुकूल फल प्रकृति उपलब्ध कराती है। गर्मी में आवश्यकता के अनुरूप रसीले फलों की प्रचुरता रहती है। इन्हीं रसीले फलों के बीच सजता है फलों का राजा रसीला आम। आम आम और खास सभी का फल है।

आम का वैज्ञानिक नाम मैंजीफेरा इण्डिका एल है। आम की गणना भारत के प्रचीनतम फलों में की जाती है। इस बात का पर्याप्त प्रमाण मिलता है कि आम के विषय में लोगों को छः हजार वर्ष से इसकी उपजाई जाने वाली प्रजातियों के विषय में जानकारी थी।

भारत में आम का महत्व केवल एक स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक फल के रूप में ही नहीं किया जाता अपितु प्राचीनकाल से ही आम का वृक्ष भारतीय संस्कृति, धर्म, सौंदर्य, शैक्षिक एवं आर्थिक जीवन से जुड़ा रहा है। धार्मिक ग्रंथों में आम ब्रहम का रूपांतर माना जाता है। आम की पत्तियां धार्मिक कामों, पुण्य और सरस्वती एवं शिव की पूजा अर्जना और सूखी टहनियां हवन की पवित्र अग्नि को प्रज्जवलित करने के लिए प्रयोग में लायी जाती हैं। वाल्मीकि रामायण, रामचरित मानस, महाकवि कालिदास द्वारा विरचित मेघदूत आदि अनेक धार्मिक ग्रंथो में कई स्थानों पर इसका उल्लेख मिलता है। आम के प्रदत्त महत्व का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्राचीन कलात्मक कृतियों अजंता–एलोरा की गुफाओं और बौद्धस्तम्भों में चित्रकारी में महत्व दिया गया है।

मध्यकालीन युग में भी आम की लोकप्रियता का उल्लेख मिलता है। मुगल बादशाह अकबर ने बिहार के दरभंगा में आम का एक बाग लगवाया था जिसमें एक लाख वृक्ष लगाये गये थे। वह एक लाख बाग के नाम से अभी भी जाना जाता है। आइने अकबरी नामक ग्रंथ में आम की किस्मों तथा उनके गुणों का विस्तृत वर्णन मिलता है।

आम की खेती लगभग पूरे भारत में की जाती है। उत्तर प्रदेश आम का सर्वाधिक उत्पादक प्रान्त है। भारत में सभी फलों के अंतर्गत क्षेत्रफल का लगभग 42 प्रतिशत योगदान आम का ही है। उत्तर प्रदेश का मलिहाबाद क्षेत्र आम के लिए विख्यात है। यहां के आम विदेशों के लिए भेजे जाते हैं। यह आम अमेरिका से दुबई तक जाते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार से भी अधिक किस्में उपजाई जाती हैं। परन्तु उत्तर प्रदेश में वर्तमान में उपजाई जाने वाली कुछ मुख्य किस्में बम्बई, लंगड़ा, गौरजीत, ब्राइड ऑफ राशा, दशहरी, सफेदा, लखनऊ सफेदा, सफेदा जौहरी (मलिहाबाद), हुस्न आरा रातौल (मध्यऋतु), समर बहिश्त, चौसा फजरी, तैमूरिया सहित कई प्रकार की किस्में हैं। आम की फसल में बनारसी लंगड़े की कहानी तो कुछ और ही है।

आम स्वादिष्ट होने के साथ–साथ पौष्टिक गुणों से भी भरपूर होता है। कच्चे आम में विटामिन–सी का बाहुल्य होता है तथा पके फल में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में होता है। आम कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा, खनिज लवणों का एक अच्छा स्रोत है।

फल प्रसंस्करण द्वारा कच्चे तथा पक्के दोनों ही आमों को फसल के बाद खाने के लिए संरक्षित किया जाता है। कच्चे आम को सुखाकर मचूर, पना, खटाई, अचार, मुरब्बा आदि बनाया जाता है। कच्चे आम की फांकों को नमक की सहायता से संरक्षित करके न केवल देश में प्रयोग किया जाता है वरन् विदेशों तक को निर्यात किया जाता है।

पके फलों को खाने के अलावा डिब्बों में फांकों व गूदों के रूप में कैंनिंग करके जूस, नेक्टर, स्कवैश, जैम, चटनी, अमावट, सिरका, वाइन आदि बनाने में किया जाता है। आम का फल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद माना गया है।

पीले या धब्बे युक्त दांतों से कैसे निजात पाएं

चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, रैड वाइन तथा हल्दी और मसालों से भरपूर हमारे भारतीय भोजन के लम्बे समय तक सेवन की वजह से कई लोगों के दांत पीले पड़ जाते हैं या उन पर दाग–धब्बे पडने़ लगते हैं। धूम्रपान करने वाले जान लें कि नियमित धूम्रपान से दांतों के इनैमल (दांत की ऊपरी परत) पर दाग पड़ जाते हैं और मसूढ़ों को भी क्षति पहुंचती है। यदि आप सफेद दांत चाहते हैं तो आपके पास कई विकल्प हैं।

दांतों को सफेद करने वाले तत्वों से भरपूर टूथपेस्ट, जैल एवं हल्के एप्लीकेटर सरलता से उपलब्ध हैं परन्तु यदि आप अधिक सुधार चाहते हैं तो अपने डैंटिंस्ट से ट्रीटमैंट ले सकते हैं। डैंटल ऑफिस प्रोसीकार्स के परिणाम तेजी से मिलते हैं जो टूथ ब्लीचिंग की सबसे सुरक्षित विधि है। मसूढ़ों तथा दांतों की संवेदनशीलता को सरलता से गाढ़े पैरोक्साइड जैल, पोटाशियम नाइट्रेट तथा फ्लोराइड डीसैंसिटाइजर के इस्तेमाल से नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आपके दांतों की रंगत कुदरती रूप से खराब है तो आपके लिए बढिय़ा उपाय बांड़िंग रेसिन्स तथा टूथ विनीर्स हैं। इन उत्पादों को आसपास के दांतों जैसी रंगत देकर दांतों को एक समान बनाया जा सकता है।

कैविटीज तथा खंडित दांत

कई लोगों के दांतों में कैविटीज हो जाती हैं जिनका उपचार भी करवाया जाता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया दांतों की सतह पर एक परत तैयार करते रहते हैं। यही परत प्लाक बन जाती है जो शूगर को एसिड में बदल देती है। इससे इनैमल को क्षति पहुंचती है और दांतों में कैविटीज बन जाती हैं। दांतों को और नुक्सान पहुंचने से बचाने के लिए डैंटिस्ट प्लाक को हटा देते हैं और कैविटी वाली जगह पर फिलिंग कर देते हैं।

अगर आप दांतों में कई सारी कैविटीज भरवा चुके हैं तो हो सकता है कि अब तक आपका मुंह धातु से भर चुका हो क्योंकि पहले अधिकतर डैंटिस्ट्स चांदी या सोने को फिलिंग के लिए इस्तेमाल किया करते थे। धातु की इन फिलिंग्स का एक नुक्सान है कि ये सफेद दांतों के बीच साफ दिखाई देते हैं। अच्छी बात है कि अब कम्पोजिट, सैरेमिक तथा एक्रेलिक फिलिंग मैटीरियल आने लगे हैं जो देखने में अच्छे लगते हैं। कम्पोजिट रेसिन्स का इस्तेमाल कटे-फटे दांतों के इलाज में बांड़िंग मैटीरियल के तौर पर होता है। सैरेमिक का इस्तेमाल टूथ क्राऊन प्रोडक्शन के लिए किया जाता है क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है। क्राऊन्स उन दांतों के लिए जरूरी हैं जिन्हें गम्भीर क्षति पहुंची हो।

टेढ़े–मेढ़े एवं अंतर वाले दांत

कितना भी आप दांतों का ख्याल रखें। बढ़ती उम्र के साथ दांत अपनी जगह से हिलने लगते हैं। दांत टेढ़े-मेढ़े हों या उनमें अंतर होने से मुस्कराहट अच्छी नहीं लगती। ऐसे दांतों के इलाज में बांड़िंग का इस्तेमाल करके खाली जगह को भरा जा सकता है या असमान दांतों को एक समान बना कर मुस्कराहट को सुंदर बनाया जा सकता है। इसके लिए पोर्सलिन विनीर का भी प्रयोग किया जाता है।

कई लोग उभरे दांतों को सीधा करने के लिए ब्रेसस लगवाते थे। पुराने ब्रेसस आज भी आर्थोडोंटिस्ट्स एवं डैटिंस्ट्स के पास मिल जाते हैं परन्तु अब यही ब्रेसिस कई तरह के रंगों तथा पारदर्शी भी आते हैं। दांतों को सीधा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे नए ब्रेसिस को दांतों के अंदर की तरफ पहना जा सकता है। अब ऐसी एक्रिलिक ट्रे भी आती हैं जो दांतों को धीरे-धीरे सीधा कर देती हैं। इन्हें उस समय पहना जा सकता है जब आप अपने दैनिक कामों में व्यस्त न हों।

क्षय होते या टूटे दांत

यदि आपके दांत इस कदर खराब हो चुके हैं कि उनका इलाज सम्भव नहीं है तो भी आपके पास विकल्प हैं। टूटे दांत या अत्यधिक क्षतिग्रस्त दांतों के स्थान पर नकली दांत या डैंचर्स लगवाए जा सकते हैं। यदि आपके दांतों की खराबी मसूढ़ों तक पहुंच चुकी है तो आपके लिए नकली दांत ही स्थायी हल साबित होंगे जो देखने में भी बेहद सुंदर होते हैं।

डैंचर्स अधिक किफायती हैं तथा इन दिनों इम्प्लांट का सहारा देकर उन्हें अधिक आरामदेह बनाया जा सकता है।

ये हैं दांतों के लिए बढिय़ा

पनीर – पनीर थूक के स्राव को बढ़ाता है और इसे एक एंटी कैविटी एजैंट कहा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार पनीर प्लॉक एसिड को न्यूट्रलाइज करने में भी सहायता करता है।

सेब – फाइबर से भरपूर यह फल आपके दांतों के लिए एक प्राकृतिक क्लींजर का काम करता है। साथ ही यह शूगर के प्रभावों को कम करने में भी सहायक होता है क्योंकि इसमें जल की मात्रा अधिक होती है।

गाजर –यह विटामिन ए का सर्वश्रेष्ठ स्रोत है। यह दांतों पर एनेमल के निर्माण में सहायता करती है और इस तरह दांतों को स्टेनिंग तथा सैंसिटिविटी से बचाती है।

दूध –शूगर स्वीटन्ड फूड्स के सेवन के बाद एक गिलास दूध पीने से मुंह में एसिड के स्तर को कम किया जा सकता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो बढ़ते बच्चों के दांतों को ताकतवर बनाने में सहायता करता है। प्लॉक बैक्टीरिया द्वारा पैदा किए जाने वाले एसिड को न्यूट्रलाइज करने में भी दूध बहुत सहायक है परन्तु दूध पीने के बाद अपने मुंह को अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है।

खुशबू से उपचार करने की पद्धति एरोमाथेरेपी

अक्सर तकलीफ देह बीमारियों का उपचार भी तकलीफदेह ढंग से होता है पर ऐरोमाथेरेपी आपको सुई और कड़वी दवाइयों के झंझट से निजात दिला सकती है। ऐरोमा का अर्थ है खुशबू तथा थेरेपी से अभिप्राय उपचार से है। ऐरोमाथेरेपी उपचार की वह पद्धति है जिसमें खुशबू के द्वारा अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

ऐरोमाथेरेपी जड़ी-बूटियों व पौधों की उपचार पद्धति है। इसमें रोगों के निदान के लिए पौधों के तनों, जड़ों, फूलों, पत्तों आदि से निकाले गए अर्क जिसे ऐसेन्शियल आयल कहते हैं का प्रयोग किया जाता है। सभी प्रकार की त्वचा और बालों में प्रयोग हो सकने वाले ये तेल बिल्कुल चिपचिपे नहीं होते।

ऐसेन्शियल आयल्स का प्रयोग व्यवसायों में भी होता है। लगभग तीन सौ किस्म के ऐसेन्शियल आयल्स को त्वचा संबंधी या अन्य उत्पाद बनाने वाले उद्योगों में इस्तेमाल किया जाता है। घार

पर ही छोटी मोटी बीमारियों के निदान के लिए दस-पन्द्रह प्रकार के तेल ही मुख्य होते हैं। प्रत्येक ऐसिन्शियल आयल की खुशबू का अहसास ही इलाज होता है। प्रत्येक खुशबू से सीधे हमारा मस्तिष्क प्रभावित होता है, हर तेल में एक विशेष प्रकार की उपचारिक शक्ति होती है, जिसके द्वारा पूर्ण रूप से पवित्र व प्राकृतिक उपचार होता है।

घर में प्रयोग किए जा सकने वाले तेल विभिन्न प्रकार से इस्तेमाल किए जा सकते हैं जैसे मालिश में, नहाने के पानी में या भाप के पानी में आदि। शरीर से दूषित पदार्थों के निष्कासन में ये तेल बहुत उपयोगी होते हैं जैसे एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टिरयिल, एंटीफंगस, एंटी न्यूरालाजिक, एंटी डिपरेसेन्ट, रक्टी, रूमेटिक, डियोडराइजिंग आदि।

ऐसेन्शियल आयल को भाप विधि के द्वारा निकाला जाता है। जैसे लैवे.डर के लगभग एक सौ किलो पौधे से लगभग तीन किलो तेल प्राप्त किया जा सकता है। इसी प्रकार लगभग साठ हजार गुलाब के फूलों से प्राप्त तेल लगभग एक आऊंस होगा। इन ऐसेन्शियल तेलों का प्रयोग सदैव बेस आयल के साथ मिलाकर किया जाता है, विभिन्न प्रकार के तेलों को बेस आयल के रूप में लिया जा सकता है जैसे वेजीटेबल आयल, ऐप्रीकाट आयल मीठा बादाम तेल आदि। ऐसोन्शियल आयल की मात्रा के अनुसार बेस आयल की मात्रा भी बदलती रहती है। जैसे 1 बूंद ऐसेन्शियन आयल में एक मिली बेस आयल, चार से दस बूंद में दस मिली बेस आयल और छह से पन्द्रह बूंद में पन्द्रह मिली बेस आयल का प्रयोग किया जाता है। मालिश और ऐरोमाथेरेपी में घनिष्ठ संबंध है। त्वचा द्वारा ऐसेन्शियल आयल के शीघ्र अवशोषण हेतु मसाज बहुत जरूरी है चूंकि एक्यूप्रेशर व रिफ्लेक्सीलॉजी का भी ऐरोमाथेरेपी से संबंध है, इसलिए मालिश करते समय बिन्दुओं के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी में अनेक ऐसी छोटी-छोटी बीमारियां होती हैं, जिनके समाधान के लिए ऐरोमाथेरेपी उपयोगी साबित हो सकती है। जैसे- पेट के ऊपरी भाग में दर्द की स्थिति में तीन बूंदें पिपरमेन्ट आयल, दो बूंदें क्लोव आयल तथा एक बूंद यूकेलिप्टस आयल के मिश्रण में एक चम्मच वेजीटेबल आयल मिलाकर मालिश करने से लाभ होता है। दर्द यदि पेट के निचले हिस्से में हो तो दो बूंद जिरेनियम आयल, दो बूंद रोजमेरी आयल व एक बूंद जिंजर आयल में एक चम्मच वेजीटेबल आयल डालकर दर्द वाले भाग पर हल्के हाथ की मालिश की जा सकती है। गर्मियों में नकसीर फूटना या नाक से खून आना एक आम समस्या है। इसके लिए पीठ के बल सीधे लेट जाएं और एक टिशु पेपर पर एक बूंद साइप्रस आयल, एक बूंद लेवेन्डर आयल, दो बूंद लेमन आयल व एक बूंद रोज आयल डालकर सूंघने से राहत मिलेगी। छोटे-मोटे साधारण घाव व फोड़े फुन्सियों के उपचार के लिए दो बूंद लैवेन्डर आयल, एक बूंद कैमोमाइल आयल व एक बूंद टी ट्री आयल के मिश्रण को एक कप गुनगने पानी में मिला कर दिन में दो बार घाव को धोएं। घाव या फुन्सी को धूल-मिट्टी से जरूर बचाएं।

गुदा का फिशर होने पर दो लीटर गुनगुने पानी में पांच बूंदें लेवेण्डर, दो बूंदें जिरोनियम व दो बूंदें लेमन आयल डालकर गुदा वाले भाग को धोएं। उसके बाद ये सभी ऐसेन्शियल आयल ऐलीवीराजेल में मिलाकर प्रभावित भाग के चारों ओर मालिश करें। घर में भारी सामान उठाते समय, नृत्य या व्यायाम करते समय हाथ या पैरों की मांसपेशियां खिंच जाने से हाथ या पैर में मोच आ सकती है। ऐसी स्थिति में किसी भी बेस आयल की तीस मि0ग्रा0 मात्रा लेकर उसमें पांच बूंद ब्लैक पेपर आयल, पन्द्रह बूंद यूकेलिप्टस आयल, पांच बूंद जिंजर आयल व नट मेग आयल मिलाकर दिन में तीन बार मालिश करें।

भांग से पड़ सकता है पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर असर

अपने तरह के एक बड़े अध्ययन में दावा किया गया है कि भांग का सेवन करने वाले पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है क्योंकि इससे उनके शुक्राणुओं का आकार प्रभावित होता है।

शैफील्ड और मैनचेस्टर विश्वविद्यालयों के एक अनुसंधान दल ने यह पता लगाने की कोशिश की कि जीवनशैली से जुड़े कारक शुक्राणुओं के आकार को किस तरह प्रभावित करते हैं।

उन्होंने पाया कि गर्मी के महीनों में स्खलित वीर्य के शुक्राणुओं का आकार अच्छा नहीं था लेकिन जिन पुरुषों की यौन गतिविधि 6 दिन से अधिक समय बाद हुई, उनके शुक्राणुओं का आकार बेहतर था। स्मोकिंग, शराब पीने और नशीले पदार्थों के सेवन का भी असर शुक्राणुओं पर देखा गया। ब्रिटेन के करीब 14 प्रजनन केंद्रों में आए 2,249 लोगों से बातचीत के आधार पर किए गए इस अध्ययन के नतीजे ह्यूमन रीप्रॉडक्शन जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। शैफील्ड विश्वविद्यालय में एंड्रोलॉजी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एलन पेसी ने कहा, हमारे आंकड़े सुझाव देते हैं कि भांग का सेवन करने वाले अगर परिवार शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उनको इसका उपयोग बंद कर देना चाहिए। प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि असामान्य आकार की वजह से शुक्राणु कम असरदार हो जाते हैं।

गर्मी में तरावट देने वाला सेहतमंद फल संतरा

मीठा रस भरा संतरा बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी अच्छा लगता है। इसका वानस्पतिक नाम चित्तुस रेतिकुलाता ब्लेंकों है। यह आरेकासी परिवार का सदस्य है। संतरे का वृक्ष मध्यम आकार का झाड़ीनुमा तथा कांटेदार वृक्ष होता है। यह उष्ण कटिबंधीय वातावरण में उगता है। इसके पत्ते, छोटे, गोल-बेलनाकार तथा छोटे डंठलवाले होते हैं। कच्चा फल हरा होता है जबकि पकने पर पीला, नारंगी, मीठा एवं रसवाला हो जाता है। इसका फल एक चिकने व सख्त छिलके के अंदर सुरक्षित रहता है। रस और गूदा विभिन्न फाड़ियों के रूप में पतली सी झिल्ली में होता है।

यों तो संतरा एक मौसमी फल है परन्तु यह सारे देश में

आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसकी पैदावार नागपुर, असम में सिलहट और उत्तर प्रदेश के पहाड़ी भागों में अधिक होती है। नागपुर का संतरा अपने स्वाद के लिए बहुत प्रसिद्ध है। कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी विभिन्न किस्में पैदा करके इसे विभिन्न जलवायु के अनुकूल बना लिया है।

संतरा बहुत उपयोगी फल है। गर्मी में तो इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है क्योंकि इससे उष्णता शांत होती है। आयुर्वेद के अनुसार संतरा वातनाशक, तृषाशामक, दाह, ज्वर एवं हृदय विकार को दूर करने वाला होता है। यह मुंह की दुर्गंध दूर करता है। इससे कब्ज भी दूर होती है। इसमें लगभग 87.4 प्रतिशत पानी, 10.5 प्रतिशत कार्बिनक पदार्थ, 0.1 प्रतिशत प्रोटीन और 0.3 प्रतिशत वसा होता है। यह फल विटामिन सी का भंडार होता है।

गर्मियों में बार-बार प्यास लगने पर पके संतरे का ताजा फाड़ियों को चूसने से प्यास शांत होती है। जी मिचलाने और उल्टी होने पर भी संतरे की ताजा फाड़ियों को चूसना लाभकर होता है। बुखार में जब रोगी को बेचैनी होती है, बार-बार प्यास लगती है, मुंह सूख जाता है तो रोगी को मीठे संतरे की फाड़ियों चूसने को दें। इससे रोगी तृप्त एवं शांत होता है। बुखार एवं खांसी में आराम के लिए मीठे संतरे के गूदे में शक्कर या चीनी डालकर गर्म करके रोगी को खिलाएं। परन्तु ध्यान रखें कि संतरा मीठा ही हो क्योंकि खट्टे संतरे के ज्यादा सेवन से कफ विकार हो जाता है।

पायरिया के कारण यदि मसूढ़े फूल जाएं तथा उनमें सड़न के कारण दुर्गंध व रक्त आने लगे तो रोगी को प्रतिदिन संतरे का ताजा रस दिया जाना चाहिए। साथ ही संतरे के छिलकों को बारीक पीसकर दंत मंजन में मिला लें फिर इस मंजन से धीरे-धीरे मसूढ़ों की मालिश करें। इससे रोगी को लाभ होगा।

छोटे शिशुओं को यदि ताजा संतरे का रस थोड़ी मात्रा में नियमित रूप से पिलाया जाए तो उनका शरीर तंदुरुस्त रहता है तथा रक्त शुद्ध रहता है। इससे उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं तथा उनका पूर्ण विकास होता है। खाज-खुजली होने पर भी संतरे का रस पीने से राहत मिलती है। साथ ही प्रभावित स्थान पर ताजा संतरे का छिलका रगड़ना चाहिए। इसके छिलके से आंखें भी साफ हो जाती हैं।

गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन संतरे का सेवन करना चाहिए इससे मां तथा गर्भस्थ शिशु दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। गर्भवती महिलाओं को होने वाले वमन तथा अतिसार के लिए संतरे के छिलके के चूर्ण की कुछ मात्रा देकर संतरे का रस पिलाएं।

यदि शिशुओं के पेट में कृमि हो जाएं तो संतरे के छिलकों को चार कप पानी में चौथाई शेष रहने तक उबालें, फिर छान कर उसमें थोड़ी सी हींग मिलाकर एक चम्मच शिशु को नियमित रूप से सुबह-शाम पिलाएं। इससे पेट के कृमि शीघ्र ही नष्ट हो जाएंगे। प्रतिदिन प्रातःकाल निराहार एक-दो रसीले संतरे खाने से मंदाग्नि की शिकायत दूर होती है।

कंगना ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' में क्यों निभाई नर्स की भूमिका

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।' कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।

कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।'

फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है

मुंबई टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।

नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे सेट पर बिताया गया हर पल पसंद है। कैमरे के सामने खड़े होकर एक्टिंग करना, लाइन्स याद करना और सही इमोशन्स के साथ दर्शकों तक पहुंचाना मुझे खुशी देता है। एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुनून है जिसे मैं पूरे दिल से जीती हूं। हर दिन का काम मुझे यह याद दिलाता है कि मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला क्यों किया था।

नेहा ने फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिल्मों और वेब सीरीज में कलाकारों को किरदार समझने, भाषा पर काम करने और रिसर्च करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कई बार वर्कशॉप भी आयोजित की जाती हैं, जिससे कलाकार अपने किरदार में और बेहतर ढंग से ढल सकें। लेकिन डेली सोप की दुनिया बिल्कुल अलग होती है।

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़ाचारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है।

बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार।

अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं। मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं।

मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहती

इंटरव्यू में शिल्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अब वो अपने काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब वही करना चाहिए जो दिल से सही लगे और स्क्रीन पर दिखने का कोई मजबूत कारण हो।

थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है। वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है।

शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' होस्ट करती दिखेंगी।

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर है एकता कपूर का राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए।

एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।

इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।

एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।

एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।

एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही।

उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009